वर्ष-11 अंक-75 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, गुरूवार 29 मई 2025

TM

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From

Adhunik Samachar

11 YEARS ANNIVERSARY

राष्ट्रपति शासन के बीच

मणिपुर में भाजपा विधायकों का सरकार बनाने का दावा

दस विधायकों की राज्यपाल से मुलाकात,22 के समर्थन का सौंपा पत्र

नई दिल्ली। मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनपीपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम ने कहा, 'कांग्रेस को छोड़कर 44 विधायक मणिपुर में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। नई सरकार के गठन का विरोध करने वाला कोई नहीं है। मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत ने 44 विधायकों से मुलाकात की है।' दूसरी तरफ, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली रवाना हो गए हैं। जल्द ही सरकार बनाने पर आलाकमान का फैसला आ सकता है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है।13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है।

बांग्लादेश में सियासी भूचाल, सेना प्रमुख से क्यों टकराए मोहम्मद यूनुस,क्या शेख हसीना वापस लौटेंगी

बांग्लादेश। मोहम्मद यूनुस के इस्तीफ़े तक बात पहुंचने के पीछे माना जा रहा इस सब की शुरुआत होती

है 10 महीने पहले जुलाई 2024 से। बांग्लादेश में अवामी लीग सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। धीरे-धीरे ये प्रदर्शन हिंसक विद्रोह में बदल गया और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। उन्हें भारत ने पनाह दी। अब सवाल था कि देश कौन चलाएगा? इसलिए नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस की अगुआई में एक अंतरिम सरकार का गठन हुआ। उन्हें प्रमुख सलाहकार बनाया गया। इस अंतरिम सरकार को प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं के अलावा बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी समेत कई राजनीतिक दलों और बांग्लादेशी सेना ने पूरा समर्थन दिया था। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस का झुकाव शुरुआत से ही शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन चलाने वाले छात्र नेताओं की तरफ रहा। इन छात्र नेताओं ने नेशनल सिटिजन पार्टी यानी एनसीपी बनाई। बीएनपी अक्सर यूनुस सरकार पर एनसीपी के प्रति समर्थन का आरोप लगाती रही है। वहीं, यूनुस सरकार ने 'मानवीय कॉरिडोर' समेत कई अहम मुद्दों पर बीएनपी और दूसरी पार्टियों के साथ सलाह मशविरा नहीं किया। इससे पार्टियों में भारी नाराजगी है। कई और मुद्दों पर भी यूनुस सरकार के खिलाफ देश में राजनीतिक प्रदर्शन हो रहे हैं, आंदोलन की तैयारी चल रही है। इस पर यूनुस ने निराशा जाहिर की है। दरअसल, 20 मई 2025 को बंद कमरे में एक मीटिंग हुई।

पुतिन आग से खेल रहे, मैं न होता तो रूस के साथ बहुत बुरा हो चुका होता-ट्रम्प,यूक्रेन पर हवाई हमले से नाराज

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को चेतावनी दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पुतिन आग से खेल रहे हैं। ट्रम्प का यह बयान यूक्रेन पर जारी हवाई हमलों के बाद आया। उन्होंने कहा कि अगर वे नहीं होते तो रूस के साथ बहुत बुरा हो चुका होता। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प इस हफ्ते के आखिर तक रूस पर नए प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने भी प्रतिबंध बढ़ाने की बात कही थी। इस दौरान ट्रम्प ने यह भी कहा था कि पुतिन पूरी तरह पागल हो गए हैं। दरअसल रूस ने 24 मई को यूक्रेन पर 3 साल में सबसे बड़ा हवाई हमला किया था, जिसके बाद से ट्रम्प खुलकर पुतिन की आलोचना कर रहे हैं। रूस ने कीव पर 9 बैलिस्टिक मिसाइलों, 60 क्रूज मिसाइलों और 298 ड्रोन से हमला किया था। ट्रम्प के बयान पर रूस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ एक ही बुरी चीज के बारे में जानता हूं-तीसरा विश्वयुद्ध। मुझे उम्मीद है कि ट्रम्प इसे समझेंगे। इससे पहले मेदवेदेव ने एक वीडियो जारी कर रह कि था अगर पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को मदद देना बंद नहीं किया तो वह सिर्फ पोलैंड तक सिमट कर रह जाएगा। ट्रम्प के बयान पर रूस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ एक ही बुरी चीज के बारे में जानता हूं-तीसरा विश्वयुद्ध। मुझे उम्मीद है कि ट्रम्प इसे समझेंगे।इससे पहले मेदवेदेव ने एक वीडियो जारी कर रह कि था अगर पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को मदद देना बंद नहीं किया तो वह सिर्फ पोलैंड तक सिमट कर रह जाएगा। रिपब्लिकन सीनेटर चक ग्रासले ने पुतिन को खेल खत्म होने का संदेश देने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।वहीं रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेट रिचर्ड ब्लूमेंथल ने उन देशों पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की है जो रूसी तेल, गैस और कच्चे माल की खरीद कर रहे हैं।

देश में कोरोना से 12 मौतें,1107 एक्टिव केस,युपी में कोविड से पहली मौत

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1107 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 430 मामले केरल से सामने आए हैं। महाराष्ट्र में 208, दिल्ली में 104, कर्नाटक में 100 और गुजरात में 83 केस हैं। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से पहली मौत है। इसके अलावा, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। कुल मृतक की संख्या 12 पहुंच गई है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि अभी तक देश में 4 वैरिएंट मिले हैं। इनमें एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी.1.8.1 वैरिएंट शामिल हैं।जयपुर में सोमवार को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दूसरी मौत प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी। वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई (रविवार) को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई। उसका 22 मई से इलाज चल रहा था। इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी। 24 मई को उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। केरल में दो लोगों की कोविड से मौत हुई है। भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी.1.8.1 सीरीज के हैं। बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं और लोगों को चिंता नहीं करनी चाहिए, बस सतर्क रहना चाहिए। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि, निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। चीन सहित एशिया के दूसरे देशों में कोविड के बढ़ते मामलों में यही वैरिएंट दिख रहा है। एनबी.1.8.1 के ए435एस, वी 445एच, और टी478आई जैसे स्पाइक प्रोटीन म्यूटेशन अन्य वैरिएंट की तुलना में तेजी से फैलते हैं। इन पर कोविड के खिलाफ बनी इम्यूनिटी का भी असर नहीं होता। भारत में कोविड का जेएन.1 वैरिएंट सबसे आम है। टेस्टिंग में आधे से ज्यादा सैंपल में यह वैरिएंट मिलता है। इसके बाद बीए.2 (26 प्रतिशत) और ओमिक्रॉन सबलाइनेज (20 प्रतिशत) वैरिएंट के मामले भी मिलते हैं।

पृथ्वी के वातावरण में आने पर स्टारशिप नष्ट,लेकिन बूस्टर की पानी में हार्ड लैंडिंग, सबसे ताकतवर रॉकेट का 9वां टेस्ट कामयाब नहीं

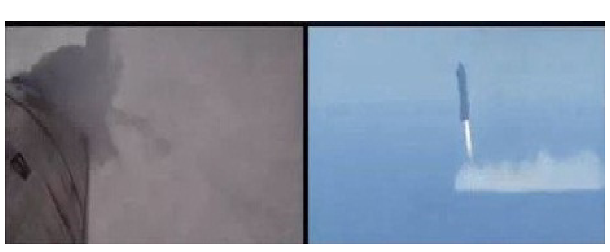

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 9वां टेस्ट कामयाब नहीं हो पाया। लॉन्चिंग के करीब 30 मिनट बाद स्टारशिप ने कंट्रोल खो दिया, जिस कारण पृथ्वी के वातावरण में एंटर करने पर ये नष्ट हो गया। ये लगातार तीसरी बार है जब स्टारशिप आसमान में ही नष्ट हुआ हो। हालांकि, बूस्टर ने अमेरिका की खाड़ी में हार्ड लैंडिंग की। लैंडिंग बर्न के दौरान एक सेंटर इंजन को जानबूझकर बंद किया ताकि बैकअप इंजन की क्षमता का परीक्षण किया जा सके। इस टेस्ट में पहली बार 7वें टेस्ट में इस्तेमाल किए गए बूस्टर का दोबारा उपयोग किया गया है। स्टारशिप को भारतीय समय के अनुसार आज यानी, 28 मई को सुबह करीब 5 बजे टैक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया था। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इस रॉकेट को बनाया है। इस व्हीकल की ऊंचाई 403 फीट है। ये पूरी तरह से रीयूजेबल है।इस टेस्ट के बाद इलॉन मस्क ने कहा- स्टारशिप निर्धारित शिप इंजन कटऑफ तक पहुंच गया, इसलिए पिछली उड़ान की तुलना में बहुत सुधार हुआ है।रिसाव के कारण कोस्ट और री-एंट्री फेज के दौरान मेन टैंक प्रेशर में कमी आई। अब अगले तीन लॉन्च काफी तेजी से होंगे। लगभग हर 3 से 4 हफ्ते में लॉन्च होगा।स्टारशिप के ऊपरी हिस्से की इंडियन ओशन कंट्रोल्ड वॉटर-लैंडिंग कराई जानी थी जो नहीं हो सकी। इसके अलावा पेलोड डिप्लॉयमेंट और अंतरिक्ष में रहते हुए एक रैप्टर इंजन को चालू करने जैसे एक्सपेरिमेंट भी नहीं हो सके। बूस्टर के लैंडिंग बर्न के दौरान एक खास इंजन कॉन्फिगरेशन का प्रदर्शन किया गया। लैंडिंग के अंतिम चरण में तीन सेंटर इंजनों में से एक को जानबूझकर बंद किया गया ताकि यह जांचा जा सके कि मिडिल रिंग का बैकअप इंजन लैंडिंग को पूरा कर सकता है या नहीं।बूस्टर ने केवल दो सेंटर इंजनों पर स्विच किया। लैंडिंग बर्न के अंत में, जब ये गल्फ ऑफ अमेरिका के ऊपर था, तो इंजन बंद कर दिए गए। इसके बाद बूस्टर ने पानी में हार्ड लैंडिंग की।स्पेसएक्स आमतौर पर टेस्ट फ्लाइट्स को रिसर्च की सफल उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करता है। कंपनी ने एक ट्वीट में कहा, ऐसे टेस्ट में सफलता इस बात से आती है कि हम क्या सीखते हैं, और आज का टेस्ट स्टारशिप की विश्वसनीयता को बेहतर बनाने में मदद करेगा। लेकिन स्टारशिप कई प्रमुख टेस्टिंग माइलस्टोन्स तक पहुंचने में विफल रहा, जैसे कि मॉक सैटेलाइट्स को तैनात करने की कोशिश

डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे।हाईकोर्ट परिसर में मल्टीलेवल पार्किंग और अधिवक्ता चैंबर के उद्घाटन की तैयारियों का जायजा लिया।

पति की हत्या, मरा समझकर लहूलुहान पत्नी से रेप, झांसी के दंपती से दिल्ली में हैवानियत, पुलिस ने 700किमी पीछा कर पकड़ा

झांसी। झांसी के दंपती पर दिल्ली में 21 मई को हमला हुआ। वारदात को साथ काम करने वाले युवक ने ही अंजाम

दिया। दोनों को हथौड़े से मारा। उसे लगा कि दोनों की मौत हो गई है। इसके बाद लहूलुहान महिला से रेप किया। फिर भाग गया। जानकारी पर पुलिस पहुंची। दंपती को एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा। जहां डॉक्टरों ने पति को मृत घोषित कर दिया, जबकि पत्नी की हालत नाजुक है। पुलिस ने सीसीटीवी के जरिए 700 किलोमीटर तक आरोपी अखिलेश (40) का पीछा किया। इसके बाद रायबरेली से 25 मई को गिरफ्तार कर लिया। ये घटना दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के किशनगढ़ स्थित कटवारिया सराय इलाके में हुई है। पुलिस पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर दिया।पुलिस के मुताबिक, रायबरेली निवासी अखिलेश महिला पर गलत नजर रखता था। इस पर उसके पति ने टोक दिया था और पत्नी से दूर रहने की हिदायत दी थी। यह बात आरोपी अखिलेश को नागवार गुजरी। इससे नाराज दंपती पर हथौड़े से वार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दंपती को सबक सिखाना चाहता था। हत्या के बाद भी जब संतुष्टि नहीं मिली तो उसने अपनी हवस मिटाने के लिए महिला से हैवानियत की। पुलिस मेडिकल कराया, जिसमें रेप की पुष्टि हुई।झांसी निवासी दंपती एक साल पहले काम के सिलसिले में दिल्ली गए थे। वे पहले गुरुग्राम में रहते थे। यहां अखिलेश भी काम करता था। अखिलेश की मुलाकात दंपती से हुई थी। एक ही राज्य का होने की वजह से दोनों में बातचीत शुरू हो गई और एक- दूसरे के यहां आना-जाना शुरू हो गया।दो महीने पहले ठेकेदार ने दोनों को दिल्ली बुला लिया। कटवारिया सराय में रहने लगे। इस बीच अखिलेश महिला से बातचीत करने लगा। इसका पता चलने पर पति ने बातचीत बंद कर दी। बदला लेने की नीयत से उसने वारदात को अंजाम दिया।रायबरेली के गांव मझिगंवा-करन, चौहनिया निवासी अखिलेश ने पुलिस पूछताछ में बताया कि महिला के पति ने उसकी जमकर बेइज्जती की थी। उसे लगता था कि महिला का किसी अन्य युवक की ओर झुकाव है। इसी वजह से उसने हमला किया।अखिलेश और पति दोनों दिल्ली में राजमिस्त्री का काम करते थे। अगल-बगल कमरा लेकर रहते थे। अखिलेश महिला से बात करता था। पति ने अखिलेश को डांटकर दूर रहने के लिए कहा। इस पर अखिलेश आग बबूला हो गया। सुबह 4 बजे नशे में दंपती के घर पहुंचा। पहले पति की हत्या की।

युपी 15 साल में पहली बार नहीं चलेगी लू, 27 जिलों में बारिश का अलर्ट,मुंबई में भारी बारिश,लो विजिबिलिटी से उड़ानों पर

नई दिल्ली। यूपी में आज यानी 26 मई से नौतपा का दूसरा दिन है। 27 जिलों में बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिन तराई और पूर्वी इलाकों में नमी युक्त हवा चलेगी। दक्षिणी यूपी के

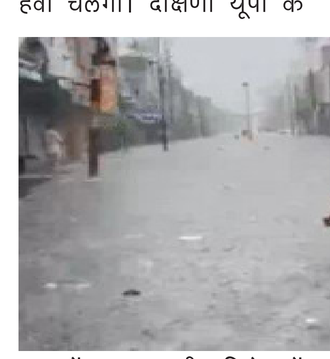

इलाकों व वाराणसी परिक्षेत्र में बूंदाबादी हो सकती है। 15 साल में यह पहला मौका है। जब नौतपा के 9 दिन में एक दिन भी लू नहीं बहेगा। वहीं, नौतपा के पहले दिन 20 जिलों में जोरदार बारिश हुई। गाजियाबाद में आंधी-बारिश से एसीपी ऑफिस की छत गिर गई। मलबे में दबने से दरोगा वीरेंद्र कुमार मिश्रा की मौत हो गई। मथुरा में देर रात से बारिश का दौर जारी है। प्रेमानंद महाराज ने छाता लेकर पदयात्रा निकाली। बारिश के बावजूद उनके सैकड़ों भक्त दर्शन के लिए खड़े रहे। मथुरा में सड़कों पर कई फीट पानी भर गया। देश के 9 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। 24 मई को केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी को कवर करने बाद मानसून ने 25 मई को पूरा गोवा और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से समेत मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड को कवर किया है। आज सुबह से ही मुंबई में तेज बारिश हो रही है। कई जगह 7-8 किमी लंबा जाम लगा हुआ है। 70 से 80 किमी की रफ्तार से हवा चली, जिनके चलते पेड़ गिरे हैं। घने बादल की वजह से विजिबिलिटी काफी लो है। लोग गाड़ियों की लाइट ऑन करके ड्राइव कर रहे हैं। विजिबिलिटी कम होने से देश के अलग-अलग शहरों से आने वाली 8 फ्लाइट्स भी प्रभावित हुई हैं। रविवार को महाराष्ट्र में 35 साल बाद तय समय से पहले मानसून पहुंचा। राज्य में मानसून अमूमन 5 जून के आसपास एंट्री करता था। इस बार 10 दिन पहले पहुंचा। इसके पहले 1990 में 20 मई को पहुंचा था। कल पश्चिमी महाराष्ट्र में मानसूनी बारिश शुरू हुई। रविवार को पुणे में तेज बारिश हुई।

पुणे-सोलापुर हाईवे पर पाटस इलाके में बादल फटा। कई नदी-नाले अचानक उफान पर आ गए। इसके चलते 200 घरों में पानी भर गया और कई गाड़ियां बह गईं। ट्रैक्टर भी पानी में डूब गया। पुणे के बारामती और इंदापुर में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। यहां एनडीआरएफ की 2 टीमें रेस्क्यू के लिए तैनात की गई हैं।

मां सरस्वती के अनन्य साधक थे गणेश देववंश जीः प्रियांशु दीपक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। माँ सरस्वती के अनन्य साधक पं. गणेश देववंश जी को शत्-शत् नमन रात के सन्नाटे में नैनी बाजार की संकरी गलियाँ आज कुछ और ही कह रही हैं। घड़ी की सुइयाँ जब 10:15 पर ठहरीं, तब जैसे पूरी कायनात एक पल को थम गई। आम दिनों में चाय की दुकानें, ठहाके, बच्चों की किलकारियाँ जहाँ गूंजती थीं, वहाँ आज बस एक मौन पसरा था–ऐसा मौन जो बहुत कुछ कहता

है, बहुत कुछ छिपाए हुए है। कुछ कुर्सियाँ बिछी हैं। उन पर बैठे हैं उनके परिवारजन, शिष्य, मित्र और वो सब, जिनके जीवन में पं. गणेश देववंश ने कोई न कोई सुर छेड़ा था। सूचियाँ बन रही हैं–'कौन-कौन आया?', 'किसने अंतिम दर्शन किए?' लेकिन उस भीड़ के बीच, एक स्थिर चेहरा है–जो कुछ नहीं बोलता, पर सब कुछ कह जाता है। यह केवल एक शरीर नहीं है, यह वह वाणी है जिसने माँ सरस्वती की साधना को जीवनभर जिया, सँवारा और बाँटा। यह देह उस आत्मा की थी जो यमुनापार की माटी में जन्म लेकर अमेरिका के संगीत मंचों तक अपनी सुरलहरियों से एक अमिट छाप छोड़ आई। 1968 में जन्मे पं. गणेश देववंश, बचपन से ही संगीत की गोद में पले-बढ़े। उनके पिता, स्व. विशंभर नाथ, स्वयं एक उच्चकोटि के संगीतज्ञ थे और अपने पुत्र को शास्त्रीय संगीत की पुस्तकीय और व्यावहारिक शिक्षा दी। उनके गुरु–पं. मोहन मिश्रा जी और पं. विद्याधर मिश्र जी–ने उन्हें रागों की आत्मा से परिचित कराया। यहीं से उनके भीतर एक साधक जन्मा, जिसने संगीत को पूजा बना लिया। उनका जीवन आसान नहीं रहा। 2005 में पत्नी का वियोग, 1999 में ब्रेन हेमरेज, आर्थिक कठिनाइयाँ और अंततः किडनी की गंभीर बीमारी–इन सबके बावजूद वे टूटे नहीं। हर बार उन्होंने रियाज़ के सुरों से खुद को फिर से जोड़ा। और शायद यही उनकी सबसे बड़ी साधना थी–हर विपदा को माँ सरस्वती के चरणों में समर्पित कर देना। उनका जीवन केवल एक कलाकार की यात्रा नहीं, बल्कि एक प्रेरक कथा है।2007 के महाकुंभ में जब अमेरिका की एक म्यूज़िक कंपनी ने उन्हें कार्यक्रम का मुख्य संगीत निर्देशक नियुक्त किया और उनका टाइटल सॉन्ग 'राज जोक' पर आधारित रहा, तो यह केवल प्रयागराज नहीं, बल्कि भारत के लिए गौरव का क्षण था।उन्होंने कुमार सानू जैसे गायक की आवाज़ को अपने संगीत से सजाया। उनका एलबम - 'आज मौसम बड़ा बेईमान है', 'चिंगारी कोई भड़के', और वीडियो एल्बम 'महाबली तेरे जैसा' - आज भी संगीतप्रेमियों के हृदय में जीवित हैं। नैनी जैसे कस्बे को उन्होंने भारत के संगीत मानचित्र पर गौरवपूर्ण स्थान दिलाया। उनके शिष्य आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संगीत परंपरा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं–जैसे कि नेहा वर्मा, जिन्होंने 2006 में सारेगामापा में चयनित होकर गुरु का नाम गौरव से लिया,प्रियांशु श्रीवास्तव–गायक, अभिनेता, उद्घोषक और यमुनापार कलाकार संघ के अध्यक्ष,आशीष शर्मा–मशहूर संगीतकार एवं गायक और रूपेश, उनके अन्य समर्पित शिष्य उन्हें याद करके आज आंसू बहा रहे हैं।उनकी स्मृति में हम यह भी नहीं भूल सकते कि जब जीवन ने उन्हें एक कोने में धकेल दिया था, तब कुछ शिष्य–प्रियांशु और आशीष–उनके जीवन में आशा की लौ लेकर आए। राजर्षि टंडन मंडपम में उनकी पुनरावृत्ति वाला वह मंचन, जब सभागार 'वंस मोर' से गूंज उठा–एक चमत्कार सा लगता है। यह केवल वापसी नहीं थी, यह पुनर्जन्म था। उनके पुत्र आकाश, जिन्होंने उन्हें मुखाग्नि दी, और पुत्री वर्षा–आज केवल एक पिता को नहीं, एक युग को विदा कर रहे हैं। उनके जाने के बाद लोग पूछते हैं–'मिट्टी कितने बजे उठेगी?'पर हम जानते हैं, गुरुजी केवल मिट्टी नहीं थे।वह वह स्वर थे जो राग भैरव की तरह सुबह के सन्नाटे में उतरते थे।वह वह लय थे जो हर हृदय में संगीत की पहली धड़कन बनते थे। वह वह प्रेरणा थे जो हर साधक के रियाज़ को मंत्र बनाती थी।आप अमर हैं, गुरुजी।आपकी मुस्कान, आपका खिलंदड़पन, आपके सुर, आपकी आत्मा–सब हमारे भीतर जीवित हैं। हर बार जब हम रियाज़ करेंगे, हर बार जब कोई शिष्य सुर साधेगा–आप वहीं होंगे।आपकी आत्मा को हम सबका कोटिशः नमन आपकी साधना को संगीत का प्रणाम और आपके चरणों में श्रद्धा से जुड़ी हुई हमारी प्रार्थना–कि माँ सरस्वती के आँगन में आपको वह शांति मिले, जो केवल अमर साधकों को मिलती है।प्रस्तुतिः प्रियांशु श्रीवास्तव (गायक एवं उद्घोषक संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं दूरदर्शन)

यूपी में बिजलीकर्मी ड्यूटी से गायब तो नौकरी जाएगी

वाराणसी। यूपी में पूर्वांचल और दक्षिणांचल बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण के विरोध में आर-पार की लड़ाई पर उतर चुके कर्मचारियों ने कदम पीछे खींच लिए हैं। 29 मई से प्रदेश के एक लाख संविदा और नियमित कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार की घोषणा कर रखी थी। लेकिन, कंपनी की ओर से बर्खास्तगी की चेतावनी के चलते कर्मचारी बैकफुट पर आ गए। प्रदेश सरकार की ओर से 7 दिसंबर, 2024 को ही लागू किए गए एसेंशियल सर्विसेज मेंटेनेंस एक्ट (एस्मा) से भी कर्मचारी दबाव में थे।

बाइक पर फोन कर रहे युवक को गोली मारी,प्रयागराज में बाइक सवार दो बदमाशों ने किया हमला, पीड़ित अस्पताल में भर्ती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। कोतवाली हंडिया क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। बाइक सवार दो बदमाशों ने युवक को गोली मार दी। घटना बासुपुर बाजार की है। तारा गांव के रहने वाले अनुज यादव (पिता उदय प्रताप यादव) बासुपुर बाजार में अपनी बाइक पर बैठकर फोन पर बात कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए दो बदमाशों ने उन पर गोली चला दी। गोली लगते ही अनुज जमीन पर गिर पड़े। इससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों के साथ घायल अनुज को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। एसीपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक पीड़ित की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। इंस्पेक्टर हंडिया नितेंद्र कुमार शुक्ला ने कहा कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से जल्द ही हमलावरों की पहचान कर ली जाएगी।

प्रयागराज में कोरोना के लिए स्वास्थ्य विभाग तैयार, एमएलएन, मेडिकल कॉलेज में फिर होगी कोरोना की जांच, शासन के गाइड लाइन का इंतजार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। युपी में कोरोना के मरीजों की संख्या 5 तक पहुंच गई है। इसके बाद यहां प्रयागराज में भी स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में जुट गया है। हालांकि सरकार की ओर से अभी कोई गाइडलाइन इसके लिए नहीं जारी किया गया है फिर भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई है। कोरोना को लेकर सरकार की ओर से कोई भी गाइडलाइन आते ही इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया जाएगा।वहीं, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के लैब में कोरोना की जांच की व्यवस्था शुरू की जा रही है। जांच किट पहले से ही उपलब्ध है। यदि जरूरत पड़ती है तो तत्काल जांच की जाएगी।स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरबी कमल ने बातचीत के दौरान बताया कि इस अस्पताल में कोविड वार्ड बनाया गया था, बड़ी संख्या में कोविड मरीजों का यहां इलाज भी किया गया था। यदि शासन स्तर से कोविड वार्ड बनाने का आदेश आता है तो इसके लिए हमारी टीम ने तैयारी कर ली है। वहीं प्रयागराज के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरूण कुमार तिवारी बताते हैं कोविड के खतरे से निबटने को हम तैयार हैं। हमारी टीम पूरी तरह से प्रशिक्षित है और संसाधन आदि भी पर्याप्त है।

यूपी में कोरोना के 38 एक्टिव केस, एक की मौत, बीएचयु में डॉक्टर पॉजिटिव

वाराणसी। मंगलवार को एक साथ दो केस मिले। आइएमएस बीएचयु के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के एक रेजिडेंट और लैब ऑपरेटर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दोनों ही फिलहाल होम आइसोलेशन में हैं। ऐसी में डॉक्टर्स ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है। यह वाराणसी में कोरोना के नए वैरिएंट एनबी1.8.1. का पहला केस है। लखनऊ में मंगलवार को एक मरीज की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

लखनऊ के आशियाना निवासी 60 साल के बुजुर्ग 7 मई से परिवार के साथ उत्तराखंड की 4 धाम यात्रा पर थे। 8 मई को कॉमन कोल्ड के साथ उनकी तबीयत बिगड़ी। इस बीच 12 मई को हरिद्वार में उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी। उसी दिन उन्हें एसजीपीजीआई में भर्ती किया गया। जहां उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया। इस दौरान उनके सैंपल भी जांच के लिए भेजे गए। उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद परिवार के लोगों की कांटेक्ट ट्रेसिंग भी हुई। राहत की बात ये रही कि सभी की रिपोर्ट नेगेटिव है।

65 साल की गर्लफ्रेंड से मिलने आधी रात पहुंच गया 45 साल का आशिक, संबंध बनाने से मना करने पर गला घोंट दिया

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 45 साल के एक आदमी ने अपनी 65 साल की प्रेमिका की हत्या कर दी। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि महिला ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने से मना कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे जेल भेज दिया है। आरोपी दिनेश कुमार सेन ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। कौशांबी जिले के सराय अकिल थाना क्षेत्र के बरई गांव में यह घटना हुई। 65 साल की सावरी देवी 25 मई को अपने घर में मृत पाई गई थीं। उनके गले में कपड़े का एक टुकड़ा बंधा हुआ था और उनके कपड़े अस्त-व्यस्त थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी।पुलिस ने गहन जांच के बाद दिनेश कुमार सेन को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी बसुहार मोड़ के पास से हुई। पूछताछ में दिनेश ने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने बताया कि सावरी देवी की कोई संतान नहीं थी। शादी के 6-7 साल बाद ही उसके पति ने उसे छोड़ दिया था।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राजेश कुमार सिंह ने इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सावरी देवी अपने ससुराल में एक अलग मिट्टी के घर में अकेली रहती थी। दिनेश उसे दूध और दूसरी जरूरी चीजें पहुंचाता था। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम और शारीरिक संबंध बन गए।दिनेश ने पुलिस को बताया कि वह और सावरी देवी अक्सर रात में फोन पर बात करते थे। कभी-कभी वह देर रात उसके घर भी जाता था। 23 मई की रात करीब 10 बजे वह उससे फोन पर बात करने के बाद उसके घर गया। उसने सावरी देवी से शारीरिक संबंध बनाने के लिए कहा। लेकिन सावरी देवी ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर मना कर दिया। दिनेश को लगा कि सावरी देवी बहाना बना रही है। इसलिए उसने उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। लेकिन सावरी देवी ने उसे धक्का दे दिया। गुस्से में आकर दिनेश ने कपड़े के टुकड़े से उसका गला घोंट दिया। गिरफ्तारी के डर से दिनेश ने सावरी देवी का मोबाइल फोन छीन लिया। उसने उसे अपने घर के पास नाले में फेंक दिया। दिनेश के कबूलनामे के आधार पर पुलिस ने सावरी देवी का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है।पुलिस ने बताया कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दिनेश को कोर्ट में पेश किया गया। बाद में उसे जेल भेज दिया गया।इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। लोग हैरान हैं कि एक मामूली बात पर एक आदमी ने इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दे दिया। पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है।एएसपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। एएसपी राजेश कुमार सिंह के अनुसार, 'पूछताछ के दौरान दिनेश ने अपना अपराध कबूल कर लिया।' पुलिस ने यह भी कहा, 'कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दिनेश को कोर्ट में पेश किया गया और बाद में जेल भेज दिया गया।'

मिशन 2027

बीजेपी के विधायकों को ग्रेडिंग सिस्टम से मिलेगा टिकट, ए को ओके, बी को वेट, सी को कट

मेरठ। भारतीय जनता पार्टी में यूपी में मिशन 2027 की तैयारी शुरू कर दी हैं। पार्टी 2017 और 2022 की तरह 2027 में हैट्रिक लगाकर यूपी को भी गुजरात की तरह सियासत में अपना गढ़ बनाने की चाह रखती है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा एमएलए जिता कर लाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए पार्टी की कसौटी पर खरे नहीं उतरने वाले विधायक का टिकट काटकर नए चेहरों को उतारने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। पार्टी थिंकटैंक ने तय किया है कि विधायकों को हर हाल में जनकल्याण, जाति और जनाधार की कसौटी पर खरा उतरना होगा। ऐसे में बड़ी तादाद में मौजूदा विधायकों में बेचैनी है। बीजेपी के एक पदाधिकारी की मानें तो वेस्ट यूपी में टिकट कटने की जद में आने वाले विधायकों की तादाद ज्यादा हो सकती है। बीजेपी ने अपनी सियासी पकड़ को एक बार फिर मजबूत बनाना शुरू कर दिया। प्लान के मुताबिक, विधायकों की ग्राउंड रिपोर्ट पता कर पार्टी के तय मानक पर खरा उतरने वाले को ही 2027 में टिकट दिया जाएगा। पार्टी, सरकार और निजी एजेंसी के जरिए पता किया जा रहा है कि विधायक की खुद की जाति और जनता में जनाधार कैसा है। विकास को लेकर कामकाज कैसा है और क्षेत्र में सक्रियता कितनी है, क्योंकि बीजेपी नहीं चाहती कि चुनावी रण में कमजोर सेनापति (प्रत्याशी) उतरें। बीजेपी संगठन के एक पदाधिकारी के मुताबिक, विधायकों को परखने के लिए तीन कैटेगरी ए, बी और सी बनाई गई है। सर्वे में कैटेगरी के आधार पर अंक दिए जाएंगे। सर्वाधिक अंक पाने वाले विधायक ए श्रेणी में रहेगा। इनका टिकट ओके रहेगा। बी श्रेणी में उन विधायकों को रखा जाएगा जो क्षेत्र में सक्रिय तो हैं, लेकिन दागी हैं। ऐसे विधायकों को 2027 में वेटिंग लिस्ट में रखा जाएगा जिनमें से परख कर आखिरी वक्त में कुछ को चुनावी रण में उतारा जा सकता है। सी श्रेणी में उन विधायकों को रखा जाएगा तो पार्टी के तय कई मानक पर फेल हैं और 2027 में भी जीतने की चांस कम है। उनका टिकट काटा जाएगा। दरअसल, 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने तीस से अधिक मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए थे। कई मंत्रियों को भी टिकट नहीं दिया था। पार्टी का टिकट काटकर नए प्रत्याशी उतारने का दांव सफल रहा था।

'मर भी जाएं, तो हमें खबर न करना..', परिवार ने छोड़ा बुजुर्ग का साथ, आखिरी समय में वृद्धाश्रम बना सहारा

गाजीपुर। यह दास्तान उस कड़वी सच्चाई को बयां करती हैं, जहां खून के रिश्ते भी स्वार्थ के सामने फीके पड़ जाते हैं। जो मां-बाप अपने पूरे जीवन में बच्चों को बड़े लाड प्यार से पालते हैं, पढ़ाते हैं, उनको जीवन में एक अच्छा इंसान बनाने के लिए अच्छे संस्कार सीखाते हैं। बच्चों की हर मांग को जीवन भर पूरा करते हैं। लेकिन वही बच्चे बड़े होते ही उनको अपने से अलग करने में लग जाते हैं। इस कलियुगी दुनिया में बच्चों द्वारा बूढ़े माता-पिता के साथ जिस तरीके का बर्ताव किया जा रहा है, और जिन घटनाओं का सामना किया जा रहा है।कुछ ऐसा ही वाक्या उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से सामने आया है जहां वृद्ध गौरी शंकर गुप्ता पर उनके बच्चों द्वारा उत्पीड़न किया गया और अब बीते रविवार को उन्होनें एक वृद्धाश्रम में आखिरी सांस ली।बता दें, गाजीपुर में कासिमाबाद क्षेत्र के निवासी गौरी शंकर गुप्ता की जिंदगी मेहनत और संघर्ष की कहानी थी। लेकिन बुढ़ापे में जब ताकत जवाब दे गई, वो असहाय हो गए, तो अपने ही परिवार ने उन्हें दरकिनार कर दिया। जहां उनके बेटे-बहू ने उन्हें घर से तो निकाला ही उनकी पत्नी ने भी उनका साथ नही दिया। उनके घर से लेकर ससुराल तक में कोई भी सहारा देने वाला नहीं मिला। जीवन से थक हारकर आखिरकार, 2019 में गौरी शंकर को वृद्धाश्रम में शरण लेनी पड़ी। जहां उन्होंने अपने जीवन के अंतिम छह साल बिताए। और बीते रविवार देर शाम उन्होंने वृद्धाश्रम में आखिरी सांस लेते हुए इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

बुलंदशहर में 6 साल की भतीजी से ताऊ ने किया दुष्कर्म, ब्लीडिंग नहीं रुकने पर मेरठ हायर सेंटर रेफर, अभी नहीं आया होश

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में एक दरिंदगी की हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां सगे ताऊ ने छह साल की भतीजी के साथ दुष्कर्म किया। ब्लीडिंग होने पर वह उसको छोड़कर भाग गया। बच्ची को गंभीर हालत में मेरठ के हायर सेंटर रेफर किया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है।बुलंदशहर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। खुर्जा कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गांव में टॉफी के बहाने ताऊ ने 6 साल की भतीजी के साथ दुष्कर्म की जघन्य वारदात को अंजाम दिया। खून से लथपथ बिटिया का मेरठ के हॉस्पिटल में इलाज किया जा रहा है। बच्ची के प्राइवेट पार्ट और अंदरूनी हिस्से में गम्भीर चोट के निशान बताए गए हैं। पीड़ित मासूम फिलहाल होश में नहीं आई है।वारदात 27 मई शाम 7 बजे की है, जब खुर्जा देहात क्षेत्र के एक गांव में 6 साल की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। आरोप है कि बच्ची का ताऊ रविन्द्र पुत्र राजपाल टॉफी दिलवाने के बहाने उसे साथ ले गया और उसके साथ दरिंदगी की वारदात को अंजाम दिया। बच्ची की ब्लीडिंग देख आरोपी ताऊ फरार हो गया। घटना के बाद खून से लथपथ बच्ची घर पहुंची तो परिजनों में हड़कंप मच गया।पूछताछ में बच्ची ने परिजनों को आपबीती सुनाई। परिजन ग्रामीणों को लेकर खुर्जा कोतवाली देहात पहुंच गए। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया और जिला अस्पताल में उसे एडमिट करा दिया। ब्लीडिंग नहीं रुकने पर डॉक्टरों ने बच्ची को मेरठ हायर मेडिकल सेंटर रेफर कर दिया। फिलहाल बच्ची की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी रविन्द्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सीओ खुर्जा विकास प्रताप सिंह ने बताया आरोपी को खुर्जा पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से तमंचा कारतूस भी बरामद किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पुलिस अभिरक्षा में उसका इलाज चल रहा है। आरोपी दरिंदा ताऊ परिवार से अलग रहता था। उसकी पत्नी और बच्चे गाजियाबाद में रहते हैं। रविन्द्र का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा है, इसलिए वह गांव में अकेला रहता था। खुर्जा कोतवाली देहात प्रभारी असलम खान ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पीड़ित बच्ची का ताऊ है और एक ही गांव में रहते हैं।

वाराणसी-पुलिस कमिश्नर के पीआरओ पर महिला के बड़े आरोप, नौकरी लगवाने के नाम पर 16 लाख ठग लिए

वाराणसी। पुलिस कमिश्नर के पीआरओ दीपक रानावत पर नौकरी का झांसा देकर 16 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगा है। मैनपुरी की महिला अनीता यादव ने पुलिस कमिश्नर से इसकी शिकायत की है। महिला का आरोप है कि पुलिस भर्ती परीक्षा-2024 और दिल्ली हाई कोर्ट में स्टेनो पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर यह ठगी हुई। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने मामले की जांच आइपीएस अफसर से कराने का आश्वासन दिया है।मैनपुरी के आगरा रोड पर गोपीनाथ बस अड्डा निवासी अनीता यादव ने पुलिस कमिश्नर को शिकायती पत्र देकर न्याय की मांग की है। उनका आरोप है कि पुलिस भर्ती परीक्षा -2024 व दिल्ली हाईकोर्ट में स्टेनो पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की गई है। महिला ने पुलिस कमिश्नर को कुछ वीडियो काल्स भी दिखाई हैं।पुलिस कमिश्नर को दिए पत्र में महिला ने बताया है कि एसआइ दीपक रानावत जो वर्तमान में पुलिस कमिश्नर के पीआरओ पद पर कार्यरत हैं , उनसे जुलाई -2024 में बात हुई। उन्होंने बेटे को नौकरी दिलाने की बात कही। उस समय पुलिस भर्ती परीक्षा -2024 चल रही थी। दीपक ने कहा कि उसका दोस्त संदीप संघ लोकसेवा आयोग में है। वह प्रत्येक भर्ती में काम करा देता है। इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट में स्टेनो पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर 16 लाख रुपये संदीप को देने के लिए कहा।दीपक की बातों पर भरोसा कर अपने सारे जेवर बेचकर और ब्याज पर पैसा लेकर 30 अगस्त 2024 को मथुरा बस स्टैंड के पास आठ लाख रुपये दिए। बाकी के आठ लाख रुपये दोबारा दीपक के कहने पर फिर मथुरा बस स्टैंड पर जाकर उक्त व्यक्ति को दिए। 15 अक्टूबर 2024 तक इसने मेरे बेटे की नौकरी लगवाने का आश्वासन भी दिया ।महिला ने आरोप लगाया है कि दीपक ने संदीप के साथ मिलकर मेरा शारीरिक और मानसिक शोषण किया है। इन लोगों ने धमकी भी दी है। महिला ने पुलिस कमिश्नर को दो मोबाइल नंबर भी बताए हैं जो अभी बंद आ रहे हैं। उसने बताया है कि ऑनलाइन भी एक लाख रुपये लिए गए हैं ।दूसरी ओर, पुलिस कमिश्?नर के पीआरओ दीपक रानावत ने महिला के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। दीपक का कहना है कि यह महिला कभी मिली नहीं , कोई बात नहीं हुई। पैसे के लेन -देन का कोई प्रमाण नहीं है । इस मामले की जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

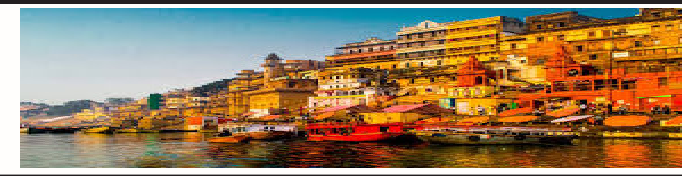

भारत

कानपुर हेयर ट्रांसप्लांट से मौत मामला-इंजीनियरों की जान लेने वाली डॉक्टर बोली-कर्मों की सजा मिली,बेटियां बीमार हुईं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कानपुर। कानपुर हेयर ट्रांसप्लांट से मौत के मामले में इंजीनियरों की जान लेने वाली डॉक्टर बोली-कर्मों की सजा मिली,बेटियां बीमार हुईं इसके अलावा उसने विवेचक को बताया 'मेरे पति कार्डियक पेशेंट हैं, पुलिस से भाग-भागकर मेरे साथ दोनों बेटियां बीमार पड़ गईं। सास को तीन बार हार्ट अटैक पड़ा चुका है। पिता बीमार रहते हैं। नहीं पता मेरे बेटियों की परवरिश कैसे होगी। मैं मान रही हूं कि मुझसे गलती हुई। मुझे मेरे कर्मों की सजा मिल रही है।' बताते हुए आरोपी डॉ. अनुष्का तिवारी रोने लगीं। जेल में 27 मई को जब जांचकर्ता (विवेचक) पूछताछ करने पहुंचे, तो डॉ. अनुष्का बेहद नर्वस रही। लेकिन, उसने हर एक सवाल का जवाब दिया। 2 इंजीनियरों की हेयर ट्रांसप्लांट ऑपरेशन से हुई मौत के बाद वह अपने पति के साथ 18 दिन तक फरार रही। पूछताछ में सामने आया कि 5 राज्यों में वह छिपती रही। आगे विवेचक द्वारा पूछे गए कुछ सवाल विवेचक : ट्रांसप्लांट में ऐसी क्या गड़बड़ी हुई कि विनीत की मौत हो गई? अनुष्का : सर, मैंने और मेरी टीम ने ट्रांसप्लांट के दौरान कोई कमी नहीं रखी थी। लेकिन, मना करने के बावजूद विनीत ने शराब पी ली थी। मुझे याद है कि जिस दिन होली जली थी, उस दिन (13 मार्च को) विनीत ने अपना हेयर ट्रांसप्लांट कराया था। वह एकदम ठीक हालत में अपने घर गया था। देर रात जब उसकी ज्यादा हालत बिगड़ी, तो मैं उसे हॉस्पिटल में एडमिट कराने के लिए बर्रा में उसके दोस्त के घर लेने गई थी। विवेचक : हेयर ट्रांसप्लांट कौन करता था? अनुष्का : हेयर ट्रांसप्लांट मेरे क्लिनिक पर ही होता

था। मेरे पास हेयर ट्रांसप्लांट करने वाली एक्सपर्ट की टीम थी। कोई स्थायी स्टाफ हेयर ट्रांसप्लांट करने वाला नहीं था। जब भी कोई केस आता, तब मैं कॉल करके टीम को बुला लेती और हेयर ट्रांसप्लांट कराती थी। विवेचक : क्या आपके पास हेयर ट्रांसप्लांट से संबंधित कोई डिग्री या डिप्लोमा है? अनुष्का : मेरे पास हेयर ट्रांसप्लांट करने का सर्टिफिकेट है। विवेचक : सर्टिफिकेट कोर्स कहां से किया? अनुष्का : अनुष्का सन्नाटे में चली गई और इसका जवाब नहीं दे सकी। विवेचक : आप कब से हेयर ट्रांसप्लांट कर रही हैं? अनुष्का : मैं साल 2019 से हेयर ट्रांसप्लांट कर रही हूं। पहले मेरा क्लिनिक कल्याणपुर में ही दूसरी जगह था। काम अच्छा चलने के बाद मैंने स्कॉर्ट वर्ल्ड स्कूल केशवपुरम के पास आरपीएस प्लानेट सोसाइटी में ग्राउंड फ्लोर का फ्लैट खरीदकर उसमें अपना स्थायी रूप से क्लिनिक शिफ्ट कर लिया था। 6 महीने पहले ही नई जगह शिफ्ट हुए हैं।विवेचक : जब आपके पास हेयर ट्रांसप्लांट से जुड़ी डिग्री या डिप्लोमा नहीं तो ये काम क्यों शुरू किया? अनुष्का : मैं कोई पहली डॉक्टर नहीं हूं, जो बगैर डिग्री या डिप्लोमा के हेयर ट्रांसप्लांट कर रही हूं। कानपुर के कई बड़े-बड़े अस्पतालों में बगैर डिग्री या डिप्लोमा के ही हेयर ट्रांसप्लांट का काम चल रहा है। विवेचक : एफआईआर दर्ज होने के बाद फरार क्यों हो गईं? जवाब : मुझे मेरे वकील ने गुमराह किया, इस वजह से मैं पुलिस से भागती रही। अगर मुझे वकील गुमराह नहीं करता तो रिपोर्ट दर्ज होने के अगले दिन ही मैं पुलिस के सामने सरेंडर कर देती। आप लोग इतना सहयोग कर रहे हैं। लेकिन, वकील ने पुलिस को लेकर मेरे और मेरे पति के दिमाग में खौफ पैदा कर दिया था। इस वजह से हम लोग पुलिस से भाग रहे थे। वकील ने रुपए के लिए मुझे शुरू से ही गुमराह किया। विवेचक : फरार होने के बाद आप कहां-कहां रहीं? जवाब : मेरा ज्यादातर समय पंजाब में ही बीता। बस केस के सिलसिले में लखनऊ, दिल्ली और वाराणसी आना-जाना हुआ था। इस दौरान हम लोग कई जगह रास्ते में होटल या रेस्टोरेंट में रुके थे। विवेचक : 2 मौत होने के बाद भी आप हेयर ट्रांसप्लांट करती रहीं, ये तो बड़ी लापरवाही है? अनुष्का : पैसों के लालच में आकर मैं इस काम में लगी रही। मुझे लगा कि मेरी क्या गलती है? विनीत ने ही शराब पी ली थी, इस वजह से उसकी मौत हुई है। मयंक वाले केस में भी कुछ ऐसा ही हुआ होगा। इस वजह से हम लोग दोनों केस होने के बाद भी ऑपरेशन करते रहे।डॉक्टर ने कहा- अब दो बेटियों की देखभाल कौन करेगा? जेल में पूछताछ के दौरान अनुष्का ने अपनी गलती स्वीकार की। उसे अब एहसास हो गया है कि उसकी गलती से ही दोनों लोगों की जान गई है। बोली-मेरी दो छोटी बेटियों का क्या होगा? वो मेरे बिना एक पल भी नहीं रह पाती हैं। अब ढाई साल और चार साल की बेटियां कैसे रहेंगी? अब तो मुझे लगता है कि मैं जिंदा जेल से बाहर नहीं आ पाऊंगी, जेल में ही मर जाऊंगी। यह सब कहते हुए अनुष्का फफक-फफक कर रोने लगी। आज कस्टडी रिमांड दाखिल करेगी पुलिस डीसीपी वेस्ट दिनेश त्रिपाठी ने बताया- जेल में पूछताछ की प्रक्रिया पूरी हो गई है। अब पूछताछ के आधार पर साक्ष्यों की बरामदगी के लिए 28 मई को कोर्ट से पुलिस कस्टडी रिमांड (पीसीआर) की अनुमति ली जाएगी। विवेचक ने 8 से 12 घंटे की पीसीआर मांगी है। जिससे अनुष्का को उसके क्लिनिक ले जाकर सबूत इकट्?ठे किए जा सकें। उसके घर से दस्तावेज बरामद किया जा सकें। पीसीआर के दौरान पुलिस एक बार फिर से अनुष्का से पूछताछ करेगी। इसके बाद साक्ष्यों को बरामद करेगी।

नेहरू जब सोनभद्र सीमेंट फैक्ट्री का उद्घाटन करने पहुचे प्राकृतिक सुन्दरता को देखकर हुए प्रभावित :रामराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। देश के पूर्व प्रधान मंत्री जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर शाहगंज बाजार मे जिला कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड की अगुवाई मे सम्पंन हुआ.इस दौरान उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई त इस दौरान उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे मे प्रकाश डाला गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा की पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश को मजबूत बनाने के दिशा मे बेहतर कार्यक्रम शुरू किए थे। नेहरू सोनभद्र को भारत का स्विट्जरलैंड कहा थात जब नेहरू सोनभद्र सीमेंट फैक्ट्री का उद्घाटन करने पहुचे थे, यहां की प्राकृतिक सुन्दरता को देखकर प्रभावित हुए

थे, लेकिन गैर कॉंग्रेस की सरकारों ने उनके सपनो को पूरा नहीं होने दिये।जितेंद्र पासवान ने कहा की नेहरू ने देश को सशक्त बनाने की दिशा मे बेहतर कार्यक्रम किए, उनके द्वारा किए गए कार्यो को आज भी लोग उन्हें याद करते है। सेवा दल कॉंग्रेस के जिला अध्यक्ष कौशलेश पाठक ने कहा नेहरू ने देश को रोजगार, मजदूरों ,महिलाओं, युवाओं और छात्रों को तरक्की की दिशा मे ले जाने के लिए अनेक कदम उठाए। कार्यक्रम मे राजबाली पांडे, पूर्व प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा, सिराज हुसैन, पंकज मिश्रा, राहुल सिंह, शिवपूजन विश्वकर्मा, संजय तिवारी, राम नरेश, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सेक्टर 82 पाकेट 7 में नोएडा प्राधिकरण की उदासीनता के चलते बह रहे सीवर में चलने को मजबूर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा सेक्टर 82 पाकेट 7 में अधिकांश सीवर जाम होने के कारण रास्ते में बह रहे गंदे पानी 15 दिनों से बह रहा है। यहां पर

काम करने वाले स्लीपरों को बुलाकर दिखाया गया। उनका कहना है कि आगे की मेन लाइन चोक पडी है।जब

महीनों से शिकायत करने के बावजूद भी अधिकारी टस से मस नहीं हुए

से लोगों को अपने घरों में जाना पड रहा है। इस बावत सेक्टर के आर डब्ल्यू ए से शिकायत की गयी लेकिन आर डब्ल्यू ए का कहना है कि हमने कयी बार नोएडा प्राधिकरण के जेई राकेश कुमार को लिखित और मौखिक शिकायत दे दिया है। लेकिन नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों पर कोई फर्क नहीं पड रहा है। यहां पर पांच ब्लाक का मेन सीवर जो कि पूरे ब्लाक के आवागमन के रास्ते में पड़ता है वह सीवर बीते तक आगे की लाइन की सफाई नहीं होगी। यह ओवर फ्लो होता रहेगा।नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को इसकी पूरी जानकारी दी गई लेकिन उनके कान पर अभी तक जूं नहीं रेंगी। यदि दो दिन के अंदर इसकी सफाई नहीं हो जाती है तो हम सेक्टरवासी नोएडा प्राधिकरण का घेराव करेंगे और धरना प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।जिसकी जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण की होगी।

थाना फेस-2 पुलिस व मोबाइल चोर के बीच हुयी मुठभेड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। थाना फेस-2 पुलिस द्वारा ककराला पुस्ता तिराहे पर चैकिंग की जा रही थी तभी सामने से मोटरसाइकिल सवार 2 व्यक्ति आते दिखाई दिए जिन्हें रुकने का इशारा किया किन्तु वह नही रुके और अपनी मोटरसाइकिल को मोड़कर सोरखा की तरफ भगाने लगे। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर अपने आप को घिरता देख मोटरसाइकिल सवार द्वारा जान से मारने की नियत से फायर किया गया। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्रवाई में 1 बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जिसकी पहचान प्रिन्स कुमार पुत्र सन्तन कुमार निवासी ग्राम पचिया, थाना नारदीगंज, जिला नवादा (बिहार) वर्तमान पता ग्राम सलारपुर, थाना सेक्टर-39, गौतमबुद्धनगर, उम्र करीब 22 वर्ष के रूप में हुई। अभियुक्त के कब्जे से 1 तमंचा, 1 जिंदा कारतूस, 1 खोखा कारतूस .315 बोर, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, चोरी के 4 मोबाइल फोन बरामद हुए है। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल भेजा जा रहा है। घायल बदमाश का अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग गया जिसकी तलाश हेतु कॉम्बिंग की जा रही है। अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी करते हुए अन्य आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।अभियुक्त का आपराधिक इतिहास का विवरण-1.मु0अ0सं0 243/2023 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट, थाना फेस-2, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर, 2.मु0अ0सं0 80007614/2025 धारा 303(2) बीएनएस, थाना प्रीतबिहार, दिल्ली, 3.मु0अ0सं0 248/2025 धारा 303(2) बीएनएस, थाना फेस-2, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर।

विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सामान्य बनाये रखने हेतु क्षेत्रीय स्तर पर 24 घंटे नियन्त्रण कक्ष (मोबाईल सं0 9415901891) की स्थापना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 27 मई 2025 मुख्य अभियंता (रा0क्षे0) रामप्रीत प्रसाद ने बताया है कि प्रबन्ध निदेशक, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लखनऊ द्वारा जो उत्तर प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में आगामी रिफार्म के दृष्टिगत सुचारू विद्युत व्यवस्था बनाए रखने से सम्बन्धित है, के अनुपालन में तथा 29 मई 2025 से विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के सम्भावित निरन्तर कार्य बहिष्कार के दृष्टिगत वितरण क्षेत्र रायबरेली के अन्तर्गत जनपद रायबरेली एवं उन्नाव में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सामान्य बनाये रखने हेतु क्षेत्रीय स्तर पर 24 घंटे नियन्त्रण कक्ष (मोबाईल सं0 9415901891) की स्थापना की गयी है।

विशेष संचारी रोग एवं दस्तक अभियान की गुणवत्ता में जनपद रायबरेली पूरे प्रदेश में अव्वल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार चलाये गये अपनी रायबरेली रमणीय रायबरेली अभियान के अन्तर्गत सर्वप्रथम 17 मार्च 2025 से 31 मार्च, 2025 तक स्वच्छता

पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद की बड़ी 300 ग्राम पंचायतों में सफाई कर्मचारियों की टीम लगाकर वृहद साफ-सफाई का अभियान चलाया गया। इस अभियान के फल स्वरूप 01 अप्रैल, 2025 से 30 अप्रैल, 2025 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग एवं दस्तक अभियान की गुणवत्ता में जनपद रायबरेली पूरे प्रदेश में अव्वल आया। जिलाधिकारी द्वारा अपनी रायबरेली रमणीय रायबरेली अभियान के अगले चरण में जनपद रायबरेली के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों को प्लास्टिक मुक्त करने का अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 05 जून, 2025 विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारम्भ कर पूरे जून माह तक चलाया जाना है।जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह ने बताया है कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण 2.0 के तहत जनपद रायबरेली की सभी 980 ग्राम पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए कार्य कराया गया है। जिसके अन्तर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए ग्राम पंचायतों में कूड़ा गाड़ी, कूड़ा दान, नाडेप, कम्पोस्ट पिट, वर्मी कम्पोस्ट, प्लास्टिक बैंक एवं आर0आर0सी0 का निर्माण किया गया है। ग्राम पंचायतों में पैदा होने वाले दैनिक ठोस कचरे को कूड़ा गाड़ी के माध्यम से आर0आर0सी0 लाया जाता है, जहां ठोस कचरे का अलग-अलग पृथककरण किया जाता है। इस कचरे का विक्रय कर ग्राम पंचायत की आय होगी है। आर0आर0सी0 में एकत्र होने वाले प्लास्टिक को प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट में भेजकर उस प्लास्टिक को व्यवसायिक ग्रेड में बदलकर ग्राम पंचायत द्वारा बिक्री की जाती है, जिससे ग्राम पंचायत की आय होती है। एसबीएम 2.0 के अन्तर्गत जनपद रायबरेली के विकास खण्ड शिवगढ़ की ग्राम पंचायत गोविन्दपुर एवं विकास खण्ड महराजगंज की ग्राम पंचायत मोन में 16.00 लाख रू0 प्रति यूनिट की दर से 02 प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट का निर्माण कराया गया है। इन यूनिस्टस के विधिवत संचालन के पश्चात न केवल जनपद प्लास्टिक मुक्त होगा, पर्यावरण शुद्ध होगा बल्कि जिलाधिकारी का अपनी रायबरेली रमणीय रायबरेली का संकल्प भी सिद्ध होगा।

200 से अधिक ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय की जा रही स्थापना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 27 मई 2025 जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया है कि जनपद रायबरेली की 200 से अधिक ग्राम पंचायतों में 4.00 लाख रू0 की लागत से पंचायती राज विभाग द्वारा डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना की जा रही है। इसमें वह ग्राम पंचायतें जिनके पंचायत भवनों में न्यूनतम 02 कमरे एवं 01 हॉल हो उनका चयन किया गया है। लाइब्रेरी का संचालन पंचायत भवन से ही होगा। 17 मार्च, 2025 को निर्गत शासनादेश के अनुसार भारत सरकार वित्त मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा स्कीम ऑफ स्पेशल आशिस्टेन्ट फॉर कैप्टल इन्वेस्टमेन्ट 2023-24 के दिशा निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में बाल एवं किशोर पुस्तकालय (डिजिटल लाईब्रेरी) का सृजन कराया जायेगा। जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह ने बताया है कि राज्य स्तर पर निदेशक पंचायती राज की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना में प्रयुक्त सामग्रियों का विशिष्टीकरण निर्धारित किया जायेगा।

यूपी में 29 मई से एक बार फिर से मौसम में बदलाव होने जा रहा है। इसके पहले आज तपिश के साथ-साथ उमस भी परेशान करेगी।

यूपी। मौसम में कई बदलाव

होने जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में अगले तीन से चार दिनों तक मौसम में फेर-बदल जारी रहने वाला है। प्रदेश में हो रही उमस भरी गर्मी और बादलों की आवाजाही के बीच मौसम विभाग ने 29 से 31 मई के दौरान पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में गरज- चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना जताई है। बुधवार के लिए भी प्रदेश के पूर्वी और तराई इलाकों के 30 जिलों में तेज हवाएं चलने और गरज- चमक के साथ बूंदाबादी की चेतावनी जारी की गई है। वहीं शाहजहांपुर, पीलीभीत, बदायूं व आसपास के इलाकों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलने की चेतावनी है। मंगलवार को प्रदेश में पूरब से पश्चिम तक कहीं भी लू जैसी परिस्थितियां नहीं रहीं। साथ ही कहीं भी दिन का तापमान सामान्य से अधिक नहीं दर्ज किया गया, लेकिन उमस भरी चिपचिपी गर्मी ने लोगों को बेहाल किया। पूर्वा हवा में नमी की मौजूदगी से आभासी गर्मी, वास्तविक गर्मी से तीन से चार डिग्री ज्यादा महसूस किया गया।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 29 मई से प्रदेश में दो-तीन दिनों के लिए बूंदाबांदी और हवा की तीव्रता व क्षेत्रफल में विस्तार देखने को मिलेगा। सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, फरुखाबाद, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं एवं आसपास के इलाकों में। जून में अच्छी बारिश की उम्मीद, नहीं चलेगी लू भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार जानकारी दी कि इस मानसून में जून से सितंबर के दौरान चार माह में पूर्वी यूपी में सामान्य से 10 प्रतिशत और पश्चिमी यूपी में सामान्य से 12 प्रतिशत अधिक बारिश की संभावना है। जून माह में देश भर में सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश होगी। इस दौरान प्रदेश में औसत तापमान के साथ ही लू की परिस्थितियों के भी सामान्य से कम रहने का पूर्वानुमान जारी किया गया है।

लाल देह लाली लसे अरु धर लाल लंगूर,बज्र देह दानव दलन जय जय जय कपिसूर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। ज्येष्ठ माह के तीसरे मंगलवार को रायबरेली जनपद में जगह-जगह हनुमान जी की पूजा अर्चना एवं विशाल भंडारे की आयोजन किए गए लगभग 100 से अधिक जगहों पर हनुमान जी का भजन गुंजायमान था। सुबह से ही लोगों द्वारा हनुमान मंदिर में लंबी-लंबी कतारों में दर्शन के लिए लगे थे। लोगों ने जगह-जगह पर भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे के साथ पहले सुंदरकांड का पाठ उसके बाद पूड़ी सब्जी, छोले चावल ,कढ़ी चावल ,बूंदी और चने तथा शरबत का एवं आइसक्रीम का वितरण किया। इसी क्रम में आरडीए परिसर में प्राधिकरण परिवार द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया । उक्त भंडारे का शुभारंभ श्रीमती अमृता सिंह , सचिव , रायबरेली विकास प्राधिकरण / अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा किया गया। मौके पर संपूर्ण प्राधिकरण परिवार के साथ सेवानिवृत कर्मचारी देवनाथ पाल राजेश कुमार पांडे, बड़ेबाबू चंद्रशेखर ,विनोद, सहायक अभियंता राजीव गौतम,निष्ठा साहू तथा बच्चा सिंह ,बबलू शर्मा,अनूप जायसवाल,मूलचंद जायसवाल,अनीता गुप्ता,गीता शुक्ला, रीता गुप्ता,रंजू सिंह, शिव मनोहर पांडे, राजेश मिश्रा,अशोक शर्मा,धीरज श्रीवास्तव, दुर्गेश मिश्र,सुनील पांडेय आदि लोग उपस्थित रहे।

बरेली में दो दिन में 45 रोहिंग्या-बांग्लादेशी चिह्नित, भोजीपुरा में सर्वाधिक 11 मिले, सत्यापन शुरू

बरेली। बरेली जिले में 45 रोहिंग्या-बांग्लादेशी चिह्नित किए गए हैं। इनमें सर्वाधिक 11 भोजीपुरा थाना क्षेत्र में रहते हैं। सभी की नागरिकता की जांच

शुरू हो गई है।जिले के सभी थाना क्षेत्रों में 83 स्थानों पर चेकिंग की गई। इसमें 775 लोगों की कुंडली खंगाली गई। इस दौरान 45 घुसपैठिए मिले। उनके दस्तावेज परखे जा रहे हैं।अभियान के तहत शाही थाना क्षेत्र में एक स्थान पर 11 लोगों की जांच की गई। इसमें पांच संदिग्ध पाए गए। विशारतगंज में एक, भमोरा में पांच, फरीदपुर में दो, भोजीपुरा में 11, बहेड़ी में तीन, शीशगढ़ में आठ, देवरनियां और शेरगढ़ में चार-चार घुसपैठिए मिले हैं। संदिग्ध लोग विभिन्न स्थानों पर डेरा, झुग्गी, झोपड़ियों में निवास कर रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि यह अभियान आंतरिक सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा है। शासन के निर्देश पर अब जिले में झुग्गी-झोपड़ी डालकर रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश के लिए 15 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी अनुराग आर्य ने थानावार टीम लगाकर विभिन्न बिंदुओं पर रिपोर्ट तलब की है। अनधिकृत रूप से जिले में रहने वाले लोगों के प्रमाणपत्र निरस्त कर उन्हें मिल रहीं सरकारी सुविधाएं बंद करने की तैयारी है। हर थाने में इस अभियान के लिए एसएसपी ने टीम गठित कराई हैं। टीम में एक दरोगा, एक पुरुष मुख्य आरक्षी, दो पुरुष आरक्षी व दो महिला आरक्षी नामित करके टीम का विवरण अपने कार्यालय में तलब किया है। यह टीम इन दिनों में रोज सुबह आठ बजे से 11 बजे तक और रात में आठ बजे से 11 बजे तक पूरे थाना क्षेत्र में भ्रमण कर इन लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। कौन व्यक्ति बाहर से आकर यहां रह रहा है- कौन अस्थाई रूप से रह रहा है तथा कौन स्थाई रूप से, किस कारण से रह रहा है।परिवार सहित रह रहा है या अकेला, यदि कोई अजनबी व्यक्ति रह रहा है तो उसके बारे में जानकारी जुटाएंगे, ऐसा व्यक्ति जिसकी गतिविधियां संदिग्ध हो, इसकी जानकारी की जाएगी।- इन सभी लोगों का सत्यापन संलग्न प्रारूप में किया जाएगा और सत्यापन आख्या 11 जून तक सुबह 10 बजे एसएसपी के वाचक कार्यालय में उपलब्ध करानी होगी।- टीम जब भी थाना क्षेत्र में सत्यापन के लिए जाएगी तो स्थानीय अभिसूचना इकाई के संबंधित बीट कर्मी को साथ रखेगी।- सत्यापन के दौरान विशेष रूप से सड़क किनारे, रेलवे लाइन के किनारे, नदी किनारे, खुले मैदान में, डेरे में, झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों को जरूर देख लिया जाए।

एक आधार कार्ड पर 100 लोगों को बांटा राशन, नाबालिगों के नाम पर भी लूट, जांच में हुआ खुलासा

लखनऊ। यूपी के बहुचर्चित खाद्यान्न घोटाले की सीआईडी जांच में खुलासा हुआ है कि बरेली, आगरा और मेरठ मंडल में एक आधार कार्ड पर 90 से 100 अपात्रों को राशन बांटा जा रहा था। इस साजिश में नाबालिगों का भी इस्तेमाल किया गया।सीआईडी ने करीब 5 साल से लंबित चल रहे तीन मंडलों के 134 केस में से 110 को निस्तारित कर दिया है। साथ ही संबंधित जिलों के एडीएम और जिला पूर्ति अधिकारियों (डीएसओ) की जिम्मेदारी तय करते हुए शासन से कार्रवाई की संस्तुति की है। कुछ डीएसओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की भी सिफारिश की गई है।यह घोटाला राशन विक्रेताओं (कोटेदारों) ने बीपीएल परिवारों के हिस्से का खाद्यान्न हड़प कर अंजाम दिया था। इसकी शिकायतें शासन तक पहुंची थीं। इसके बाद 2015 से 2018 तक तीनों मंडलों में मुकदमे दर्ज कराए गए थे। इनकी जांच का जिम्मा आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंपा गया था। जांच में प्रगति नहीं हुई तो फरवरी 2024 में सभी केस अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) को ट्रांसफर कर दिए गए थे।जांच में सामने आया कि घोटाले को अंजाम देने के लिए आधार प्रमाणीकरण का दुरुपयोग किया गया। खाद्य विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कोटेदारों से मिलीभगत कर वास्तविक लाभार्थियों के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति के आधार को एडिट कर अपलोड कर दिया और उसे राशन बेचने लगे। इनमें कई नाबालिग भी थे।

'लड़कियां बहुत बचा लीं अब अपने बेटों को संभाल लो', प्रेमिका और उसके दो बॉयफ्रेंड से परेशान युवक ने दी जान

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। लोनी कोतवाली के बंथला इलाके में मंगलवार रात को युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रेमिका और उसके दो बॉयफ्रेंड युवक को ब्लैकमेल कर रहे थे।युवक ने खुदकुशी से पहले वीडियो बनाई और सुसाइड नोट लिखा। युवक ने सुसाइड नोट को अपने परिजनों को भेजा। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, लोनी के बंथला इलाके में पवन कुमार (28) परिवार के साथ रहता था। वह ढलाई का काम करता था। मंगलवार रात उसका सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गया। वीडियो में उसने

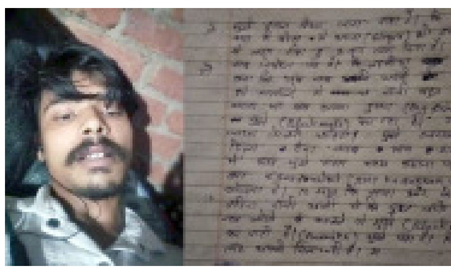

आत्महत्या करने की बात कही है। प्रेमिका और उसके दो साथियों पर उसने ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। ब्लैकमेल के चलते ही युवक ने खुदकुशी करने की बात कही है। वीडियो वायरल होने के बाद परिवार के लोग जब कमरे में पहुंचे तो पवन का शव फंदे से लटका हुआ मिला। पवन ने तीन पन्नों का सुसाइड नोट भी लिखा है। पवन के परिजनों ने बताया कि युवती और उसके दो साथी सभी दिल्ली के रहने वाले हैं। आरोपियों ने पवन से नगदी और कुछ जेवरात भी ले लिए हैं। एसीपी लोन सिद्धार्थ गौतम ने बताया मामले में जांच की जा रही है। परिजनों की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है।तीन पेज के सुसाइड नोट का कुछ अंश- पवन ने लिखा- बस मैं क्या ही कहूं। मैं अपने अंगूठे का निशान पेपर पर लगा रहा हूं। निवेदन यह है कि लड़कियां बहुत बचा ली अब सब अपने बेटों को संभाल लो। मैं उस लड़की को बहुत प्यार करता था। लेकिन अब उसका दूसरा बॉय फ्रेंड मुझे ब्लैकमेल कर रहा है। उसको सजा मिलनी चाहि। मुझे इंसाफ दिला देना साहब। आज मैं हार गया हूं। इसलिए मुझे ऐसा कदम उठाना पड़ रहा है। बस सरफराज को (बीएनएस का सेक्शन 108) सजा दिला देना। ये सेक्शन बोलता है कि 10 साल की सजा और मिलनी चाहिए। रानी अंटी से भी पूछना चाहिए। सब लोगों के कहने पर मुझे ब्लैकमेल कर रही है। अनामिका मुझे पता है जिस तरह की धमकियां मुझे मिल रही है।

सोनभद्र, मिर्जापुर

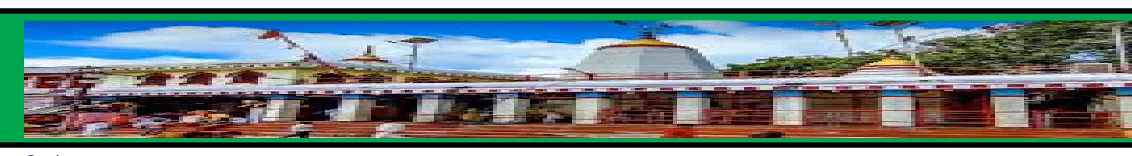

फीता काटकर उद्घाटन करते वाराणसी नगर निगम के महापौर अशोक तिवारी

राबर्ट्सगंज शहर में बेहतर सुविधा के साथ रविवार को शुगर की जाँच होगा बिलकुल फ्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज शहर में शैलजा डायग्नोस्टिक सेंटर का भव्य उद्घाटन वाराणसी नगर निगम के महापौर अशोक तिवारी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। प्रबंधक के मुताबिक यह जिले का पहला प्राइवेट डायग्नोस्टिक सेंटर है जिसमें महिला रेडियोलॉजिस्ट द्वारा अल्ट्रासॉउन्ड किया जायेगा। इसके साथ ही एक्सरे व पैथालाजी की भी बेहतर सुविधा उपलब्ध है। प्रबंधक ने बताया कि जिले में किसी भी डायग्नोस्टिक सेंटर में महिला रेडियोलॉजिस्ट नहीं है लेकिन अपने डायग्नोस्टिक सेंटर में रेडियोलॉजिस्ट महिला डॉक्टर भास्वती गाँगुली के द्वारा महिलाओं की जाँच किया जायेगा। उन्होंने बताया कि एचएसजी व ईईजी की भी जाँच की सुविधा उपलब्ध है। इस जाँच के लिए लोगों को वाराणसी जाना पड़ता था लेकिन अब आपके शहर में यह सुविधा उपलब्ध होगा। प्रबंधक ने बताया कि शहर के तीन किमी क्षेत्र अन्तर्गत अल्ट्रासॉउन्ड की जाँच हेतु गाड़ी से लाने की भी सुविधा उपलब्ध है। उद्घाटन से पूर्व महापौर का हिन्दुआरी में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान प्रबंधक सूर्य प्रकाश पाण्डेय, प्रशांत पाण्डेय व प्रभाकर दूबे ने आये हुए अतिथियों का माला, बुके, साल व मोमेंटो देकर स्वागत सम्मान किया। स्वागत में भाजपा नेता रमेश मिश्रा, समाजसेवी इंद्रदेव सिंह, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, ब्लाक प्रमुख अजीत रावत, समाजसेवी पुनीत जैन आदि रहे। प्रबंधक ने बताया कि रविवार के दिन शुगर की जाँच फ्री में होगी। इस दौरान डॉ पीयूष श्रीवास्तव, डॉ जटाशंकर गुप्ता, डॉ प्रशांत शुक्ला, डॉ अमन, डॉ आनंद, डॉ रिशी राज, डॉ शबा खान, डॉ कमला लता, डॉ एम डी असलम, डॉ पवन, नीतीश पाण्डेय, विराट पाठक, सिमरन कौर आदि रहे।

योगेश पांडेय जिला अध्यक्ष एवं हुकुमचंद जिला मंत्री के पद पर अद्यतन,सुशील कुमार,भ्रामक पत्र जनपद में जो फैलाया गया वह निराधार हैं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय द्वारा जनपद सोनभद्र के जिला अध्यक्ष योगेश कुमार पांडेय के विषय में भ्रामक पत्र जनपद सोनभद्र में जो रविंद्र नाथ चौधरी द्वारा फैलाया जा रहा है कि उमाशंकर सिंह (प्रदेश महामंत्री) उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षा संघ द्वारा जिला अध्यक्ष जनपद सोनभद्र योगेश कुमार पांडेय को तमाम आरोपों को दर्शाते हुए संगठन से 6 वर्षों के लिए निष्कासित किया गया है। इसके संबंध में सुशील कुमार पांडेय ने कहा है कि उमाशंकर सिंह संस्था उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश में कोई भी दायित्व में नहीं है और ना ही संस्था से इनका किसी भी प्रकार का कोई भी सरोकार है, वही रविंद्र नाथ चौधरी को पिछले 04/04/ 2024 को संस्था उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद सोनभद्र के जनपदीय कार्य समिति द्वारा बैठक आहुतकर पूर्व में ही सदस्यता समाप्त करते हुए जनपदीय कार्य समिति के दायित्व से भी मुक्त किया जा सकता जा चुका है। ऐसे में किसी अन्य के द्वारा संस्था उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का रविन्द्र नाथ चौधरी को जनपद सोनभद्र में जिला मंत्री के रूप में उल्लेखित किया जाना पूर्णतः निराधार व तत्वहीन है। अतः योगेश कुमार पांडेय जिला अध्यक्ष एवं हुकुमचंद जिला मंत्री के पद पर अद्यतन सेवा संस्था उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद शाखा सोनभद्र में शिक्षा, शिक्षक और संगठन हित में अपने दायित्व का निर्वहन निष्ठा पूर्वक वह पूर्ण समर्पण के साथ करते रहेंगे। उपरोक्त विषय की जानकारी प्रदेश संगठन मंत्री/जिला अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ योगेश कुमार पांडेय द्वारा दिया गया है जिसके साथ उन्होंने उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे का पत्र भी संलग्न किया है।

108/102 एंबुलेंस के चालकों ने धूमधाम से मनाया पायलट दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर सोनभद्र में 108/102 एंबुलेंस के चालकों ने बड़े ही धूमधाम से मनाया पायलट दिवस मौके पर मौजूद रहे जिला प्रभारी मोहम्मद एखलाक़ बेग वह जिला प्रभारी अमित नागर ने केक काटकर पायलटो को खिलाया और उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना भी किये पायलट सुभाष चंद्र मौर्य सुनील कुमार गुड्डू पाल शशांक पांडे अशोक कुमार यादव राजेश कुमार यादव एमटी सुनील कुमार अनिल कुमार अंजली मोर्य गोपाल वर्मा बृजेश कुमार देहाती लोग उपस्थित रहे यामी जिला प्रभारी मोहम्मद एखलाक़ बेग सराहना करते हुए कहा।मेडिकल इमरजेंसी में हर पल कीमती होता है। ऐसे कठिन क्षणों में हमारे एंबुलेंस पायलट का योगदान किसी हीरो से कम नहीं होता। रोड ट्रैफिक, समय का दबाव और मरीज की नाजुक स्थिति के बीच पायलट जिस धैर्य, सूझबूझ और जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाते हैं, वह अत्यंत सराहनीय है। जो हिम्मत आप कठिन परिस्थितियों में दिखाते हैं, वह असाधारण है।एक एंबुलेंस पायलट केवल एंबुलेंस ही नहीं चलाता, वह आशा, भरोसा और ज़रूरत को अपनी सीट पर बिठाकर ले जाता है एवं जीवन रक्षा में अहम रोल निभाता है। आप सब एक सुरक्षित राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं। आप ही असली हीरो हैं। हमें यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हमारी संस्था के एंबुलेंस पायलट निष्ठा, साहस और सेवा भाव के सच्चे प्रतीक हैं। वे दिन-रात बिना थके, बिना रुके अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, और लोगों की जीवनरक्षा में अहम योगदान देते हैं। इएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज की ओर से एक बार पुनः उत्तर प्रदेश में कार्यरत सभी पायलट साथियों को पायलट दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं, सुरक्षित रहें और लोगों का जीवन बचाकर राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान देते रहें।

मांगे ना माने जाने पर दी हड़ताल की चेतावनी,संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों ने एक बार फिर अपनी मांगों को लेकर मंगलवार को आंदोलन करने की चेतावनी दी जिसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी नामित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन दिया, संगठन के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला ने बताया कि 01वर्ष पहले जो आंदोलन किया गया था और जो मांगे शासन स्तर पर मान ली गई थी लिखित में समझौता होने के बाद अधिकारियों ने धरना समाप्त कराया लेकिन आज 01 वर्ष बीत जाने के बाद भी वह मांगे पूरी नहीं की गई है इस ज्ञापन में सात सूत्री मांगे रखी गई है जिसमें प्रमुख मांग महंगाई भत्ता, आवासीय भत्ता, लॉयल्टी बोनस एवं म्युचुअल ट्रांसफर की है.कोषाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया की मांग पत्र में

नियमतिकरण संबंधित कोई मांग नहीं रखी गई है आज की महंगाई को देखते हुए सभी मांगे जायज है। महामंत्री नेहा केशरी ने बताया की म्युचुअल ट्रांसफर पर रोक लगाई जाने के बाद से जो महिलाएं घर से दूर काम कर रही है उनको बहुत ही कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है महिलाओं को नौकरी के साथ-साथ घर की और बच्चों की जिम्मेदारी भी देखनी होती है उसको देखते हुए म्युचुअल ट्रांसफर पर रोक लगाना महिलाओं के साथ अन्याय है उपाध्यक्ष शिव सिंह जी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 5प्रतिशत की दर से मानदेय वृद्धि की जाती है जबकि महंगाई को देखते हुए प्रति वर्ष 10प्रतिशत की मानदेय वृद्धि आवश्यक है संगठन मंत्री कामेश्वर राय ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में काम करने के बावजूद भी किसी भी तरह का स्वास्थ्य बीमा कर्मचारियों को नहीं दिया गया है किसी भी बीमारी की दशा में अत्यंत कम मानदेय के बावजूद इलाज का खर्च भी खुद ही वहन करना पड़ता है. ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला, शिव सिंह, मनोज कुमार, नेहा केशरी, राहुल पाण्डेय, दीपक सिंह, अवनीश मिश्रा, आनंद कुमार, कामेश्वर राय, सुमन कुमारी, मयंक पाण्डेय सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिल्ली खनन क्षेत्र में भूमि घोटाला, सीलिंग की जमीन पर अवैध खनन पट्टा, बिना सहमति के दस साल से चल रहा

सोनभद्र। सोनभद्र के बिल्ली खनन क्षेत्र में एक नया भूमि घोटाला सामने आया है। सीलिंग की जमीन को कृषि भूमि बताकर खनन पट्टा कराने का मामला उजागर हुआ है। पीड़िता चंदा ने ओबरा तहसील में शिकायत दर्ज कराई है। मामले के अनुसार, चंदा के पिता को सीलिंग के तहत जमीन आवंटित की गई थी। आरोपी धीरज राय ने बिना उनकी सहमति के इस जमीन पर करीब 10 साल पहले खनन पट्टा करा लिया। ढाई बीघे की इस जमीन पर मेसर्स साई बाबा स्टोन वर्क्स और मेसर्स माँ कामाख्या स्टोन वर्क्स द्वारा मानक से अधिक पत्थर का खनन किया जा रहा है।पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने मुआवजा देने का वादा किया था। लेकिन एक बार के बाद कोई भुगतान नहीं किया गया।

अभिभावक भी बच्चों से हुए प्रभावित करा रहे योगाभ्यास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। बदलते हुए परिवेश में दुषित वातावरण में शरीर को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी बहुत जरुरी हो गया है,जिसके लिए योगा अभ्यास द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास।कम्पोजिट विघालय तकिया दरगाह,ब्लॉक करमा,जिला सोनभद्र उ0प्र0 में मंगलवार को समर कैम्प का प्रशिक्षण देते हुए,रवीन्द्र बहादुर सिंह अनुदेशक, बृजेश चंद्र मिश्रा अनुदेशक बेहतर कार्य से जागरूक किये।समर कैम्प में ग्राम सभा तकिया बी0 डी0सी0 रेनू मौर्या व कोशिश आर्ट वेलफेयर सोसायटी उ0प्र0 टीम का भी भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ समर कैम्प मे। अभिभावक ऐसी पहल से अत्याधिक प्रभावित है,और भरपूर सहयोग कर रहे है समर कैम्प में।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। साईं हॉस्पिटल एंड कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग सजौर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन मंगलवार को हुआ जिसमें महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में अपर न्यायाधीश शैलेंद्र यादव, एडवोकेट बिंदु यादव, पुष्पा तिग्गा, शमशेर बहादुर सिंह को सालभेट कर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया अपर न्यायाधीश शैलेंद्र यादव द्वारा यह बताया गया कि हम सभी जानते हैं कि पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं को हमेशा दबाया गया है, लेकिन महिला सशक्तिकरण का मुख्य उद्देश्य उन्हें पुरुषों के साथ समान रूप से खड़ा करना है। जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो न केवल उनका व्यक्तिगत जीवन बदलता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज में भी परिवर्तन आता है। संस्थान के डायरेक्टर डॉक्टर अनुपमा सिंह ने बताया कि महिला सशक्तिकरण का मतलब महिला की सक्ति से होता है! आज के समय में हर देश यही चाहता है की उसके देश की महिला खुद अपनी रक्षा कर सके! आज हम सब जानते है ती हमारे समाज की महिलाये किसी भी पुरुष से कम नहीं है! आज की महिलाये वह सब काम कर रहे है जो पुरुष करते है! अगर बात शिक्षा की करे तो हमारे भारत में हर एक एग्जाम और कम्पटीशन में महिलाये ही टॉप करती है! हमारे देश में नारी का महत्त्व प्राचीन काल से है! प्राचीन काल में हमारे समाज में नारी का बहुत महत्व था! लेकिन आज भी बहुत से ऐसे लोग है जो नारी को एक बोझ समझते है! अगर हम नारी को एक बोझ ना समझते तो हमारे समाज की नारिया ऐसा ऐसा काम कर सकती है! जिसकी हम कल्पना नहीं कर सकते है! हमारे समाज में महिला सशक्तिकरण के लिए सबसे पहले लोगो की सोच को बदलना होगा! और लोगो को ये बताता होगा की आज की नारिया हर एक क्षेत्र में कार्य कर रही है! तथा इस कार्यक्रम शिविर में महिला सशक्तीकरण टीम एडवोकेट बिंदु यादव, पुष्पा तिग्गा, शमशेर बहादुर सिंह , फैकेल्टी , दिव्यांशी बोस,वसुंधरा, मैनेजर मनोज कुमार व अन्य छात्राएं उपस्थित रही।

थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस को मिली बड़ी सफलता, गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित फरार चल रहे 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अवैध शस्त्र/विस्फोटक/मादक पदार्थ व वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के हेतू अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) सोनभद्र के पर्यवेक्षण एंव क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल निर्देशन/नेतृत्व मे आज दिनांक 28.05.2025 को थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा मुखबिर खास सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-41/25 धारा-3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 से सम्बन्धित फरार चल रहे 01 नफर वांछित अभियुक्त राजेन्दर चेरो उर्फ करीमन उर्फ सावन पुत्र स्व0 रामप्यारे चेरो निवासी ग्राम सोढ़ा(खोगवा) थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र उम्र करीब 52 वर्ष को समय करीब 00.10 बजे गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त का विवरण- राजेन्दर चेरो उर्फ करीमन उर्फ सावन पुत्र स्व0 रामप्यारे चेरो निवासी ग्राम सोढ़ा (खोगवा) थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र उम्र करीब 52 वर्ष। अभियुक्त राजेन्दर चेरो उपरोक्त का आपराधिक इतिहास- मु0अ0सं0-62/24 धारा-3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रुरता निवारण अधिनियम थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र। मु0अ0सं0-41/25 धारा-3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली टीम- थानाध्यक्ष कमल नयन दूबे थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र। उ0नि0 सुक्खू राम यादव थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र। हे0का0 नरेन्द्र सिंह यादव थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र। का0 दीपक कुमार मिश्र थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र।

रोजगार मेलें में कुल 61 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

सोनभद्र। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि बुधवार

को जिला सेवायोजन कार्यालय, परिसर, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 150 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। सी0पी0पी0एल0, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, नवर्ण भारत प्रा0 लि0, नोएडा,, डीसेट्स, फरीदाबाद, शिव शक्ति एग्रीटेक लि0 वाराणसी, एस0बी0आई0 कार्ड, वाराणसी, मीडलैण्ड माइक्रोफीन, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, अर्ष इण्टरप्राईजेज, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, एडेको इण्डिया प्रा0 लि0, इण्डियन एसोसिएट, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र एवं श्रीराम फाईनेन्स, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र इत्यादि कुल 10 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। इस मेलें में विभिन्न पदों प कम्पनियों द्वारा कुल 61 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी अधिकारी सच्चिदानन्द, मेला प्रभारी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, जमील अहमद, प्रदीप कुमार सिंह, पवन कुमार सोनकर, यंग प्रोफेशनल सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, मनोज कुमार एवं अंशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

हवन पूजन के साथ यज्ञ हुआ समापन श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक

के बरैला महादेव मंदिर प्रांगण में छठे वर्ष में नौ दिवसीय श्री अभिषेकात्मक श्री रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान महायज्ञ के यज्ञाचार्य पंडित सौरभ भारद्वाज ने बताया यज्ञ के पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के दो से ढाई हजार श्री राम भक्त प्रसाद ग्रहण किये यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश चतुर्वेदी जितेंद्र त्रिपाठी संरक्षक अरविंद शरण सिंह मुख्य यजमान बृजेश शरण सिंह सतीश पांडे सहित सैकड़ो भक्तों ने किया हवन का कार्य मंदिर के प्रधान पुजारी देवनाथ बाबा जी ने बताया यज्ञ होने से समाज में काफी हर्षोल्लास एवं समरसता का माहौल है बरैला महादेव मंदिर वर्षों से पूजनीय प्रतिष्ठित भगवान के दर्शन से बन जाते हैं सभी काम इस शुभ कार्यक्रम में सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत अविनाश शुक्ला रवि प्रकाश पांडे विक्की सिंह राजपूत कमलेश शुक्ला आदि हजारों भक्तों उपस्थित रहे।

स्वच्छता समाचार में सोनभद्र की दो पंचायतों ने बनाई जगह

सोनभद्र। देश के अति पिछड़े जिलों में शामिल सोनभद्र की दो ग्राम पंचायतों ने केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय की ओर से जारी पत्रिका में जगह बनाई है। दोनों पंचायतों के प्रधान की पहल को सराहते हुए मंत्रालय ने इसे दूसरों के नजीर बताया है।इन दोनों प्रधानों ने जिले के मेरी प्लास्टिक-मेरी जिम्मेदारी अभियान के तहत अपने गांव को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाया है, जिसका असर भी दिख रहा है।खास बात यह कि उत्तर प्रदेश से सिर्फ सोनभद्र की इन्हीं दो पंचायतों का उल्लेख पत्रिका में है। इसे जिले के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।सोनभद्र नीति आयोग के उन 112 जिलों में शामिल हैं, जिसे विकास के विभिन्न मापदंडों पर अति पिछड़ा माना गया है। यहां की भौगोलिक चुनौतियां अन्य जिलों से अलग हैं।

सेवा और समर्पण की प्रतिमूर्ति अहिल्याबाई,300वीं जयंती स्मृति अभियान के तहत घोरावल में आयोजित हुआ पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन

सोनभद्र। पुण्यश्लोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर के 300 वीं जयन्ती स्मृति अभियान के तहत घोरावल विधानसभा के भगवास,औराई में पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन मे बतौर मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री सुदामा पटेल, विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ अनिल कुमार मौर्य व

अनुसूचित मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत घोरावल ब्लाक प्रमुख दीपक पटेल ने पं. दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी व लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री सुदामा पटेल ने रानी अहिल्याबाई के संघर्षमयी जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मराठा होल्कर वंश की महान शासिका थीं, जिनका जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के चोड़ी गांव में हुआ था। उस समय समाज में कन्याओं को शिक्षा का अधिकार नहीं था, लेकिन उनके पिता मंकोजी राव शिंदे ने सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए उन्हें शिक्षित किया। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई शिव भक्ति में लीन, न्यायप्रिय, दृढ़ संकल्प वाली, समाज सेवा को समर्पित एक महान महिला थीं जिन्हें शिवकामिनी महादेवी के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल की प्रशंसा करते हुए इसे रानी अहिल्याबाई की विरासत को सम्मानित करने वाला कदम बताया। विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य ने अपने वक्तव्य में कहा कि रानी अहिल्याबाई ने 1767 से 1795 तक अपने शासनकाल में अनेक सामाजिक और धार्मिक कार्य किए। उन्होंने सड़कों, कुओं, विश्रामगृहों का निर्माण कराया और देशभर में मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया, जिसमें केदारनाथ से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर तक शामिल हैं। वे केवल एक शासिका नहीं, बल्कि जनकल्याण की प्रतीक थीं, जिन्होंने लोकमंगल को अपने शासन का मूल मंत्र बनाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भी उन्हीं मूल्यों से प्रेरणा लेकर जनहितकारी योजनाएं चला रही हैं। अनुसूचित मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत ने कहा कि लोक माता अहिल्याबाई ने विषम परिस्थितियों में भी कुशल शासन का उदाहरण प्रस्तुत किया था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहिल्याबाई के सपनों को साकार करने का कार्य किया है। आज नमामि गंगे मिशन इसका जीतजाता उद्धरण है। देश के हिंदू तीर्थ स्थलों के पुनर्निर्माण करने के कारण उनको पुण्य श्लोक कहा गया। अध्यक्षता कर रहे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई एक न्यायप्रिय शासिका थीं। उन्होंने महिलाओं और गरीबों के कल्याण के लिए अनेकों योजनाएं शुरू कीं साथ ही अपने शासनकाल में उन्होंने देशभर के प्रमुख मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया। साथ ही धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा की। सम्मेलन में पूर्व विधायक तीरथराज, ब्लॉक प्रमुख दीपक पटेल, शंभू नारायण सिंह, महिला जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह, प्रसन्न पटेल, सुरेश शुक्ला, अनुपम तिवारी, मंजू गिरी, सुनील चौबे, मनीष पटेल आदि लोग शामिल थे।

छात्राओं को हर्ट फुलनेस इंस्टीट्यूट के दिए गए प्रशिक्षक

सोनभद्र। पी.एम.श्री राजकीय

बालिका इंटर कॉलेज रॉबर्ट्सगंज में 21 मई से प्रारंभ समर कैंप में बुधवार को हर्ट फुलनेस इंस्टीट्यूट के प्रशिक्षक गोपाल मौर्या,पतंजलि योग संस्थान व जागृति योग संस्थान की प्रशिक्षिका अनीता गुप्ता के द्वारा मानसिक शांति ,एकाग्रचित्तता ,महिलाओं से जुड़ी अनेक शारीरिक विकारों हेतु ध्यान, योग ,प्राणायाम व अन्य गतिविधियों के बारे में बच्चों को जानकारी प्रदान की गई ।विद्यालय की प्रधानाचार्या रंजना शुक्ला, नोडल प्रभारी वंदना सिंह के निर्देशन में समर कैंप में अनेक गतिविधियां जैसे व्यायाम,पेंटिंग, स्वपरिचय ,रस्साकसी बैडमिंटन ,दौड़, नृत्य संगीत इत्यादि का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कैंप की नोडल अधिकारी वंदना सिंह ने बताया कि समर कैंप कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रीष्मकालीन अवकाश में योग,खेलकूद, एवं विज्ञान इत्यादि गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का बहुमुखी विकास करना एवं उनमें रचनात्मक सोच पैदा करना है। समर कैंप में रेखा यादव ,नेहा जाटव ,प्राची गुप्ता आदि शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

अधिवक्ता कल्याण न्याय के सम्बन्ध में सोनभद्र बार एसोसिएशन की हुई बैठक

सोनभद्र। पूर्व सूचनानुसार बुधवार को

समय 11.30 बजे अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र एड0 की अध्यक्षता में अधिवक्ता कल्याण न्याय के सम्बन्ध में सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में प्रारम्भ हुई, बैठक का संचालन महामंत्री अखिलेश कुमार पाण्डेय एड0 ने किया बैठक में ड्राफ्टिंग कमेटी द्वारा तैयार किये गये बाईलाज को ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य विनोद चौबे द्वारा पढ़कर उपस्थित सदस्यों को सुनाया गया बादहू सभा में उपस्थित सदस्यों द्वारा ड्राफ्टिंग कमेटी द्वारा तैयार किये गये बाईलाज पर विचार लिया गया जिसपर सभा में उपस्थित अधिवक्तागण द्वारा अपना अपना विचार प्रस्तुत किया गया। जिसपर सभा में उपस्थित सदस्यों ने बहुमत से पास किया, बावजूद उक्त बाईलाज में अगर कोई संसोधन है तो दिनांक 29.05 को समय 02.00 बजे तक लिखित रुप से विचार आमंत्रित किये गये हैं उक्त बैठक में भोला सिंह यादव एड0 (अध्यक्ष ड्राफ्टिंग कमेटी) विनोद कुमार चौबे एड (सदस्य ड्राफ्टिंग कमेटी) शारदा प्रसाद मौर्य एड (सदस्य ड्राफ्टिंग कमेटी) आलोक सिंह एड0 (सदस्य ड्राफ्टिंग कमेटी) व अधिवक्ता नरेन्द्र कुमार पाटक एड., राकेश शरण मिश्र, अशोक प्रसाद श्रीवास्तव, विजय प्रकाश पाण्डेय एड., अवेधेश कुमार मिश्र एड, राजीव सिंह गौमत एड., रमेश प्रसाद चौब एड., आनन्द कुमार मिश्र एड, सत्यदेव पाण्डेय एड0, संजय श्रीवास्तव एड., सुरेश कुमार पाठक एड., पुष्पा तिग्गा एड., गीता गौर एड., कंचन एड., शोभित श्रीवास्तव एड., प्रदीप देव पाण्डेय एड., संजय पाण्डेय एड., आशुतोष द्विवेदी एड., विरेन्द्र कुमार सिंह एड., प्रभात मिश्रा एड., मनीष चतुर्वेदी एड., पवन कुमार मिश्र एड., अविनाश रंजन त्रिपाठी एड., अनुज अवस्थी एड., राकेश दुबे एड., के.के. त्रिपाठी एड., देवेन्द्र शमा एड., आशिष पाल एड., प्रदीप सिंह एड. आदि उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स

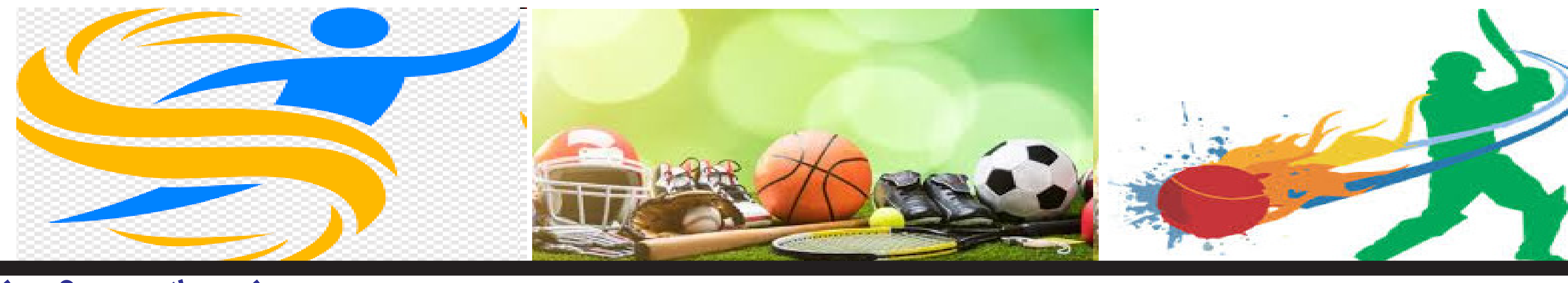

लखनऊ में लड़कियों ने गालों पर बनवाया कोहली का टैटू,टूटे हाथ पर लिखवाया- विराट 18, फैंस ने मोबाइल लाइट जलाई, बोले- भारत माता की जय

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का आखिरी लीग मैच इकाना में खेला गया। बेंगलुरु ने लखनऊ को 6 विकेट से हराया। मैच लखनऊ में था, लेकिन चारों ओर फैंस विराट कोहली के नजर आ रहे थे। एक फैन तो टूटे हाथ के प्लास्टर पर विराट-18 लिखवाकर स्टेडियम पहुंचा था। विराट के आउट होते ही फैंस में मायूसी छा गई थी। विराट की फीमेल फैंस अपने गालों पर आरसीबी और विराट लिखवाकर आई थीं। विराट की तस्वीरों वाले टैटू भी बनवा रखे थे। उनका कहना है कि विराट तो हमारी जान है, आरसीबी को इस बार कप जीतना है। वहीं, कई फैंस इंडियन आर्मी का भी सपोर्ट कर रहे थे। पोस्टर में लिखा था- यह नया भारत है, घर में घुसकर मारता है। मैनपुरी से आए फैन रवि का कहना था कि विराट कोहली हमारे भगवान हैं। आरसीबी के दिग्वेश राठी ने बॉलर एंड पर जीतेश को बॉल डालने से पहले बाल को स्टंप में मार दिया। रन आउट की अपील की। रिषभ पंत ने अपील वापस ली। फेयर प्ले के लिए ऋषभ ने स्पोर्ट्स स्प्रिट दिखाई। आरसीबी फैंस विराट कोहली की बैटिंग इंजॉय करते नजर आए। युवतियों ने इस पल को मोबाइल में कैद

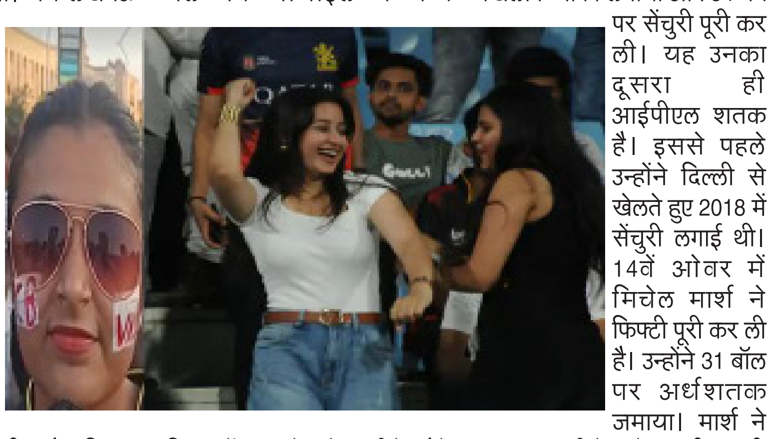

किया।बेंगलुरु के ओपनर्स ने चौथे ओवर में फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। सॉल्ट ने शाहबाज अहमद के ओवर की आखिरी बॉल पर चौका लगाकर ओपनिंग साझेदारी को 50 रन तक पहुंचा दिया। पारी का आखिरी ओवर डाल रहे रोमारियो शेफर्ड ने 13 रन देकर एक विकेट झटका। उन्होंने निकोलस पूरन को यश दयाल के हाथों कैच कराया। पूरन 13 रन ही बना सके। वहीं, शतक बना चुके ऋषभ पंत 61 बॉल पर नाबाद 118 रनों की पारी खेली। इस तरह लखनऊ ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 227 रन का स्कोर खड़ा किया।लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने 18वें ओवर में अपना शतक पूरा कर लिया। उन्होंने ओवर की पांचवीं गेंद पर भुवनेश्वर कुमार के खिलाफ चौका लगाया और 54 गेंद पर सेंचुरी पूरी कर ली। यह उनका दूसरा ही आईपीएल शतक है। इससे पहले उन्होंने दिल्ली से खेलते हुए 2018 में सेंचुरी लगाई थी। 14वें ओवर में मिचेल मार्श ने फिफ्टी पूरी कर ली है। उन्होंने 31 बॉल पर अर्धशतक जमाया। मार्श ने सुयश शर्मा के ओवर की दूसरी बॉल पर छक्का लगाकर अर्धशतक पूरा किया। फिर पंत ने चौथी और 5वीं बॉल पर लगातार दो बाउंड्री लगाई। इनमें एक चौका और एक छक्का शामिल रहा।मिचेल मार्श और ऋषभ पंत ने 12वें ओवर में शतकीय साझेदारी पूरी कर ली है। टीम ने 25 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया था। मार्श ने रोमारियो शेफर्ड के ओवर की चौथी बॉल पर चौका और 5वीं बॉल पर छक्का लगाया। चौके के साथ मार्श ने मौजूदा सीजन में 600 रन पूरे कर लिए हैं। वे इस सीजन में 600 या इससे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे बैटर हैं। ऋषभ पंत ने 10वें ओवर में फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 29 बॉल पर हाफ सेंचुरी जमाई। पंत ने सुयश शर्मा के ओवर की चौथी और पांचवीं बॉल पर लगातार दो चौके लगाकर हाफ सेंचुरी पूरी की। उन्होंने सुयश के ओवर की पहली बॉल पर छक्का भी लगाया। इस ओवर से 16 रन आए।मिचेल मार्श और कप्तान ऋषभ पंत की अर्धशतकीय साझेदारी ने लखनऊ की पारी को संभाल लिया है। टीम ने तीसरे ओवर में 25 रन के स्कोर पर मैथ्यू ब्रीट्जकी का विकेट गंवाया था। इस विकेट के बाद पंत नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने उतरे।इस पोजिशन पर निकोलस पूरन बैटिंग करते हैं।बेंगलुरु 13 मैचों में 8 जीत, 4 हार और एक बेनतीजा मैच से 17 पॉइंट्स लेकर तीसरे नंबर पर है। टीम को अगर टॉप-2 में रहकर क्वालीफायर-1 खेलना है, तो हर हाल में यह मैच जीतना ही होगा। वहीं टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो चुकी लखनऊ जीत के साथ इस सीजन को अलविदा कहना चाहेगी। एलएसजी अभी पॉइंट्स टेबल में सातवें पायदान पर है। टीम के 13 मैचों में 6 जीत और 7 हार के बाद 12 पॉइंट हैं। अगर लखनऊ यह मैच जीतती है तो सनराइजर्स हैदराबाद को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर आ जाएगी।

कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन सबसे प्रभावी तरीका, पर अध्ययन की इस रिपोर्ट ने बढ़ा दिया डर

नई दिल्ली। कोविड वैक्सीन शरीर पर किस तरह से असर डालती है, इसे समझने के लिए इजराइल के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन किया, जिसमें बच्चों की सेहत पर वैक्सीन के प्रभावों का आकलन किया गया है। इसके जो परिणाम सामने आए हैं वो डराने वाले हैं। एक बार फिर से डराने लगे हैं। पिछले एक महीने के

दौरान हांगकांग-सिंगापुर, भारत-अमेरिका सभी जगह संक्रमण के मामलों में तेजी से उछाल देखा गया है। अमेरिका से प्राप्त हो रही जानकारियां और भी चिंता बढ़ा रही हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक यहां हर हफ्ते कोरोना से 300 से अधिक लोगों की मौतें हो रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार फैल रहे जेएन.1 और इसमें हुए म्यूटेशन से उत्पन्न सब-वैरिएंट्स संक्रामक जरूर हैं, पर जानलेवा नहीं हैं। जिन लोगों की इससे मौतें हो रही हैं उनमें से अधिकतर या तो कोमोरबिडिटी (पहले से ही एक-दो क्रॉनिक बीमारियों) के शिकार रहे हैं या फिर कमजोर इम्युनिटी वाले हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कोरोना से बचाव के लिए कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करना जरूरी है, इसके अलावा वैक्सीनेशन अब भी सबसे प्रभावी तरीका है। हालांकि वैक्सीनेशन को लेकर हाल ही में हुए एक अध्ययन की रिपोर्ट ने लोगों को डरा दिया है।कोविड वैक्सीन शरीर पर किस तरह से असर डालती है? इसे समझने के लिए इजराइल के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन किया, जिसमें बच्चों की सेहत पर वैक्सीन के प्रभावों का आकलन किया गया है। वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि जिन बच्चों और किशोरों ने कम से कम कोविड की एक वैक्सीन ली, उनमें बिना टीकाकरण वाले बच्चों की तुलना में ऑटोइम्यून बीमारी विकसित होने का 23प्रतिशत अधिक जोखिम हो सकता है। इजराइली शोधकर्ताओं ने कहा, ये अध्ययन नई ऑटोइम्यून बीमारियों के उभरने के बारे में बढ़ती चिंताओं को लेकर ध्यान आकृष्ट करता है।अध्ययन के निष्कर्षों को प्रकाशित किया गया है। शोध के दौरान 21 वर्ष की आयु तक के 4.93 लाख रोगियों के मेडिकल डेटा का उपयोग करते हुए कोविड महामारी के पहले और बाद में ऑटोइम्यून बीमारियों की घटनाओं का अध्ययन किया गया।स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि ऑटोइम्यून बीमारियों में कई तरह की स्थितियां शामिल हैं, जिनमें टाइप-1 डायबिटीज, रुमेटीइड आर्थराइटिस, सोरायसिस, सीलिएक डिजीज और गुइलेन-बैरे सिंड्रोम जैसे दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार हो सकते हैं। इससे पहले मार्च में इसी से संबंधित मॉलिक्यूलर सिस्टम्स बायोलॉजी में प्रकाशित एक अन्य रिपोर्ट में भी कोविड-19 वैक्सीन और इससे ऑटोइम्यून रोगों के बढ़ते मामलों को लेकर अलर्ट किया गया था। 19 जर्मन वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में बताया गया कि एमआरएनए वैक्सीन कुछ स्थितियों में आनुवंशिक संरचनाओं में दीर्घकालिक बदलाव करने वाली हो सकती हैं जिनके कारण इंफ्लेमेटरी रिस्पॉन्स बढ़ जाता है। ये कैंसर और ऑटोइम्यून विकारों की शुरुआत का कारण बन सकते हैं।एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों को कोविड-19 वैक्सीन दी गई थी, उनमें मल्टीपल प्रोइंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स का स्तर बढ़ा हुआ था, ये वो प्रोटीन है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को रेगुलेट करने में मदद करता है। ये साइटोकिन्स क्रॉनिक सूजन, प्रतिरक्षा प्रणाली में समस्या और ऑटोइम्यून रोगों का बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

राशि फल

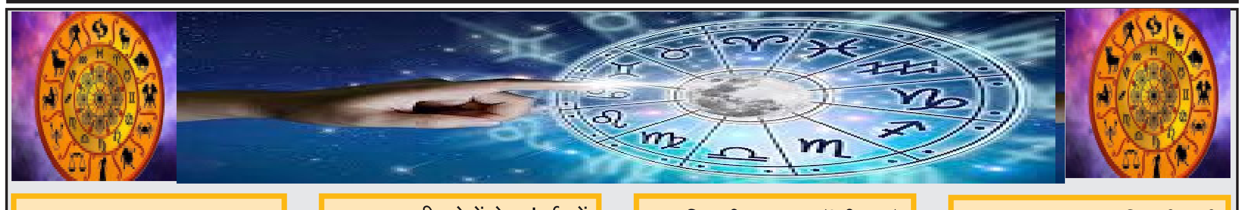

कुछ खास जानकारियों को जानने का मौका मिलेगा। काफी समय से कोई रुका हुआ काम आज पूर्ण होने से मन प्रसन्न रहेगा। आपकी योग्यता व क्षमता की लोग सराहना करेंगे। मित्रों के साथ मेल-मुलाकात होगी तथा खुशनुमा माहौल बनेगा।

अनुभवी लोगों के संपर्क में रहने से आपको नए-नए अनुभव मिलेंगे। संपत्ति संबंधी विवाद किसी की मध्यस्थता से हल हो सकते हैं, इसलिए प्रयासरत रहें। कुछ समय प्रकृति के साथ रहने से आपको मानसिक सुकून भी मिलेगा।

दिन की शुरुआत में ही अपने महत्वपूर्ण काम संबंधी योजना बना ले। क्योंकि दोपहर बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में बहुत ही अनुकूल हैं। आपके काम स्वतः ही बनने शुरू हो जाएंगे।

आज आप किसी भी परिस्थिति में समाधान ढूंढ ही लेंगे। यह समय आत्म मनन तथा आत्मनिरीक्षण करने का समय है। अपनी कुशलता व समझदारी द्वारा किसी कार्य के उत्तम परिणाम हासिल करने में सक्षम रहेंगे।

ग्रह स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आया है। समय अनुसार अपने व्यवहार और दिनचर्या में परिवर्तन लाना आपको सकारात्मक बनाएगा। साथ ही आपके व्यक्तित्व में भी और अधिक निखार आएगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

साउथ कोरिया में दिखी रूपल चौधरी की रफ्तार! 400 मीटर दौड़ में रजत पदक जीत रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारत की धाविका

रूपल चौधरी ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर दौड़ में 52.68 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और रजत पदक जीता। अब वह 4400 मीटर रिले में भी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।भारत की युवा एथलीट और मेरठ की बेटी रूपल चौधरी ने एक बार फिर अपनी रफ्तार से देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में 52.68 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया।आज दोपहर हुए फाइनल मुकाबले में रूपल की फिनिशिंग दमदार रही और वह दूसरे स्थान पर रहीं। यह सफलता न सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर का गौरव है, बल्कि भारत के लिए एक और ऐतिहासिक उपलब्धि भी है।अब सभी की निगाहें कल शुक्रवार को होने वाली 4400 मीटर रिले दौड़ पर टिकी हैं, जहां रूपल एक बार फिर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

जिनको वैक्सीन की तीनों डोज लग चुकी है क्या उन्हें भी हो सकता है संक्रमण?

नई दिल्ली। एक बार फिर से दुनियाभर में चिंता बढ़ाने लगे हैं।क्या उनको भी खतरा हैं ? जो पहले से वैक्सीन की डोज और फिर बूस्टर शॉट ले चुके हैं? तमाम अध्ययन बताते हैं कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण ही सबसे प्रभावी तरीका रहा है जो आपके शरीर में प्रभावी एंटीबॉडी बनाकर संक्रमण के गंभीर जोखिमों से बचाने में मदद करता है। टीकाकरण के प्रभाव को बढ़ाने के लिए दो डोज के बाद तीसरा डोज (बूस्टर शॉट) लेने की सलाह दी गई थी। वैक्सीनेशन अभी कोरोना से बचाव के लिए सबसे कारगर उपाय है। जो लोग तीनों टीके ले चुके हैं, उनमें कोरोना से बचाव के लिए पर्याप्त एंटीबॉडीज हैं, समय के साथ इनका प्रभाव जरूर कम हो सकता है पर एंटीबॉडीज की मेमेरी सेल्स कोरोना का पहचान करके आपको गंभीर जोखिमों से बचाए रखने में मददगार हैं। अब सवाल है कि क्या तीनों डोज ले चुके लोगों को भी इस बार बढ़ता संक्रमण हो सकता है?ओमिक्रॉन और इसके सब-वैरिएंट्स के बढ़ते जोखिमों को देखते हुए वैज्ञानिकों ने कई अपडेटेड टीके भी तैयार कर लिए हैं। ये टीके नए वैरिएंट्स को लक्षित करके बनाए गए हैं।हाल ही में अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने नोवावैक्स के एक नए टीके को मंजूरी दी है, हालांकि इसके साथ कुछ शर्तें भी रखी गई हैं। ये टीके सिर्फ उन्हीं लोगों को दिए जा सकेंगे जो इसके लिए उपयुक्त होंगे।इस बारे में डॉक्टर निरंजन बताते हैं, वैक्सीन कोई भी हो- कोरोना या किसी अन्य बीमारी की, ये आपको संक्रमण की स्थिति में गंभीर रोग या इसके कारण होने वाली जटिलताओं से बचाने में मदद करती हैं।

कोहली ने रचा इतिहास, आरसीबी ने चेज किया हाईएस्ट टारगेट विराट की सबसे ज्यादा फिफ्टी, आरसीबी के लिए 9000 रन भी पूरे किए

नई दिल्ली। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में रिकार्ड्स का दिन बेंगलुरु और विराट कोहली के नाम रहा। आरसीबी ने आईपीएल का तीसरा और अपना हाईएस्ट रन चेज किया। विराट कोहली टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले प्लेयर बने। उन्होंने बेंगलुरु से अपने 9 हजार रन भी पूरे किए। ऋषभ पंत लखनऊ से सबसे तेज शतक

लगाने वाले प्लेयर बने। आईपीएल के 70वें मैच में लखनऊ ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 227 रन बनाए। इकाना क्रिकेट स्टेडियम में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। जवाब में बेंगलुरु ने 228 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया।लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वालों की सूची में मिचेल मार्श सबसे आगे हैं। उन्होंने अब तक 7 बार 50 या उससे अधिक का स्कोर बनाया है। उनके बाद 2022 में केएल राहुल का प्रदर्शन रहा, जिन्होंने 6 बार अर्धशतक या उससे अधिक का स्कोर बनाया था। 2025 के ही सीजन में ऐडन मार्करम ने भी 5 बार 50+ स्कोर बनाए।आईपीएल इतिहास में 600+ रन एक सीजन में सबसे ज्यादा बार बनाने वाले खिलाड़ियों में विराट कोहली सबसे आगे हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 5 बार हासिल की है, 2013, 2016, 2023, 2024 और 2025 में। उनके बाद केएल राहुल हैं, जिन्होंने 4 बार (2018, 2020, 2021, 2022) में 600+ रन बनाए हैं। क्रिस गेल और डेविड वॉर्नर ने यह कारनामा 3-3 बार किया है। आईपीएल इतिहास में सफल रन चेज के दौरान नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर बनाने वालों की सूची में जितेश शर्मा का नाम अब सबसे ऊपर है। उन्होंने कल 33 गेंदों में नाबाद 85 रन बनाए । उनके बाद इस सूची में एमएस धोनी का 2018 में आरसीबी के खिलाफ बेंगलुरु में बनाया गया नाबाद 70 रन (34 गेंदों में) आता है।जितेश शर्मा और मयंक अग्रवाल के बीच हुई नाबाद 107 रन की साझेदारी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए किसी रन चेज में 5वें विकेट या उससे नीचे की सबसे बड़ी साझेदारी बन गई। इस रिकॉर्ड ने 2016 के क्वालिफायर-1 में एबी डिविलियर्स और इकबाल अब्दुल्ला के बीच गुजरात लायंस के खिलाफ हुई 91 रनों की नाबाद साझेदारी को पीछे छोड़ा आईपीएल के किसी एक सीजन में सबसे ज्यादा अवे (बाहर) जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड अब आरसीबी के नाम हो गया है। उन्होंने इस सीजन में अपने सभी 7 में से 7 अवे मैच जीते।इससे पहले दो टीमें, कोलकाता नाइट राइडर्स (2012) और मुंबई इंडियंस (2012) 8 में से 7 अवे मैच जीत चुकी हैं।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टारगेट चेज किया। इकाना स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ आरसीबी ने मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल किया। अब टीम 29 मई को पंजाब किंग्स के साथ क्वालिफायर-1 खेलेगी। बेंगलुरु ने आईपीएल में अपना सबसे बड़ा टारगेट भी चेज किया है। इससे पहले 2010 पंजाब किंग्स के खिलाफ 204 रन का टारगेट हासिल किया था।टी20 क्रिकेट में किसी एक टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में विराट कोहली शीर्ष पर हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए अपने 9 हजार रन पूरे किए। उनके अब तक 9023 रन हो गए हैं। कोहली ने कल 5वें ओवर में आवेश खान के ओवर की दूसरी बॉल पर चौका लगाकर यह अचीवमेंट हासिल किया। दूसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए 6060 रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर हैं इंग्लैंड के बल्लेबाज जेम्स विंस हैं, जिन्होंने हैम्पशायर के लिए 5934 रन बनाए हैं। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स के दो दिग्गज खिलाड़ी आते हैं, सुरेश रैना, जिन्होंने 5528 रन बनाए और एमएस धोनी, जिनके नाम सीएसके के लिए 5314 रन दर्ज हैं। आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में विराट कोहली सबसे ऊपर हैं। उन्होंने 266 मैचों में 63 अर्धशतक लगाए हैं। उनके ठीक पीछे हैं डेविड वॉर्नर, जिन्होंने 184 मैचों में 62 बार पचास या उससे अधिक रन बनाए हैं। तीसरे स्थान पर शिखर धवन हैं, जिनके नाम 222 मैचों में 51 अर्धशतक दर्ज हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 270 मैचों में 46 फिफ्टी लगाई हैं।ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए सबसे तेज शतक बनाने वाले प्लेयर बने। उन्होंने आरसीबी के खिलाफ सिर्फ 54 गेंदों में शानदार शतक जड़ा। उनके बाद केएल राहुल का नंबर आता है, जिन्होंने 2022 में ब्रेबॉर्न स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 56 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। इतनी ही गेंदों में मार्कस स्टोयनिस ने भी 2024 में चेन्नई के मैदान पर शतक बनाया था। मिचेल मार्श ने भी 2025 में अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 56 गेंदों में ही शतक जड़ा। वहीं, क्विंटन डी कॉक ने 2022 में डी वाई पाटिल स्टेडियम पर कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 59 गेंदों में सेंचुरी बनाई।ऋषभ पंत और मिचेल मार्श ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए सेकेंड हाईएस्ट पार्टनरशिप की। दोनों ने मिलकर 152 रन जोड़े। एलएसजी के लिए अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी क्विंटन डी कॉक और केएल राहुल के नाम है।

आंधी-तूफान में सुरक्षा के लिए बरतें ये जरूरी सावधानियां,बाहर फंस जाएं तो इन जगहों पर बिल्कुल न खड़े हों, जानें एक्सपर्ट की राय

नई दिल्ली। हाल ही में उत्तर भारत के कई राज्यों में हुई बारिश और तेज आंधी-तूफान ने जमकर तबाही मचाई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले हफ्ते आंधी-बारिश से जुड़ी घटनाओं के कारण उत्तर प्रदेश में 60 और राजस्थान में 2 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा दिल्ली, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों से भी भारी नुकसान की सूचना है।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई राज्यों में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश की चेतावनी जारी की है। इसलिए आगामी दिनों में सतर्कता बरतने की जरूरत है।जब भी घर से बाहर हैं और अचानक आंधी-तूफान आ जाए तो सबसे पहले घबराएं नहीं। तुरंत किसी सुरक्षित जगह की तलाश करें। खुले मैदान, पेड़, बिजली के खंभे या किसी निर्माणाधीन बिल्डिंग के पास खड़े रहना खतरनाक हो सकता है, इसलिए संभव हो तो किसी पक्के मकान की शरण लें। इस दौरान मोबाइल का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। अगर बाइक चला रहे हैं तो उसे साइड में रोककर सुरक्षित स्थान पर खड़े हो जाएं। इसके साथ ही कुछ और बातों का भी ख्याल रखें। मौसम विभाग की चेतावनी पर ध्यान दें। अगर तूफान का पूर्वानुमान है तो उसे हल्के में न लें। घर के बाहर रखे गमले और कुर्सी-टेबल जैसे हल्के सामान, जो तेज हवा में उड़ सकते हैं, उसे तुरंत

अंदर कर लें। मोबाइल और टार्च जैसे अन्य जरूरी उपकरणों को पूरी तरह चार्ज कर लें।अगर घर के आसपास पुराने पेड़ हैं तो समय रहते उनकी छंटाई करवा लें ताकि तूफान के समय उनके टूटकर गिरने का खतरा न रहे। घर के अंदर चले जाएं। खिड़कियां और दरवाजे अच्छे से बंद कर लें। अगर कोई कांच की खिड़की है तो उसे मजबूत कपड़े या लकड़ी से ढक दें ताकि उसके टूटने पर चोट न लगे। जब तक बहुत जरूरी न हो, तूफान के समय घर से बाहर निकलने से बचें। इसके साथ ही कुछ अन्य बातों का भी ध्यान रखें।तूफान के समय वोल्टेज में उतार-चढ़ाव हो सकता है। ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल करने वाले को बिजली का झटका लग सकता है। शॉर्ट सर्किट से वायरिंग जल सकती है, जिससे आग लगने का खतरा भी रहता है। इसलिए सावधानी के तौर पर टीवी, फ्रिज, कूलर जैसे सभी डिवाइस बंद कर दें और प्लग हटा दें। इस दौरान मोबाइल चार्जिंग से भी बचें, खासकर जब बिजली चमक रही हो।तूफान के समय आकाशीय बिजली गिरने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। वहीं पानी बिजली को आसानी से पास कर सकता है। ऐसे में अगर बिजली घर के आसपास गिरती है तो वह पानी की पाइपलाइन या नल के जरिए बाथरूम तक पहुंच सकती है और शरीर को करंट लग सकता है।इसी तरह स्विमिंग पूल में बिजली गिरने से जानलेवा हादसा हो सकता है। इसलिए तूफान के दौरान बाथटब, शॉवर, सिंक या स्विमिंग पूल जैसी जगहों से दूर रहना चाहिए और जब तक मौसम पूरी तरह शांत न हो जाए, तब तक इनका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

मुंह-फेफड़े के कैंसर से लेकर हार्ट अटैक के खतरे को कई गुना बढ़ा देती है ये आदत, तुरंत बना लें दूरी

नई दिल्ली। आमतौर पर तंबाकू के मुंह के रोग-ओरल कैंसर और धूम्रपान को फेफड़ों के कैंसर का कारण माना जाता रहा है। पर इसके जोखिम यहीं तक सीमित नहीं हैं, तंबाकू-धूम्रपान आपके संपूर्ण शरीर को नुकसान पहुंचाती है।दुनियाभर में बढ़ती ज्यादातार गंभीर और क्रॉनिक बीमारियों के लिए गड़बड़ लाइफस्टाइल और खान-पान से संबंधित दिक्कतों को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। इनमें से जिस आदत के कारण सेहत को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है वो है- तंबाकू या धूम्रपान की आदत। तंबाकू का सेवन चाहे वह धूम्रपान के रूप में हो या चबाने वाला तंबाकू, ये सेहत के लिए गंभीर नुकसानदायक हो सकता है। तंबाकू शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। कई अध्ययन इस बात की तरफ भी ध्यान आकृष्ट करते रहे हैं कि तंबाकू का सेवन असमय मृत्यु का भी प्रमुख कारण है। दुर्भाग्यवश देश की एक बड़ी आबादी, विशेषकर युवा इसका शिकार हो रहे हैं। तंबाकू के कारण सेहत को होने वाले नुकसान, बीमारियों के बढ़ते खतरे के बारे में लोगों को जागरूक करने और तंबाकू छोड़ने को लेकर लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। आइए तंबाकू के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जानते हैं।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आमतौर पर तंबाकू को मुंह के रोग-ओरल कैंसर और धूम्रपान को फेफड़ों के कैंसर का कारण माना जाता रहा है। पर इसके जोखिम यहीं तक सीमित नहीं हैं, तंबाकू-धूम्रपान आपके संपूर्ण शरीर को नुकसानदायक है। हृदय से संबंधित बढ़ती समस्याएं-हार्ट अटैक हो या मस्तिष्क की समस्याएं सभी पर इसका असर होता है।तंबाकू, विशेषकर धूम्रपान के रूप में फेफड़ों और श्वसन तंत्र को गंभीर रूप से क्षति पहुंचाता है। धूम्रपान से फेफड़ों का कैंसर होने की आशंका 15 गुना तक बढ़ जाती है। इसके अलावा जो लोग धूम्रपान करते हैं उनमें क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज रोग होने का जोखिम भी अधिक रहता है। यह फेफड़ों की एक गंभीर बीमारी है जिसमें सांस लेने में तकलीफ होती है।अमेरिकन लंग्स एसोसिएशन के अनुसार, 90प्रतिशत फेफड़ों के कैंसर के मामलों के लिए धूम्रपान की आदत को बड़ा जोखिम कारक माना जाता रहा है।गुटखा-खैनी और बीड़ी जैसी चीजें मुंह की बीमारियों यहां तक कि ओरल कैंसर के भी खतरे को कई गुना तक बढ़ा देती हैं। जो लोग तंबाकू चबाते हैं उनमें मुंह का कैंसर हो सकता है, ग्रामीण भारत में इसका जोखिम अधिक रहा है। तंबाकू में मौजूद तत्व निकोटीन दांतों और मसूड़ों को कमजोर करता है इसके साथ पायरिया जैसे बीमारी को भी बढ़ा देता है। इंडियन डेंटल एसोसिएशन की रिपोर्ट भी बताती है कि भारत में मुंह का कैंसर सबसे आम कैंसर में से एक है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां गुटखे का सेवन अधिक होता है। इससे दूरी बनाना जरूरी है।तंबाकू-धूम्रपान की आदत आपको शरीर को कई और भी प्रकार से नुकसान पहुंचाती है। धूम्रपान रक्तचाप और हृदय की धड़कन को बढ़ाता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है। निकोटीन और कार्बन मोनोऑक्साइड रक्त में थक्के बना सकते हैं,

सोशल मीडिया के बाद एआई भी युवा पीढ़ी के लिए खतरा

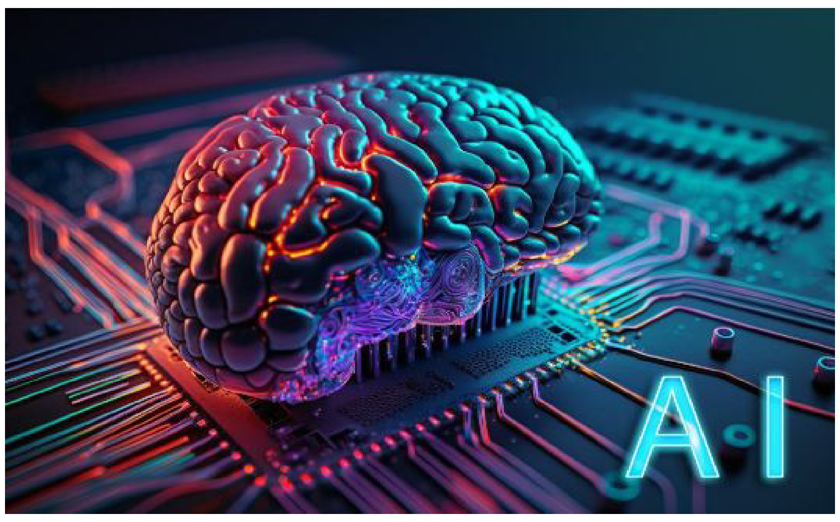

28 फरवरी 2024 को फ्लोरिडा के एक 14 साल के किशोर सीवेल सेट्जर ने एक लाइफलाइक एआई कैरेक्टर के उकसावे पर आत्महत्या कर ली। यह एआई ?ाि्रदार कैरेक्टर.एआई द्वारा निर्मित था। यही कंपनी कथित तौर पर प्रो-एनोरेक्सिया एआई चैटबॉट को भी होस्ट करती है, जो युवाओं में अव्यवस्थित खानपान की आदत को बढ़ावा देता है। मतलब साफ है, युवाओं और बच्चों को एआई से बचाने के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता अब आन पहुंची है।यह सच है कि एआई में मानव स्वास्थ्य और उसकी गरिमा को प्रोत्साहित करने से लेकर वंचित वर्ग में शिक्षा और स्थायित्व की बेहतरी के लिए जबरदस्त संभावना है। लेकिन इन लाभों की कीमत पर खतरों को अनदेखा नहीं किया जा सकता।मानवाधिकारों के हर उल्लंघन को नैतिक तौर पर अस्वीकार्य माना जाना चाहिए। यदि कोई एआई चैटबॉट किसी किशोर को आत्महत्या के लिए उकसाता है तो इसकी क्षतिपूर्ति यह कह कर नहीं की जा सकती कि दूसरी तरफ एआई मेडिकल रिसर्च को अत्याधुनिक करने में भी तो भूमिका निभा रहा है।सेट्जर की आत्महत्या ही इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। पिछले दिसंबर में भी अमेरिका के टेक्सास में दो परिवारों ने एक एआई कैरेक्टर और उसका वित्तपोषण करने वाले गूगल के खिलाफ मुकदमा किया था कि यह चैटबॉट उनके स्कूल जाने वाले बच्चों का मानसिक शोषण कर रहा है।इसके चलते बच्चे हिंसक होकर खुद को नुकसान भी पहुंचाने लगे हैं। ऐसा ही हम अतीत में भी देख चुके हैं, जब सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने लाभ के लिए अपने एडिक्टिव प्लेटफॉर्मों के जरिए किशोरों और बच्चों की पूरी एक पीढ़ी को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। धीरे-धीरे हम इसके प्रति जागरूक हो सके हैं। अब जाकर कई देशों ने इन पर पाबंदियां लगानी शुरू की हैं और खुद युवा अब कड़े नियामकों की मांग कर रहे हैं।लेकिन हम एआई पर लगाम के लिए ज्यादा समय तक इंतजार नहीं कर सकते। टेक कंपनियों ने हमसे भारी मात्रा में पर्सनल डेटा हासिल कर लिया है। उनकी मदद से कैरेक्टर.एआई जैसे प्लेटफॉर्म ऐसे एल्गोरिदम तैयार कर सकते हैं, जो हमें स्वयं से भी अधिक जानने लगेंगे। इसके दुरुपयोग की गुंजाइश बहुत अधिक है।वस्तुतः एआई अच्छी तरह से जानता है कि हमारी इच्छाओं को उभारने और हमसे कोई खास प्रकार का व्यवहार कराने के लिए कौन-सा बटन दबाना है। कैरेक्टर.एआई पर प्रो-एनोरेक्सिया जैसे चैटबॉट इसके ताजा और क्रूरतम उदाहरण है। कोई कारण नजर नहीं आता कि इनको तत्काल प्रतिबंधित क्यों नहीं किया जाए। जनरेटिव एआई मॉडल हमारी सोच से भी अधिक रफ्तार से विकसित हो रहे हैं और मोटे तौर पर ये गलत दिशा में अधिक जा रहे हैं।एआई के गॉडफादर कहलाने वाले कॉग्निटिव वैज्ञानिक और नोबेल विजेता जैफ्री हिंटन ने लगातार चेताया है कि एआई मानव की विलुप्ति का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा था कि मेरी चिंता यह है कि कोई अदृश्य हाथ हमें बचाने नहीं वाला।यह काफी नहीं कि लाभ कमाने वाली कंपनियों पर ही यह छोड़ दिया जाए कि वे एआई को सुरक्षित तरीके से विकसित करेंगी। सरकारी नियमन ही उन्हें सुरक्षा मानकों पर अधिक शोध करने के लिए बाध्य कर सकते हैं।नैतिक मानकों को बनाए रखने में बड़ी टेक कंपनियों की लगातार विफलता के बाद उनसे यह अपेक्षा रखना तो मूर्खता होगी कि वे खुद को नियंत्रित करेंगी। तमाम समस्याओं को जानने के बाद भी गूगल ने 2024 में कैरेक्टर.एआई में 2.7 अरब डॉलर लगाए।चूंकि एआई एक वैश्विक परिदृश्य है, तो इसका मतलब है कि नियमन भी वैश्विक होने चाहिए। ये नियमन संयुक्त राष्ट्र की इंटरनेशनल डेटा बेस्ड सिस्टम एजेंसी (आईडीए) की भांति नई वैश्विक प्रवर्तन प्रणाली पर आधारित हों।यह तय करना मनुष्यों की जिम्मेदारी है कि कौन-सी तकनीकें, इनोवेशन और प्रगति के कौन-से रूप साकार किए जाने चाहिए और कैसे उनका विस्तार हो। यह भी हमारी ही जिम्मेदारी है कि हम एआई को ऐसे तरीके से संचालित करें, जो मानवाधिकारों का सम्मान करे और मानवता व हमारे ग्रह के लिए अधिक सस्टेनेबल भविष्य की सुविधा प्रदान करे। (सी प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

ये कहना गलत कि हम दुनिया में अकेले पड़े

यहां हम जिस 'एन' अक्षर का प्रयोग कर रहे हैं, वह 'न्यूक्लियर' (परमाणु) हथियारों वाला 'एन' अक्षर नहीं है। यह 'नैरेटिव' के लिए किया गया है। यह अक्षर इतना घिस-पिट चुका है कि मैं इसे न्यूजरूम में प्रतिबंधित करता रहा हूं। लेकिन इस लेख में जिस 'नैरेटिव' की बात की जा रही है, उसके मामले में इसकी छूट दे रहा हूं। पहलगाम में हमला होने के तुरंत बाद ही फुसफुसाहट शुरू हो गई थी कि पूरी दुनिया पाकिस्तान की मलामत क्यों नहीं कर रही? यह शिकायत ऑपरेशन सिंदूर के साथ ही एक शोर में बदल चुकी थी कि हमें कोई इस ऑपरेशन पर शाबाशी क्यों नहीं दे रहा है? हमेशा की तरह पश्चिमी मीडिया पर उंगली उठाई जा रही थी कि वह हमारी सेना की कामयाबी की चर्चा क्यों कर रहा है। वे गोलमोल बातें कैसे कर सकते हैं और ऐसा कैसे कह सकते हैं कि हमें नुकसान हुआ है? फिर ट्रम्प इस कोलाहल में कूद पड़े और खलबली मच गई। इसका यही निष्कर्ष निकाला जाना था कि कोई भी हमारे साथ नहीं है और भारत को अकेले ही लड़ना है। पीड़ित होने का एहसास बहुत आकर्षक होता है, और कई पीढ़ियों से हमने इसे एक पुरानी बीमारी की तरह बना लिया है। लेकिन इसके साथ कई तथ्यात्मक समस्याएं जुड़ी हैं। पहला तथ्य यह है कि 1965 को छोड़ कभी भी हम अकेले नहीं पड़े। 1971 में सोवियत संघ हमारे साथ संधि कर चुका मित्र-देश था। करगिल युद्ध हो या ऑपरेशन पराक्रम हो या 26/11 का हमला, हर मौके पर लगभग पूरी दुनिया हमारे पक्ष में थी। यहां तक कि चीन का रुख भी गोलमोल था। वैसे 1965 में भी सोवियत संघ भारत की तरफ आधा झुका ही हुआ था। मिग विमानों का हमारा पहला स्क्वाड्रन (युद्ध शुरू होने के समय नौ विमान तैयार थे) बन रहा था और दिल्ली के पास ही 'सैम-2 गाइडलाइन' मिसाइलें तैनात कर दी गई थीं। 1991 में सोवियत विघटन और हमारी अर्थव्यवस्था के रफ्तार पकड़ने के बाद पश्चिम से हमारे संबंध बेहतर होते गए। 1998 में पोकरण-2 के बाद से अमेरिका ने प्रतिबंधों को हटाने में देर नहीं की और भारत को रणनीतिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मित्र-देश तथा परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्वीकारा। तब से उसने कश्मीर को लेकर कभी हमारे प्रतिकूल कोई बात नहीं की। 2000 में, भारत से अपने देश लौटते हुए बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान के एक हवाई अड्डे पर थोड़ी देर के लिए रुकने के दौरान कैमरे के सामने अपनी उंगली हिलाते हुए पाकिस्तानियों से साफ कहा था कि इस क्षेत्र के नक्शे की रेखाओं को खून से नहीं बदला जा सकता। पाकिस्तान ने अमेरिका का सहारा खो दिया और चीन के संरक्षण में चला गया। पुलवामा-बालाकोट के बाद से अमेरिका भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को कम करने में ऐसी रचनात्मक भूमिका निभाता रहा है, जो भारत के लिए मुफीद रही है। तब और अब में फर्क यह है कि अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रम्प और 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रम्प में भारी अंतर है। नए ट्रम्प हर बात का श्रेय खुद लेना चाहते हैं। उन्हें ट्रोलिंग में खास मजा आता है। उन्होंने कनाडा के मार्क कार्नी, यूक्रेन के जेलेंस्की और अभी हाल में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति साइरिल रामाफोसा को 'वॉट्सअप यूनिवर्सिटी' वाली भाषा में 'श्वेतों के जनसंहार' के लिए अपमानित किया। ट्रम्प को बेशक इस बात से मदद ही मिलती है कि इलॉन मस्क उनके प्रशासन में सबसे शक्तिशाली पद पर होने के बावजूद अपने देश की आंतरिक राजनीति करते रहे हैं। पूरी दुनिया अभी यही सीख रही है कि ट्रम्प और उनके प्रशासन की वास्तविकता के बीच फर्क कैसे किया जाए। ट्रम्प के बड़बोले दावों से आप जब भी उत्तेजित हो जाएं, उनके उपराष्ट्रपति जेडी वेंस या तुलसी गेबार्ड, काश पटेल आदि के ट्वीटों को पढ़िए। यहां तक कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान भी बारीकी भरे होते हैं। पाकिस्तान को भारत से सहयोग करने और अपने यहां मौजूद आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा जाता है। भारत को और क्या चाहिए? आत्मदया से भरी विपत्तिग्रस्तता पराजित होने के एहसास से भी बुरी चीज है, क्योंकि यह भी आपको हताश करती है। इधर सबसे मूर्खतापूर्ण बात यह सुनी जा रही है कि पश्चिमी देशों (अमेरिका) ने भारत को फिर से पाकिस्तान के बराबर नत्थी कर दिया है। लेकिन जरा यह तो बताइए, क्या किसी ने आपसे कहा है कि कश्मीर मसले पर बातचीत शुरू कीजिए और हमें उसमें मध्यस्थ बनने की पेशकश कीजिए? ट्रम्प भी जो बड़बोलापन कर रहे हैं, वह सिर्फ संघर्ष-विराम में अपनी भूमिका के बारे में है। भारत ने जम्मू-कश्मीर का संवैधानिक दर्जा छह साल पहले ही खत्म कर दिया। किसी मित्र-देश ने इस पर आपत्ति नहीं की, न इस फैसले को पलटने की मांग की।तुर्किए हमारे लिए मामूली हैसियत रखता है, और अजरबैजान तो उतनी भी हैसियत नहीं रखता। जहां तक 'ओआईसी' की बात है, किस भी मुस्लिम मुल्क के पास इस लगभग निष्क्रिय संगठन के लिए समय नहीं है। इंडोनेशिया, बहरीन, मिस्र जैसे इस्लामी मुल्कों ने भारत की आलोचना करते हुए ध्यान रखा कि वह हल्की हो। इसलिए हकीकत यह है कि दोस्ताना रिश्ते से आगे, भारत आज दुनिया में जिस बेहतर हैसियत में है, वैसी स्थिति में वह शीतयुद्ध के बाद के दौर में कभी नहीं रहा। यह इस भारी विडम्बना का आश्चर्यजनक उदाहरण ही है कि भारत को जबकि जबर्दस्त सद्भाव हासिल है और उसके कई दोस्त हैं, तब भी उसकी सुई 'एकला चलो रे' वाले राग पर अटकी हुई है। इसी तरह, यह 'जी-20' वाले जोशीली दौर से अविश्वसनीय वापसी है, जब भारत को दुनिया में एक उभरते सितारे के रूप में, और नरेंद्र मोदी को एक ऐसे नेता के रूप में देखा जा रहा था जिन्हें हर कोई सम्मान दे रहा था। इसलिए, क्या बदलाव आया है, इसके बारे में हमारी समझ इससे तय होगी कि हमारी अपेक्षाएं क्या थीं। क्योंकि हमने अमेरिका के लिए 'मित्र-देश' शब्द का इस्तेमाल करने से हमेशा ही परहेज किया है। हमें विश्व जनमत से बेहतर संवाद बनाना चाहिए... पहले हमें यह तय करना पड़ेगा कि विश्व जनमत को हम महत्वपूर्ण मानते हैं या नहीं। अगर मानते हैं तो हमें उनके मीडिया, थिंक टैंक, सिविल सोसाइटी से संवाद करना चाहिए। विश्व जनमत शिखर बैठकों से ही नहीं बनता। यह कई पहलुओं के आधार पर आकार लेता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

असल लड़ाई पाकिस्तान से नहीं बल्कि उसकी फौज से है

भारत-पाकिस्तान संघर्ष केवल दो देशों की ही कहानी नहीं, बल्कि दोनों में स्थित दो भिन्न देशों की भी कहानी है। भारतीय उपमहाद्वीप का ?एक हिस्सा जहां आज भी विभाजन-पूर्व वाले भारत की स्थिति में भरोसा करता है, बल्कि यों कहें कि उसी मानसिकता में रहता है, वहीं पाकिस्तान का एक हिस्सा भारत के साथ शांति की हर सम्भावना को खारिज करता है।न चाहते हुए भी इस विचारधारा को हमें जिहादी कहना पड़ेगा, क्योंकि इसे पाकिस्तानी सेना के आदर्श-वाक्य के तौर पर प्रस्तुत किया गया है- ईमान, तकवा, जिहाद-फि-?सबिलिल्लाह। फौज का जो मूल आदर्श-वाक्य था- इत्तेहाद, यकीन, तंजीम- उसमें जिहाद नहीं था। इन दोनों पड़ोसी मुल्कों के बीच का अंतर उदभ्रान्त कर देने वाला है। एक शांति चाहने वाला भारत है, और पाकिस्तान में भी एक बड़ी असैन्य आबादी ऐसी ही होगी। लेकिन दूसरी तरफ युद्धलिप्सा से भरा, हिंदू विरोधी और भारत विरोधी पाकिस्तान भी है। इस दूसरे वाले पाकिस्तान में उसकी फौज की अगुवाई में नियमित और अनियमित वर्दीधारी सैनिक हैं, जिन्हें एक विशेष विचारधारा में प्रशिक्षित किया गया है।पाकिस्तान की इस खंडित मानसिकता का असर उसके समाज के सभी वर्गों में फैला हुआ नजर आता है। एक ओर व्हिस्की पीने वाले अय्याश जनरल हैं तो दूसरी ओर जंग में कुर्बान कर देने के लिए मदरसों में ब्रेनवॉश्ड किए गए लोग।एक तरफ कुलीन तबका है, जो मजहबी कट्टरता का पोषक है, तो दूसरी तरफ गरीब और हताश निचला तबका, जिनका वे अपने मनसूबे पूरे करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेकिन सवाल है कब तक? ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब आगे क्या?इस बारे में एक विश्वसनीय एक्शन-प्लान सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल पी. रविशंकर ने प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि आप पाकिस्तानी फौज को जंग के मोर्चे के बजाय सियासी और कूटनीतिक तौर पर कहीं बेहतर मात दे सकते हैं।सनद रहे कि पाकिस्तान कोई ऐसा मुल्क नहीं है, जिसके पास फौज है। बल्कि वह फौज है, जिसके पास एक मुल्क है! फौज ही वहां रियल एस्टेट, कृषि और स्टील जैसे आर्थिक फैक्टरों को नियंत्रित करती है। घरेलू और विदेश नीति तय करती है। उसके पास हार को जीत में बदलने का दुष्प्रचार वाला हुनर भी है।पाकिस्तान में एक सत्ता का केंद्र है और दूसरा प्रशासन का केंद्र है। सत्ता का केंद्र फौज है। 1947-1948, 1965, 1971 और 1999 जैसे किसी भी सैन्य-टकराव में हमने पाकिस्तान को भले हराया हो, लेकिन उसकी फौज को खत्म नहीं कर पाए।जनरल रविशंकर कहते हैं कि हर युद्ध के साथ फौज खुद को और मजबूत करती गई। भारत के खिलाफ हर सैन्य कार्रवाई पाकिस्तानी अवाम पर फौज के दबदबे को और बढ़ा देती है। यह दुष्चक्र लगातार दोहराया जाता है।इस धूर्त संस्था को हराने के लिए भारत को पीडीईआई फॉर्मूला अपनाना चाहिए, यानी पोलिटिक्स, डिप्लोमेसी, इकोनॉमिक्स और इंफॉर्मेशन वारफेयर। ऐसी समग्र रणनीति ही कारगर होगी, जैसा कि भारत ने जल संधि करके किया। अनुच्छेद 370 हटाना मास्टर-स्ट्रोक था, जिसने पाक को बेहद तकलीफ दी।जहां तक पाकिस्तान के अंदरूनी हालात की बात है तो वह बारूद के ढेर पर बैठा है और केवल चिनगारी दिखाने की देरी है। कूटनीतिक मोर्चे पर प्रतिनिधिमंडल हमारा पक्ष रखने दुनिया में जा रहे हैं। इंफॉर्मेशन वारफेयर के मोर्चे पर जरूर हम पिछड़ रहे हैं।लेकिन विश्व में भारत का कद, चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जी-20, ब्रिक्स जैसे मंचों पर हमारी बुलंद आवाज हमारे प्रतिद्वंद्वी की तुलना में हमें बढ़त दिलाती है। पीडीईआई रणनीति से हम दूरगामी परिणाम हासिल कर सकते हैं। विभाजन-पूर्व वाले भारत के दिवास्वप्न में डूबे लोगों के लिए बेहतर होगा कि वे पाकिस्तान के बाद वाले उपमहाद्वीप पर अपनी आशाएं टिकाएं!पाकिस्तान कोई ऐसा मुल्क नहीं है, जिसके पास फौज है। बल्कि वह फौज है, जिसके पास मुल्क है! उसके पास हार को जीत में बदलने का दुष्प्रचार वाला हुनर भी है। वहां सत्ता का केंद्र फौज है। प्रशासन का केंद्र भले सरकार हो। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिहार की राजनीति में पाला बदलने की कला नई नहीं है

बिहार में चुनावों से पूर्व वहां की राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलने लगे हैं। होर्डिंग्स, पोस्टर छाए हुए हैं और बड़ी-छोटी रैलियां हो रही हैं। राजनीतिक दलों में भी उथल-पुथल है। लालू यादव द्वारा अपने बेटे तेजप्रताप यादव को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित करना इसका ताजा उदाहरण है। स्थापित दलों के नेता भी बिहार की राजनीति में नई पारी की तलाश में पाला बदल रहे हैं। यों, भारत में नेताओं का एक दल से दूसरे दल में जाना असामान्य बात नहीं। लेकिन चुनाव के समय पाला बदलने की गति और आवृत्ति बहुत तेज हो जाती है। अकसर टिकटों के अभिलाषी किसी दूसरी पार्टी से टिकट मिलने पर पाला बदलते हैं। चुनाव में अभी लगभग 5 महीने बाकी हैं, लेकिन नेताओं का दलबदल अभी से देखा जाने लगा है। एक प्रमुख प्रवृत्ति यह दिखाई दे रही है कि विभिन्न दलों के नेता मुख्य रूप से टिकट दिए जाने के वादे के कारण जन स्वराज पार्टी की ओर रुख कर रहे हैं। राजनीति के बदलते परिदृश्य में पार्टी के प्रति वफादारी चुनावी गणित के आगे-पीछे हो जाती है। पिछले दो दशकों में कई प्रमुख नेताओं ने बार-बार अपने राजनीतिक गठबंधन बदले हैं, जो राज्य में गठबंधन राजनीति की अस्थिर प्रकृति को दर्शाता है। इस प्रक्रिया में इन तमाम नेताओं ने बिहार की सत्ता की गतिशीलता को नया रूप भी दिया है।इसमें नीतीश का कोई तोड़ नहीं। 1990 के दशक में समता पार्टी के साथ राजनीतिक सफर शुरू करने के बाद वे जदयू नेता के रूप में भाजपा के साथ गठबंधन में रहे। इस साझेदारी ने ही उन्हें 2005 में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया। 2013 में उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ लिया और अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों राजद और कांग्रेस के साथ 2015 के चुनाव से पहले सफल महागठबंधन बनाया। 2017 में वे फिर एनडीए में लौट आए। 2022 में फिर से महागठबंधन को पुनर्जीवित करते हुए मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। 2024 में फिर एनडीए में लौट आए। वे हमेशा उस पक्ष के साथ खड़े रहते दिखाई देते हैं, जो उन्हें अधिक लाभ देता है।उपेंद्र कुशवाहा ने भी बिहार के राजनीतिक गलियारों में उतार-चढ़ाव भरा रास्ता अपनाया है। नीतीश के पूर्व सहयोगी और जदयू के सदस्य कुशवाहा ने 2013 में राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) का गठन किया और 2014 के आम चुनाव के लिए एनडीए के साथ गठबंधन किया। 2018 में पाला बदलकर यूपीए के साथ गठबंधन कर लिया।2019 के चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने आरएलएसपी को भंग कर दिया और 2021 में इसे जदयू में वापस मिला दिया। 2023 में उन्होंने फिर से अलग होकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा नामक नई पार्टी बनाई। कुशवाहा के कई कदम महत्वाकांक्षा और वैचारिक अवसरवाद के मिश्रण को दर्शाते हैं, जो कुशवाहा वोट बैंक को मजबूत करने की इच्छा से प्रेरित हैं।जीतन राम मांझी- जो कभी जदयू के निष्ठावान सदस्य थे- 2014 में तब मुख्यमंत्री बने, जब आम चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद नीतीश ने पद छोड़ दिया था। लेकिन जब 2015 में नीतीश ने वापसी की कोशिश की तो मांझी ने इसका विरोध किया और अंततः हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेकुलर) बनाने के लिए अलग हो गए। शुरुआत में वे एनडीए में शामिल हुए और उसके समर्थन से 2015 का चुनाव लड़ा। बाद में वे 2022 में महागठबंधन में शामिल हो गए। 2023 में फिर से एनडीए में लौट आए। पप्पू यादव ने 2015 में निष्कासित होने से पहले राजद में करियर शुरू किया था। उन्होंने जन अधिकार पार्टी की शुरुआत की। 2024 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया, लेकिन टिकट न मिलने पर पार्टी छोड़ दी।पूर्णिया से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा। हाल के चुनावों में वे औपचारिक रूप से किसी प्रमुख गठबंधन का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन अलग-अलग समय पर यूपीए और एनडीए दोनों का समर्थन किया है।बिहार में नेताओं के बदलते गठबंधन उस राज्य में गठबंधन-राजनीति की तरल और गतिशील प्रकृति को दर्शाते हैं। नीतीश कुमार, उपेंद्र कुशवाह, जीतन राम मांझी और पप्पू यादव जैसे नेताओं ने लगातार अपनी रणनीतियां बदली हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

भोजन और नींद जैसी ही गम्भीरता श्रवण में भी रखें

संगीत सुनना भी एक प्रशिक्षण है, जो हमें शरीर से आगे बढ़कर आत्मा से जोड़ने के काम आता है। हमारे ऋषि-मुनियों ने नवधा भक्ति में श्रवण को भी एक भक्ति बताया है। क्योंकि वो जानते हैं सुनने से बहुत कुछ बदल सकता है। अब सवाल यह कि क्या सुना जाए और कैसे सुना जाए। भजन, गीत, गजल, केवल इन्स्ट्रूमेंटल भी सुना जा सकता है। भोजन, नींद जैसी ही गम्भीरता श्रवण को लेकर की जाए। यदि आप ऊटपटांग सुन रहे हैं तो मानकर चलिए इसका असर सेहत पर पड़ेगा। सुनने की भी समय-सीमा रखिए। लगातार किसी बात को सुनना अच्छे लक्षण नहीं हैं। थोड़ी-थोड़ी देर रुककर खुद से पूछें कि जो सुन रहे हैं, कैसा लग रहा है।

परमात्मा सबके साथ है, पर हम उसके साथ कितने हैं?

परमात्मा सबके भीतर विराजित है। फर्क यह है कि परमात्मा तो सबके साथ है, लेकिन हम परमात्मा के साथ कितने हैं? जो अच्छे होते हैं, वे परमात्मा के साथ होते हैं। और जो बुरे होते हैं, परमात्मा तो उनके साथ होता है, पर वो परमात्मा के साथ नहीं होते।परमात्मा का एहसास करने के लिए जो सरल तरीका अच्छे लोग अपनाते हैं, वो है अपनी आत्मा तक जाना। परमात्मा से जुड़ने और आत्मा तक जाने के जो भी तरीके हैं, उनमें से एक है- ईश्वर की कथा सुनते रहिए। आपके श्रवण का जो भी ढंग हो, पर चौबीस घंटे में कुछ ना कुछ भगवान का नाम सुनिए, कथा सुनिए।तुलसीदास जी ने लिखा है- ते जड़ जीव निजात्मक घाती। जिन्हहि न रघुपति कथा सोहाती।।

बिगड़े बोल दुनिया में हमारे नैरेटिव को बिगाड़ देते हैं

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए नरसंहार की गहरी साम्प्रदायिक प्रकृति भारत के प्रति पाकिस्तान के छद्म युद्ध में एक नए चरण का संकेत देने वाली थी। अतीत में पाकिस्तान की शह पर होने वाले आतंकवादी हमलों में सुरक्षा बलों और सैन्य शिविरों को निशाना बनाया जाता था, लेकिन इस बार आतंकवादियों ने नागरिकों को निशाना बनाया। उनमें भी पर्यटकों को, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था के बदलते चेहरे का प्रतिनिधित्व करते हैं, और उन्हें भी धर्म के आधार पर। पाकिस्तान की रणनीति में बदलाव का पहला संकेत तो खुद सेना प्रमुख असीम मुनीर के हवाले से मिल गया था, जब उन्होंने पहलगाम नरसंहार से पहले और बाद में दो-राष्ट्र सिद्धांत को सामने रखते हुए कहा कि हिंदू और मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते, क्योंकि वे जीवन के हर पहलू में अलग हैं। पहलगाम हत्याकांड को जैसा सांप्रदायिक ट्विस्ट मिला है, उसे भी मुनीर की टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। हाल के सालों में पाकिस्तान के किसी भी सेना प्रमुख ने कश्मीर पर पाकिस्तान के दावों को सही ठहराने के लिए दो-राष्ट्र सिद्धांत का सहारा नहीं लिया है। मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के लिए नई रेड लाइंस खींची हैं। यह देखना बाकी है कि यह 'न्यू नॉर्मल' भविष्य के आतंकवादी हमलों के खिलाफ कारगर होता है या नहीं। अतीत के अनुभव तो यही बताते हैं कि पाकिस्तान हर बार नए जोश के साथ जवाबी हमले करता है।चिंता की बात यह है कि मुनीर की मानसिकता हमारे लिए नई चुनौतियां पेश करती है। समय ही बताएगा कि उनकी योजनाएं क्या हैं लेकिन यह भी हो सकता है कि वे अपनी घरेलू विफलताओं को छुपाने के लिए इस छद्म युद्ध के दायरे को बढ़ा रहे हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान की ओर से भविष्य में होने वाले किसी भी प्रकार के हमले के जवाब में कड़ी सैन्य प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। लेकिन साथ ही हमें धारणाओं की लड़ाई भी लड़नी है। नैरेटिव मजबूत बनाए रखने के लिए हमारे लिए देश में सांप्रदायिक तनाव को कम करना और सामाजिक संतुलन बनाए रखना अनिवार्य है। किसी को भी- खासकर मुनीर को- हमारे सामने दो-राष्ट्र सिद्धांत का दिखावा करने का मौका नहीं मिलना चाहिए। पहलगाम में आतंकवाद के प्रति सरकार की प्रतिक्रिया स्पष्ट और तीखी थी। उसने ऑपरेशन सिंदूर की मीडिया ब्रीफिंग का नेतृत्व करने के लिए विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ दो भिन्न समुदायों की महिला सैन्य अधिकारियों को उतारकर हमारे बहुलतावाद को प्रदर्शित किया। यह भारत की ओर से एक शक्तिशाली स्टैंड था। केंद्र सरकार ने बहुलता के संदेश को उन सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से भी आगे बढ़ाया, जिन्हें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का पक्ष रखने के लिए विदेश भेजा गया है। प्रतिनिधिमंडल में एक मुस्लिम नेता और एक सिख चेहरा है। ईसाई समुदाय और पूर्वोत्तर के प्रतिनिधि भी हैं। दुर्भाग्य से, भाजपा का ही एक वर्ग सरकार के संदेश के महत्व को पूरी तरह से समझ नहीं पाया है। सुर्खियां बटोरने के सस्ते हथकंडे अपनाकर उसने अपनी ही सरकार को लज्जित किया है। मध्य प्रदेश में भाजपा के राज्यमंत्री विजय शाह ने कर्नल कुरैशी पर सांप्रदायिक बयानबाजी करते हुए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। इसके कुछ दिन बाद हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने जमीनी हकीकत की मांग करने वाले एक साधारण सोशल मीडिया पोस्ट के लिए अशोका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया। सरकार ने 17 मई को अंतरराष्ट्रीय आउटरीच के लिए प्रतिनिधियों की पूरी सूची की घोषणा की, अगले ही दिन हरियाणा पुलिस ने महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया। इस तरह की घटनाएं दुनिया में हमारे नैरेटिव को बिगाड़ देती हैं। यह एक मुश्किल समय है और संतुलित प्रतिक्रिया की मांग करता है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष अब युद्ध के मैदान से निकलकर परस्पर-नैरे?टिव, कुशल कूटनीति और जनसंपर्क अभ्यासों के सूक्ष्म क्षेत्र में चला गया है। ऐसे में विजय शाह और रेणु भाटिया जैसे लोग हमारे साथ न्याय नहीं करते। हमें नाप-तौलकर बोलने और भारत का पक्ष बेहतर तरीके से दुनिया के सामने रखने वाले लोगों की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मुख्यमंत्रियों की एक बैठक में एनडीए सांसदों को चेतावनी दी कि वे इस समय अनावश्यक और भड़काऊ बयान न दें। उम्मीद करें कि यह संदेश जवाबदेहों तक पहुंचेगा। भारत-पाकिस्तान संघर्ष अब युद्ध के मैदान से निकलकर परस्पर-नैरेटिव, कुशल कूटनीति और जनसंपर्क अभ्यासों के सूक्ष्म क्षेत्र में चला गया है। हमें भारत का पक्ष बेहतर तरीके से दुनिया के सामने रखने वाले लोगों की जरूरत है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

लेड से लेकर मरकरी तक, सिंदूर में मिले होते हैं खतरनाक केमिकल, चीन है सबसे बड़ा खिलाड़ी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में सिंदूर की चर्चा काफी शुरू हो गई है। हिंदू धर्म में शादीशुदा महिलाओं की मांग की शोभा बढ़ाने वाले सिंदूर की भारत में जबरदस्त मांग रहती है। वहीं दुनिया के दूसरे ऐसे देशों में जहां हिंदू महिलाओं की संख्या ज्यादा होती है, वहां भी इसकी अच्छी-खासी डिमांड रहती है। दरअसल, इस सिंदूर में कई खतरनाक केमिकल मिले होते हैं। अगर कोई इसे गलती से खा ले, तो उसकी मौत हो सकती है। चीन का प्रोडक्शन भारत, चीन और दूसरे कई देशों में होता है। भारत दुनिया के कई देशों से सिंदूर का आयात भी करता है। इसमें चीन प्रमुख खिलाड़ी है।मार्केट में मिलने वाले सिंदूर में कई तरह के खतरनाक केमिकल मिले होते हैं। इनमें मरक्यूरिक सल्फाइड, लेड ऑक्साइड, सिंथेटिक डाई आदि शामिल होते हैं। ये सभी केमिकल काफी खतरनाक होते हैं। अगर कोई शख्स सिंदूर की थोड़ी मात्रा भी खा ले, तो उसकी मौत हो सकती है। वहीं इसके लगातार इस्तेमाल से स्किन को भी समस्या हो सकती है। सिंदूर में मिलाया जाने वाला यह प्रमुख केमिकल है। इसे सिनाबार भी कहते हैं। यह चमकीले लाल रंग का होता है। इसमें मरकरी या पारा मिला होता है। अगर यह

शरीर में चला जाए तो इससे फेफड़े, गुर्दे आदि को नुकसान हो सकता है। वहीं यह नर्वस सिस्टम को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इसके लिए इसके सेवन ने खून की कमी भी हो सकती है। यह पीले या लाल-भूरे रंग का होता है। इसका ज्यादातर इस्तेमाल बैटरी, सिरेमिक और पेंट बनाने में होता है। सस्ते और नकली सिंदूर में इसका इस्तेमाल बहुत होता है। इसमें लेड यानी सीसा मिला होता है जो काफी जहरीला होता है। अगर कोई शख्स इसे खा ले तो यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है। यही नहीं, इससे गुर्दे भी खराब हो सकते हैं। सिंदूर में कई अन्य केमिकल और केमिकल मिले होते हैं। इनमें सिंथेटिक डाई से लेकर सिंथेटिक पिगमेंट तक शामिल होते हैं। इनका इस्तेमाल सिंदूर के रंग और टेक्सचर को बेहतर बनाने में होता है। इनके इस्तेमाल से एलर्जी और खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं।मार्केट में इस समय हर्बल सिंदूर भी काफी हैं। इन्हें बनाने के लिए सिंदूर के खास पौधे और कुछ घरेलू चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, सिंदूर का पौधा भी होता है। भारत में काफी लोग इसकी खेती करते हैं। इस पौधे पर लगने वाले फूल और फल से सिंदूर तैयार किया जाता है।सिंदूर का इतिहास काफी पुराना है। सिंदूर का जिक्र 8000-7000 ईसा पूर्व से मिलता है। प्राचीन समय में इसका इस्तेमाल रोम और दूसरे देशों में कला और सजावट में किया जाता था। मध्य युग में इसका इस्तेमाल पांडुलिपियों में, पेंटिंग्स में और चीन की कला में किया जाने लगा। एक खास लाल रंग देने के लिए सिंदूर का इस्तेमाल किया जाता था।5000-4000 ईसा पूर्व में चीन में इसका इस्तेमाल बर्तनों को रंगने, कमरों की दीवारों और फर्श का लाल रंग देने आदि में किया जाता था। अमेरिका समेत दूसरे देशों में भी इसका पुराना जिक्र मिलता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार महाभारत में भी सिंदूर का जिक्र मिलता है।भारत में वैसे तो काफी मात्रा में सिंदूर बनता है, लेकिन फिर भी कई देशों से सिंदूर का आयात किया जाता है। इनमें चीन, यूएई और दूसरे खाड़ी देश शामिल हैं। इनमें चीन प्रमुख है। भारत चीन से सबसे ज्यादा सिंदूर आयात करता है।कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने साल अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के बीच सिंदूर की 20 शिपमेंट आयात की थीं। ये शिपमेंट दुनिया के 9 देशों से आई थीं। इस दौरान सबसे ज्यादा सिंदूर चीन, ताइवान और यूएई से खरीदा गया। कुल आयात हुए सिंदूर में सबसे ज्यादा मात्रा चीन से आने वाले सिंदूर की रही।

भारतीय छात्रों के लिए दरवाजे बंद कर रहा कनाडा? स्टडी परमिट जारी करने में हुई 31फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। क्या भारतीय छात्रों के लिए कनाडा अपने दरवाजे बंद कर रहा है? इन दिनों हर कोई ये सवाल पूछ रहा है। इसकी वजह ये है कि भारतीयों को मिलने वाले स्टडी परमिट की संख्या में गिरावट देखने को मिली है। ये गिरावट दो-चार फीसदी नहीं हुई है, बल्कि इससे काफी ज्यादा है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि 2024 की पहली तिमाही के मुकाबले 2025 में स्टडी परमिट मिलने संख्या लगभग एक तिहाई गिर गई है। ये दिखाता है कि कनाडा कैसे छात्रों की संख्या कम कर रहा है।इमिग्रेशन, रिफ्यूजीस एंड सिटिजनशिप कनाडा के नए आंकड़ों के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में भारत के छात्रों को 30,640 परमिट जारी किए गए। जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 44,295 थी। यह लगभग 31प्रतिशत की गिरावट है। कुल मिलाकर भी आंकड़ों में गिरावट आई है। 2024 की पहली तिमाही में 1,21,070 परमिट जारी हुए थे, जबकि 2025 में यह संख्या 96,015 हो गई है।क्या आपको लगता है कि कनाडा में आवास की समस्या को हल करने के लिए छात्रों की संख्या में कमी जरूरी है?कनाडा सरकार ने 2023 की आखिरी तिमाही में विदेशी छात्रों की संख्या को कम करने के लिए कदम उठाए थे। यह गिरावट उसी का नतीजा है। 2023 में कनाडा ने कुल 6,81,155 स्टडी परमिट जारी किए थे। इनमें से 2,78,045 भारतीय छात्रों को मिले थे। पिछले साल यह संख्या घटकर 5,16,275 हो गई और भारतीय छात्रों की संख्या 1,88,465 रह गई।कनाडा सरकार ने कुछ नीतियां बदली हैं। इसकी वजह ये है कि रिकॉर्ड संख्या में लोगों के आने से आवास की समस्या बढ़ गई है। स्वास्थ्य और परिवहन सेवाओं पर भी दबाव बढ़ गया है। 28 अप्रैल को हुए चुनाव के बाद, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनकी सरकार का रुख नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा कि अस्थायी निवासी, जिनमें छात्र और विदेशी वर्कर्स शामिल हैं, 2027 तक देश की आबादी का पांच प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।आईआरसीसी ने 18 सितंबर, 2024 को बताया कि 2025 के लिए स्टडी परमिट जारी करने की सीमा 4,37,000 होगी। इस साल ये टारगेट 4,85,000 था। 2025 की ये स्थिर संख्या 2026 के लिए भी लागू रहेगी। इसका मतलब है कि कनाडा सरकार अगले दो सालों तक लगभग इतने ही परमिट जारी करेगी।

पाकिस्तान से सटे 4 राज्यों में कल मॉक ड्रिल,राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर शामिल

नई दिल्ली। पाकिस्तान से सटे राज्यों में कल यानी गुरुवार की शाम मॉक ड्रिल होगी। इनमें जम्मू-कश्मीर, गुजरात, हरियाणा और राजस्थान शामिल हैं। वहीं, पंजाब में 3 जून को ड्रिल होगी। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।इससे पहले 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी गई। यह इसलिए किया गया ताकि युद्ध की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में हुई थी। तब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। यह मॉक ड्रिल युद्ध के दौरान हुई थी। दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है।

पाकिस्तान की 2 शाहीन मिसाइलें, एफ-16 समेत 8 फाइटर जेट तबाह...फिर मुनीर को क्यों दी तरक्की, भारत से डर है वजह?

नई दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के

वायुसेना को काफी नुकसान हुआ है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि पाकिस्तान की शाहीन मिसाइलें, तुर्की से मंगाए गए ताकतवर ड्रोन, एफ-16 समेत 8 फाइटर जेट और अवॉक्स नष्ट हो गए हैं। पाकिस्तान को आर्थिक रूप से काफी नुकसान हुआ है। इसके बाद भी पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर को तरक्की देकर फील्ड मार्शल बना दिया गया है। माना जा रहा है कि भारत से मिली करारी हार और बड़े नुकसान के बाद जानबूझकर उनके कद को ऊंचा किया गया है, ताकि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को बरगलाया जा सके। पाकिस्तान ने भी भारत के कई जेट को नुकसान पहुंचाने के दावे किए हैं, मगर वो कोई सबूत नहीं दे पाया। जानते हैं पाकिस्तानी वायुसेना को कितना नुकसान हुआ है और यह समझते हैं कि इतने नुकसान के बाद भी मुनीर को फील्ड मार्शल क्यों बनाया गया? थिंक टैंक व्रक डॉयलॉग्स फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की वजह से पाकिस्तान की वायुसेना को बड़ा सामरिक और आर्थिक नुकसान हुआ है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीकानेर में एक सभा में कहा था कि भारत की मार खाकर पाकिस्तान का रहीम यार खान एयरबेस आईसीयू में है और पता नहीं आगे कब खुलेगा।दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही पाकिस्तान के सेना प्रमुख वहां के विपक्षी दलों के निशाने पर हैं। इमरान खान समेत कई नेता उनकी इस तरक्की का मजाक उड़ा रहे हैं। वैसे असीम मुनीर को यह पता है कि भारतीय सेना ने उनके कई ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है, मगर वह अपनी ताकत जानबूझकर बढ़ा रहे हैं ताकि ऑरपेशन सिंदूर के दैरान पाकिस्तान की हार को लेकर उनके खिलाफ कोर्ट मार्शल न हो सके। पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो सैन्य तानाशाह की लंबी लिस्ट है। इससे पहले वह अपना कार्यकाल बढ़वा चुके हैं। ऑपरेशन सिंदूर से पहले ही पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मुनीर की ताकत और बढ़ा दी थी। उन्हें डर है कि कहीं उनका भी हाल परवेज मुशर्रफ जैसा न हो जाए।रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी वायुसेना को करीब 4,500 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। यह पाकिस्तानी वायुसेना के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। आईएमएफ से कर्जे लेने वाला पाकिस्तान की हालत अब और खराब होगी, क्योंकि वह पूरी तरह से कर्ज के दलदल में धंस चुका है। पाकिस्तान पर कुल सार्वजनिक कर्ज 256 बिलियन डॉलर है, जो लगभग 21.6 लाख करोड़ रुपये है। इसमें चीन, सऊदी अरब और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से लिया गया लोन भी है।रिपोर्ट के अनुसार, एफ-16 ब्लॉक 52 फाइटर जेट के 4 जंगी जेट भी नष्ट हुए थे। इससे कुल करीब 350 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। वहीं, पाक वायुसेना के 1 साब 2000 एरीये एईडब्लूएंडसी भी नष्ट हुआ है, जिसकी कीमत 35 मिलियन डॉलर बताई जा रही है।भारत के हमले में पाकिस्तान को एक बड़ा नुकसान यह हुआ कि उसकी बेहद ताकतवर मानी जाने वाली शाहीन क्लास की 2 मिसाइलें भी तबाह हो गईं। इससे पाकिस्तान को 8 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, आईएल-78 रिफ्यूलिंग टैंकर भी नष्ट हुआ है, जिसकी कीमत 35 मिलियन डॉलर बताई जा रही है। वहीं, सीएम-400एकेजी मिसाइल भी तबाह हुआ है, जिसकी कीमत 3.2 मिलियन डॉलर बताई जा रही है।रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि तुर्की के 6 बायराक्तर टीबी2यूसीएवी ताकतवर ड्रोन भी भारत के हमलों में तबाह हो गए हैं। इस एक ड्रोन की कीमत 6 मिलियन ड्रोन है। ऐसे में 6 ड्रोन की कीमत 36 मिलियन डॉलर है। इसके अलावा, गोलीबारी में पाकिस्तानी वायुसेना के 4 लड़ाकू विमान भी तबाह हो गए।भारतीय सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली द्वारा पाकिस्तान वायुसेना के 2 एफ-16 सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने के बाद, पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। इससे पाकिस्तान का सरगोधा एयरबेस क्षतिग्रस्त हो गया और मरम्मत कार्य के लिए कम से कम 100 मिलियन डॉलर की आवश्यकता है। एफ-16 पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस से उड़ा था, जो पाकिस्तानी वायु सेना का एक प्रमुख एयर फोर्स स्टेशन है।रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान पर चौतरफा हमले के बाद पाकिस्तान को कुल करीब 29 हजार करोड़ रुपए (3.4 बिलियन डॉलर) को नुकसान हुआ है। पाकिस्तान को यह आर्थिक नुकसान तब हुआ है जब पाकिस्तान पहले ही गंभीर आर्थिक संकट, कर्ज और आइएमएफ की शर्तों से जूझ रहा है। एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम किसी भी देश की वायु सुरक्षा में रीढ़ की हड्डी के समान होता है। यह विमान 400 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी तक दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रख सकता है। पाकिस्तान के पास 9 ऐसे सिस्टम हैं, जिनमें स्वीडन से लिया गया साब-2000 चीन वाला सिस्टम पहले ही रिटायर हो चुका है, इसलिए आशंका है कि इस कार्रवाई में गिराया गया विमान ऐं-2000 गेंब ही था। इस विमान की कीमत 100-150 मिलियन डॉलर (830-1245 करोड़ करोड़ रुपए) के बीच होती है। लेकिन जब इसमें रडार सिस्टम, कंट्रोल यूनिट, लॉजिस्टिक और ट्रेनिंग शामिल कर दी जाएं, तो यह लागत 200 मिलियन डॉलर तक पहुंच जाती है।

टेरर फंडिंग पर पाकिस्तान की आर्थिक कमर तोड़ने की तैयारी, वर्ल्ड बैंक और एफएटीएफ से संपर्क कर सकता है भारत

नई दिल्ली। भारत, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ने की तैयारी में है। वह वर्ल्ड बैंक और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स जैसे संगठनों का दरवाजा खटखटाने की कोशिश करेगा। भारत चाहता है कि पाकिस्तान को मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मदद पर रोक लगे, ताकि वह इसका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए न कर पाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत वर्ल्ड बैंक से जून में पाकिस्तान को मिलने वाले 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर के पैकेज पर फिर से विचार करने को कहेगा। इसके साथ ही भारत फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स से पाकिस्तान को फिर से 'ग्रे लिस्ट' में डालने के लिए भी कहेगा। एफएटीएफ से पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' में रखने का मतलब होगा,उसके वित्तीय लेनदेन पर कड़ी नजर रखी जा सकेगी। वहां विदेशी निवेश और पूंजी आने में दिक्कत हो सकती है। पाकिस्तान को जून 2018 में एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में डाला गया था। लेकिन, अक्टूबर 2022 में उसे इस लिस्ट से हटा दिया गया। पाकिस्तान सरकार ने दावा किया था कि उसने आतंकी फंडिंग पर रोक लगाने के लिए

कदम उठाए हैं। उसने आतंकियों को जेल में डाला और उनकी संपत्तियां जब्त की। लेकिन, पहलगाम आतंकी हमला गवाह है कि पाकिस्तान की कथनी और करनी में कोई मेल नहीं है।दरअसल, भारत के विरोध के बावजूद जिस तरह से आइएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) ने पाकिस्तान को 9 मई को 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बेलआउट पैकेज दे दिया और उसे जायज भी ठहरा रहा है, उससे भारत में गहरी निराशा हुई है। यह बेलआउट पैकेज ऐसे समय में दिया गया, जब पाकिस्तान के हाथ पहलगाम के बेगुनाह 26 लोगों के खून से रंगे हुए हैं। यही वजह है कि भारत अब पाकिस्तान की आर्थिक हालत खराब करने के लिए बाकी विकल्पों पर विचार कर रहा है। वह चाहता है कि पाकिस्तान को आसानी से लोन और बेलआउट पैकेज मिलने पर रोक लगे।वर्ल्ड बैंक पाकिस्तान को कई तरह के प्रोजेक्ट के लिए लोन देता है। अगर वर्ल्ड बैंक पाकिस्तान को लोन देना बंद कर देता है, तो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगेगा। इसी तरह, एफएटीएफ एक ऐसी संस्था है, जो आतंकी फंडिंग पर नजर रखती है। अगर एफएटीएफ पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' में डाल देता है, तो पाकिस्तान के लिए विदेशी निवेश हासिल करना मुश्किल हो जाएगा। पहलगाम आतंकी हमला इसके लिए बहुत बड़ा साक्ष्य है। भारत का मानना है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है, इसलिए उसे आर्थिक मदद नहीं मिलनी चाहिए। भारत चाहता है कि पाकिस्तान आतंकवाद पर लगाम लगाए, तभी उसे आर्थिक मदद मिले। पाकिस्तान का कहना है कि उसने आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं। लेकिन, भारत का मानना है कि पाकिस्तान के दावे झूठे हैं।

भारत शांति चाहता है, पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता,वह उस जमीन को पाना चाहता है जो उसकी है ही नहीं- थरूर

नई दिल्ली। पनामा के दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि भारत अकेले शांति से जीना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता। उन्होंने साफ किया कि भारत युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन आतंकवादियों को सजा दिए बिना नहीं छोड़ा जा सकता। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक थरूर ने कहा कि पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ आतंकी हमलों को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर इसलिए शुरू किया क्योंकि पाकिस्तान ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी।थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पनामा की यात्रा पर पहुंचा है। इसमें भाजपा, कांग्रेस और दूसरे दलों के सांसद भी हैं। इस यात्रा का मकसद दुनिया को भारत की आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और सख्त रवैये का संदेश देना है। इस मुलाकात के बाद पनामा ने भारत के समर्थन का ऐलान किया है। पनामा की असेंबली की अध्यक्ष डाना कास्टानेडा ने कहा है कि पनामा शांति के इस अभियान में भारत के साथ खड़ा होना चाहता है, और हमें उम्मीद है कि हम आतंकवाद को हरा सकते हैं। कास्टानेडा के साथ बैठक में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम सभी अलग-अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि और भारत के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं लेकिन हम राष्ट्रीय उद्देश्य में एकजुट हैं।थरूर ने कहा कि भारत को 1989 से लगातार आतंकी हमलों का सामना करना पड़ा है और यह स्थिति अब और बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे अपराधियों की पहचान करें और उन पर कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी बताया कि इस ऑपरेशन में भारत ने पाकिस्तान के भीतर मौजूद नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। यह केवल नियंत्रण रेखा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय सीमा को भी पार किया। थरूर ने कहा कि इससे पहले भारत ने 2016 में उरी हमले के बाद और 2019 में पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया था, लेकिन इस बार हमला और भी ज्यादा भीतर तक किया गया। थरूर ने आतंकियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि अब हर हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी और भारत इस दिशा में किसी तरह की नरमी नहीं दिखाएगा।थरूर की टीम ने पनामा से पहले गुयाना का दौरा किया था, जहां उन्होंने 26 मई को गुयाना के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया और वहां के प्रधानमंत्री और मंत्रियों के साथ आतंकवाद जैसे मुद्दों पर चर्चा की। थरूर ने गुयाना से भी पाकिस्तान को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि भारत का इरादा सिर्फ जवाबी कार्रवाई करना था। भारत, पाकिस्तान के साथ लम्बी लड़ाई नहीं चाहता था, लेकिन अगर पाकिस्तान दोबारा हमला करने की हिमाकत करता है तो फिर हमारा जवाब पहले से भी ज्यादा आक्रामक होगा।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की भारत को धमकी, कहा-तुम हमारा पानी बंद करोगे, हम तुम्हारी सांस बंद कर देंगे

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने भारत को धमकी भरा बयान दिया है। शरीफ ने एक बयान में कहा, अगर तुम (भारत) हमारा पानी बंद करोगे, तो हम तुम्हारी सांसें बंद कर देंगे। प्रवक्ता चौधरी ने यह बयान पाकिस्तान के एक विश्वविद्यालय में भाषण के दौरान की। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया है। हालांकि, यह

वीडियो किस कार्यक्रम और जगह का है, इसकी फिलहाल जानकारी नहीं है। दरअसल भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ जल संधि स्थगित कर दी है और पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोक दिया है।चौधरी ने कहा भारत सोचता है कि वह पाकिस्तान का पानी रोक देगा। यह एक पागलपन से भरी सोच है। 24 करोड़ लोगों का पानी रोकना संभव ही नहीं है। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान में 6 नदियां कश्मीर से निकलती हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के तहत कश्मीर एक विवादित इलाका है। अगर कश्मीर के लोग पाकिस्तान में शामिल होने का फैसला करते हैं तो ये सभी नदियां पाकिस्तान की होंगी। भारत के पास इनमें से किसी नदी का अधिकार नहीं रह जाएगा।पाकिस्तान के विदेश मंत्री और डिप्टी पीएम इशाक डार गुरुवार को दावा किया कि चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए नहीं होगा। डार ने कहा हाल में उनकी बीजिंग यात्रा के दौरान तीनों देशों की विदेश मंत्री की बैठक में यह फैसला लिया गया। इस्लामाबाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने पड़ोसी अफगानिस्तान के साथ डिप्लोमेटिक संबंध बढ़ाने पर जोर देगा।डार ने कहा कि हम आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी सरकार का स्पष्ट रुख है कि हम आतंकवाद से उसी तरह निपटेंगे जैसे हमने 2013 और 2018 में किया था।पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने गुरुवार को आर्मी चीफ आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल का बैटन सौंपा। मुनीर का यह प्रमोशन भारत के खिलाफ ऑपरेशन बुनयान-उम-मार्सूस के दौरान आर्मी को लीड करने की वजह से किया गया। पाकिस्तान में आसिम मुनीर से पहले 1959 में सैन्य तानाशाह अयूब खान ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित कर दिया था। फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च सैन्य रैंक है, जो एक फाइव स्टार रैंक मानी जाती है। यह रैंक जनरल (फोर स्टार) से ऊपर है। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल का पद सेना, नौसेना और वायुसेना में सबसे ऊंचा होता है।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को कहा कि उनकी देश की सेना ने इस विचार को गलत साबित कर दिया कि पारंपरिक युद्ध में भारत पाकिस्तान से बेहतर है। शरीफ गुरुवार को भारत पाकिस्तान संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा चेक देने मुजफ्फराबाद पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों से लैस पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध छिड़ गया था, जो खतरनाक मोड़ ले सकता था। इसका रिजल्ट खतरनाक हो सकता था।पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को दावा किया कि पाकिस्तान में एक्टिव दो बड़े उग्रवादी गुट भारत के इशारे पर काम कर रहे हैं। जियो न्यूज के एक प्रोग्राम में उन्होंने कहा कि बलूच आर्मी और तालिबान पाकिस्तान भारत प्रॉक्सी संगठन हैं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को एक स्कूल बस पर हुए हमले में तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। इसे लेकर ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि वो इस मामले में भारत के शामिल होने के सबूत पेश करेंगे। हमले के बाद पीएम शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर खुद क्वेटा पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि इस हमले के जिम्मेदार लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। शरीफ ने इस हमले के पीछे 'फितना अल हिंदुस्तान' को जिम्मेदार बताया था। भारत ने पीएम शहबाज के आरोप का खंडन किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान के आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद है। आतंकवाद से ध्यान भटकाने की ये पाकिस्तान की एक और रणनीति है। पाकिस्तान की यह आदत बन चुकी है कि वह अपनी आतंकवाद समर्थक छवि और आंतरिक विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए हर बार भारत पर आरोप मढ़ता है।

स्टारशिप ने लॉन्चिंग के 30 मिनट बाद खोया कंट्रोल,दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट नहीं कर पाया 9वें टेस्ट को पास

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 9वां टेस्ट कामयाब नहीं हो पाया। लॉन्चिंग के करीब 30 मिनट बाद स्टारशिप ने कंट्रोल खो दिया, जिस कारण पृथ्वी के वातावरण में एंटर करने पर ये नष्ट हो गया। ये लगातार तीसरी बार है जब स्टारशिप आसमान में ही नष्ट हुआ है। हालांकि, बूस्टर ने अमेरिका की खाड़ी में हार्ड लैंडिंग की। लैंडिंग बर्न के दौरान एक सेंटर इंजन को जानबूझकर बंद किया गया, ताकि बैकअप इंजन की क्षमता का परीक्षण किया जा सके। इस टेस्ट में पहली बार 7वें टेस्ट में इस्तेमाल किए गए बूस्टर का दोबारा उपयोग किया गया है। स्टारशिप को भारतीय समय के अनुसार आज यानी, 28 मई को सुबह करीब 5 बजे टैक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया था। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इस रॉकेट को बनाया है। इस व्हीकल की ऊंचाई 403 फीट है। ये पूरी तरह से रीयूजेबल है। इस टेस्ट के बाद इलॉन मस्क ने कहा- स्टारशिप निर्धारित शिप इंजन कटऑफ तक पहुंच गया, इसलिए पिछली उड़ान की तुलना में बहुत सुधार हुआ है।रिसाव के कारण कोस्ट और री-एंट्री फेज के दौरान मेन टैंक प्रेशर में कमी आई। अब अगले तीन लॉन्च काफी तेजी से होंगे। लगभग हर 3 से 4 हफ्ते में लॉन्च होगा। स्टारशिप के ऊपरी हिस्से की हिंद महासागर में कंट्रोल्ड वॉटर-लैंडिंग कराई जानी थी जो नहीं हो सकी। इसके अलावा पेलोड डिप्लॉयमेंट और अंतरिक्ष में रहते हुए एक रैप्टर इंजन चालू करने जैसे एक्सपेरिमेंट भी नहीं हो सके। बूस्टर के लैंडिंग बर्न के दौरान एक खास इंजन कॉन्फिगरेशन का प्रदर्शन किया गया। लैंडिंग के अंतिम चरण में तीन सेंटर इंजनों में से एक को जानबूझकर बंद किया गया ताकि यह जांचा जा सके कि मिडिल रिंग का बैकअप इंजन लैंडिंग को पूरा कर सकता है या नहीं।बूस्टर ने केवल दो सेंटर इंजनों पर स्विच किया। लैंडिंग बर्न के अंत में, जब ये गल्फ ऑफ अमेरिका के ऊपर था, तो इंजन बंद कर दिए गए। इसके बाद बूस्टर ने पानी में हार्ड लैंडिंग की।स्पेसएक्स आमतौर पर टेस्ट फ्लाइट्स को रिसर्च की सफल उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करता है। कंपनी ने एक ट्वीट में कहा, ऐसे टेस्ट में सफलता इस बात से आती है कि हम क्या सीखते हैं, और आज का टेस्ट स्टारशिप की विश्वसनीयता को बेहतर बनाने में मदद करेगा। लेकिन स्टारशिप कई प्रमुख टेस्टिंग माइलस्टोन्स तक पहुंचने में विफल रहा, जैसे कि मॉक सैटेलाइट्स को तैनात करने की कोशिश और अंतरिक्ष में अपने इंजन को दोबारा चालू करना।ज्यादातर खर्च स्पेसएक्स खुद ही उठाता है। हालांकि, नासा ने स्पेसएक्स के साथ 4 बिलियन डॉलर का कॉन्ट्रैक्ट भी किया है। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत इंसानों को चंद्रमा पर भेजने के लिए स्टारशिप का इस्तेमाल होगा। नासा यह राशि कंपनी को विभिन्न माइलस्टोन्स हासिल करने पर चरणबद्ध तरीके से देती है।

किसानों को मिलेगी अब फसलों की ज्यादा कीमत,धान समेत 14 फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी, किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने आज यानी 28 मई को यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है।कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है। इसकी एक दूसरी किस्म की नई एमएसपी 8,110 रुपए कर दी गई है, जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। नई एमएसपी से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50प्रतिशत ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है।मिनिमम सर्पोट प्राइस यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य वो गारंटीड मूल्य है जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हो। इसके पीछे तर्क यह है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर किसानों पर न पड़े। उन्हें न्यूनतम कीमत मिलती रहे।सरकार हर फसल सीजन से पहले सीएसीपी यानी कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइजेज की सिफारिश पर एमएसपी तय करती है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

दिलीप जोशी 57पे, प्रोड्यूसर की कॉलर पकड़ी, 'तारक मेहता' छोड़ने की दी धमकी, एक्टर पर फेंकी गई कुर्सी,हिट फिल्मों के बावजूद डेढ़ साल बेरोजगार

मुंबई। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जेठालाल का किरदार मिलने के बाद दिलीप जोशी की जिंदगी बदल गई। हालांकि उन्होंने बचपन में फिल्म या टीवी में एक्टर बनने के बारे में नहीं सोचा था। बचपन से ही उनका झुकाव रंगमंच की तरफ जरूर था। इसलिए वो रंगमंच से जुड़ गए। जहां एक नाटक में काम करने के सिर्फ 450 रुपए मिलते थे, लेकिन सिर्फ इतने पैसे से गुजारा करना संभव नहीं था। इसलिए दिलीप ने आजीविका चलाने के लिए पार्टनरशिप में ट्रैवल एजेंसी खोल ली। वहां वे सुबह 9 से रात 9 बजे तक काम करते थे, पर धीरे-धीरे उनका मन इस काम से ऊबने लगा था। दिलीप जोशी की शादी बहुत ही कम उम्र में हो गई थी। एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने अपनी शादी के बारे में बताया था। दिलीप ने कहा था- बालिका वधू टाइप हमारी शादी की कहानी है। मैं 18 साल का था और मेरी पत्नी जयमाला 14 साल की थीं, तब हमारी सगाई हो गई थी। जब मेरी पत्नी 18 साल की हुई, तब मैंने शादी कर ली। उस वक्त मैं 22 का हो गया था। ट्रैवल एजेंसी का जिक्र करते हुए दिलीप जोशी कहते हैं- 5 साल तक ट्रैवल एजेंसी चलाने के बाद मैंने तय कर लिया कि इस काम के लिए नहीं बना हूं, लेकिन इसे छोड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। दूसरा काम आता नहीं था और एक्टिंग लाइन बहुत इनसिक्योर थी। अगर

पत्नी ने एक्टिंग में करियर बनाने की हिम्मत नहीं दी होती तो आज एक्टर के रूप में सफल नहीं होता। दिलीप कहते हैं- एक्टिंग को लेकर मन में बहुत दुविधा थी। दिमाग में कई तरह के सवाल चल रहे थे। एक दिन मैंने पत्नी से कहा कि मैं एक्टिंग करना चाहता हूं, लेकिन वो लाइन बहुत इनसिक्योर है, काम मिल भी सकता है और नहीं भी।दिलीप जोशी ने राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के नौकर 'रामू' की छोटी सी भूमिका निभाई थी। इस फिल्म से उन्हें कुछ खास पहचान नहीं मिली।इसके बाद उन्हें राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म की फिल्म 'हम आपके हैं कौन हैं' में सलमान खान के साथ दूसरी बार काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में दिलीप ने भोला का किरदार निभाया था। इस किरदार को खूब पसंद किया गया। फिर भी लंबे समय तक दिलीप जोशी बेरोजगार रहे।एक इंटरव्यू के दौरान दिलीप जोशी ने कहा था- मेरी बेटी का जन्म 1992 में हुआ था। उस समय मेरे बैंक अकाउंट में 25 हजार रुपए थे। उसमें से करीब 13 हजार रुपए अस्पताल में खर्च हो गए। तब मेरे पास बस कुछ नाटक थे, लेकिन मुझे प्रति नाटक लगभग 450 रुपए मिलते थे। मुझे 'हम आपके हैं कौन' मिली और फिर मुझे लगा कि जिंदगी सेट हो गई है। वो फिल्म आई और सुपरहिट हो गई, लेकिन उसके बाद भी कोई काम नहीं मिला।'हम आपके हैं कौन' के बाद दिलीप ने 'वन टू का फोर', 'हमराज', 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी', जैसी कुछ फिल्मों में काम किया। वह कहते हैं- उसी दौरान मैं एक शो कर रहा था, वह अचानक बंद हो गया। उसके बाद लाइफ में ऐसा समय आया कि काम के लिए कोई फोन नहीं आ रहा था। मैंने सोचा कि दो बच्चे हैं, फैमिली है। खर्चे बढ़ रहे हैं और बच्चों की स्कूल की फीस भरनी है, क्या करूं अब? वह बहुत कठिन समय था।समझ में नहीं आ रहा था कि अब इस उम्र में कौन सी नई लाइन में जाऊं, क्योंकि मुझे एक्टिंग के अलावा कुछ आता भी नहीं था। कई बड़ी फिल्मों में काम करने के बावजूद दिलीप जोशी की जिंदगी मुश्किलों से भरी हुई थी। इन्हें कोई खास पहचान नहीं मिल रही थी और न ही बहुत ज्यादा काम मिल रहा था। पैसों की तंगी के चलते काफी परेशान थे और काम मांगने के लिए डायरेक्टर-प्रोड्यूसर्स के ऑफिसों के चक्कर लगाते रहते थे।दिलीप जोशी कहते हैं- उस वक्त मुझे काम की बहुत जरूरत थी, मैं डेढ़ साल से खाली बैठा था। एक्टिंग फील्ड में 24 साल के अनुभव के बाद भी मेरे पास कोई काम नहीं था।

मौसमी चटर्जी ने बताया रेखा से रायवलरी का किस्सा:एक्ट्रेस बोलीं-जब उन्होंने मेरा रोल लेने की कोशिश की तो पूरी टीम उन पर हंसने लगा

नई दिल्ली। मशहूर एक्ट्रेस मौसमी चटर्जी ने हाल ही में एक और बेहतरीन अभिनेत्री रेखा के साथ अपने रिश्ते पर बात की है। फिल्मफेयर से बातचीत में मौसमी ने कहा, 'कई बार वो मुझे देखती (अजीब सा चेहरा बनाना) थी और वो ऐसा एक-दो बार करती थी। मैंने उसे एक-दो बार देखा और मैंने बोला क्या? मैंने कहा कि मैं ये बर्दाश्त नहीं करने वाली और सीधे मैं उसके पास गई मैंने कहा कि तुमने ये कैसे किया बताओ, मुझे भी ये करना है। वो घबरा गईं। पता नहीं, उन्हें यह याद भी है या नहीं।'रेखा और मौसमी चटर्जी ने 'प्रेम बंधन', 'मांग भरो सजना' और 'दासी' जैसी कई फिल्मों में स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। मौसमी ने रेखा को लेकर ये भी बताया, 'रेखा को लगता था कि मैं विनोद मेहरा की जिंदगी कंट्रोल कर रही हूं क्योंकि वो उनके घर में बैठी होती थी और

उनकी (विनोद) मां मुझसे कहती थीं, 'इंदु, विनोद की अलमारी से लिफाफा निकाल देना।' तो जाहिर है, रेखा को यह सब पसंद नहीं आता था।' मौसमी ने आगे कहा, 'उसे लगता था कि विनोद मेरी बात ज्यादा सुनता है किसी और से ज्यादा।' बता दें कि विनोद मेहरा और रेखा के बीच बहुत करीबी रिश्ता था, ऐसी अफवाहें भी थीं कि उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। हालांकि, कभी भी सार्वजनिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की गई।मौसमी चटर्जी ने 'प्रेम बंधन' की शूटिंग का किस्सा भी बताया मौसमी ने प्रेम बंधन की शूटिंग का भी वाकया शेयर किया। मौसमी ने कहा, 'रामानंद सागर (फिल्म के डायरेक्टर) ने मुझसे कहा कि अपनी हील्स उतार दो, मैंने कहा क्यों, उन्होंने कहा, 'हाइट का थोड़ाष्ठ रेखा नंगे पैर है।' मैंने उनसे कहा, 'मैं पढ़ी-लिखी अमीर औरत हूं। मैं ऐसे पली-बढ़ी हूं। मैं जूते क्यों उतारू? आप मैनेज करो, आप रेखा को स्टूल दे दीजिए, वो उस पर खड़ी हो जाएगी।'दासी की शूटिंग के दौरान के अनुभव को याद करते हुए मौसमी ने बताया कि रेखा बार-बार साइड रोल्स में कास्ट किए जाने को लेकर साफ तौर पर परेशान थीं। मौसमी ने कहा, 'रेखा ने डायरेक्टर राज खोसला से कहा, 'मुझे दासी का रोल दे दो, मैं संजीव कुमार की पत्नी बनना चाहती हूं। मौसमी को दूसरा रोल दे दो।' सभी असिस्टेंट्स जैसे सागर आदि यह सुनकर हंसने लगे। उस वक्त राज खोसला थोड़ा नशे में थे, तो उन्होंने कहा, 'मुझे तो पूरी कहानी ही बदलनी पड़ेगी।'

नई दिल्ली। ससुराल सिमर का फेम एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ को सेकंड स्टेज का कैंसर हो गया है। एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। एक्ट्रेस की पोस्ट सामने आने के बाद से ही फैंस और करीबी फिक्रमंद हो गए हैं, हालांकि एक्ट्रेस ने ये भी तसल्ली दी है कि वो जल्द ही ठीक हो जाएंगी।दीपिका ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम से पोस्ट शेयर कर लिखा है, जैसा कि आप सब जानते हैं कि पिछले कुछ हफ्ते हमारे लिए मुश्किल रहे हैं। पेट के ऊपरी हिस्से के तेज दर्द के साथ हॉस्पिटल जाना, फिर पता चलना कि हमारे लिवर में टेनिस बॉल के साइज का ट्यूमर है और फिर पता चलना कि ये ट्यूमर सेकेंड स्टेज कैंसर है। ये हमारे लिए सबसे मुश्किल समय है जिसे हमने देखा और एक्सपीरियंस किया है। मैं पूरी हिम्मत के साथ इसका सामना करने और इससे निकलने के लिए पॉजिटिव और डिटरमाइन हूं। इंशाल्लाह। मेरा परिवार भी इसमें मेरे साथ है और आप सब भी लगातार प्यार और दुआ भेज रहे हैं। हम इससे निकल जाएंगे। इंशाल्लाह। दुआ में याद रखना।पोस्ट शेयर करने के बाद से ही फिल्म और टीवी इंडस्ट्री से जुड़े लोग लगातार दीपिका कक्कड़ के जल्द से जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं।इसके अलावा दीपिका के पति शोएब इब्राहिम ने अपने यूट्यूब चैनल से एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने फैंस को बताया है कि कैसे उन्हें कैंसर की जानकारी मिली। शोएब ने बताया है कि दीपिका को बीते कुछ दिनों से लगातार पेट में दर्द हो रहा था। उन्होंने इसका टेस्ट करवाया तो पता चला कि उन्हें ट्यूमर है। कुछ समय पहले ही दीपिका की सर्जरी होने वाली थी, जिसमें ये ट्यूमर निकाला जाने वाला था, लेकिन इसी बीच एक्ट्रेस को तेज बुखार हो गया, जिससे उनकी सर्जरी टाल दी गई थी।अब जांच में सामने आया है कि ट्यूमर में सेकंड स्टेज का कैंसर है। दीपिका ने व्लॉग में कहा है कि डॉक्टर्स ने उन्हें तसल्ली दी है कि ये कैंसर काफी आसानी से ठीक किया जा सकता है। कोई भी चिंता की बात नहीं है। वहीं कपल ने सभी फैंस से दुआ करने की अपील की है।बताते चलें कि दीपिका कक्कड़ ससुराल सिमर का, अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो, कहां हम कहां तुम जैसे टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वो नच बलिए, झलक दिखला जा और बिग बॉस 12 जैसे रियलिटी शोज का हिस्सा रही हैं। दीपिका बिग बॉस 12 की विनर रह चुकी हैं।

दीपिका कक्कड़ को हुआ सेकेंड स्टेज का लिवर कैंसर,पेट में टेनिस बॉल साइज के ट्यूमर में हैं कैंसर, तेज बुखार होने पर सर्जरी टालनी पड़ी थी

नई दिल्ली। ससुराल सिमर का फेम एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ को सेकंड स्टेज का कैंसर हो गया है। एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। एक्ट्रेस की पोस्ट सामने आने के बाद से ही फैंस और करीबी फिक्रमंद हो गए हैं, हालांकि एक्ट्रेस ने ये भी तसल्ली दी है कि वो जल्द ही ठीक हो जाएंगी।दीपिका ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम से पोस्ट शेयर कर लिखा है, जैसा कि आप सब जानते हैं कि पिछले कुछ हफ्ते हमारे लिए मुश्किल रहे हैं। पेट के ऊपरी हिस्से के तेज दर्द के साथ हॉस्पिटल जाना, फिर पता चलना कि हमारे लिवर में टेनिस बॉल के साइज का ट्यूमर है और फिर पता चलना कि ये ट्यूमर सेकेंड स्टेज कैंसर है। ये हमारे लिए सबसे मुश्किल समय है जिसे हमने देखा और एक्सपीरियंस किया है। मैं पूरी हिम्मत के साथ इसका सामना करने और इससे निकलने के लिए पॉजिटिव और डिटरमाइन हूं।

इंशाल्लाह। मेरा परिवार भी इसमें मेरे साथ है और आप सब भी लगातार प्यार और दुआ भेज रहे हैं। हम इससे निकल जाएंगे। इंशाल्लाह। दुआ में याद रखना।पोस्ट शेयर करने के बाद से ही फिल्म और टीवी इंडस्ट्री से जुड़े लोग लगातार दीपिका कक्कड़ के जल्द से जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं।इसके अलावा दीपिका के पति शोएब इब्राहिम ने अपने यूट्यूब चैनल से एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने फैंस को बताया है कि कैसे उन्हें कैंसर की जानकारी मिली। शोएब ने बताया है कि दीपिका को बीते कुछ दिनों से लगातार पेट में दर्द हो रहा था। उन्होंने इसका टेस्ट करवाया तो पता चला कि उन्हें ट्यूमर है। कुछ समय पहले ही दीपिका की सर्जरी होने वाली थी, जिसमें ये ट्यूमर निकाला जाने वाला था, लेकिन इसी बीच एक्ट्रेस को तेज बुखार हो गया, जिससे उनकी सर्जरी टाल दी गई थी।अब जांच में सामने आया है कि ट्यूमर में सेकंड स्टेज का कैंसर है। दीपिका ने व्लॉग में कहा है कि डॉक्टर्स ने उन्हें तसल्ली दी है कि ये कैंसर काफी आसानी से ठीक किया जा सकता है। कोई भी चिंता की बात नहीं है। वहीं कपल ने सभी फैंस से दुआ करने की अपील की है।बताते चलें कि दीपिका कक्कड़ ससुराल सिमर का, अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो, कहां हम कहां तुम जैसे टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वो नच बलिए, झलक दिखला जा और बिग बॉस 12 जैसे रियलिटी शोज का हिस्सा रही हैं। दीपिका बिग बॉस 12 की विनर रह चुकी हैं।

बॉलीवुड सेलेब्स के सपोर्ट में उतरे सुनील शेट्टी,बोले- ऑपरेशन सिंदूर पर इंडस्ट्री ने बहुत कुछ कहा है, हम अपने देश के लिए खड़े हैं

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी इन दिनों अपनी नई फिल्म 'केसरी वीर' रिलीज हुई है। जयपुर पहुंचे सुनील शेट्टी ने न सिर्फ फिल्म के संदेश पर बात की, बल्कि देशभक्ति, राजपूती वीरता, और ऑपरेशन सिंदूर जैसे

मुद्दों पर भी बात की। जब उनसे सवाल पूछा गया कि बॉलीवुड ने ऑपरेशन सिंदूर पर क्यों नहीं बोला? जिस पर सुनील शेट्टी ने कहा कि बॉलीवुड ने ऑपरेशन सिंदूर पर बहुत कुछ कहा है।सुनील शेट्टी ने बेबाकी से जवाब देते हुए कहा, 'बॉलीवुड ने बहुत कुछ बोला है। जिनको बोलना है, बोले हैं। सबको हम नहीं बोल सकते ना। हम हमारी बात कर सकते हैं, दुनिया की बात नहीं कर सकते। यही है कि देश के हित में सभी खड़े हैं और अपनी-अपनी तरफ से वह अपना जो प्यार है और अपनी जो फीलिंग है, वह दोहराते हैं, दिखाते हैं दुनिया को। सबका अपना-अपना तरीका है।' तुर्किये पर बॉयकॉट के सवाल पर सुनील शेट्टी ने अपनी राय स्पष्ट की। उन्होंने कहा, 'अगर सरकार ने कुछ कहा है, तो मैं सबसे पहले समर्थन करूंगा। जो हमारे लीडर्स कहें, वही सर्वोपरि है।'राजपूतों के बलिदान पर बनी है फिल्म 'केसरी वीर' को लेकर सुनील शेट्टी ने कहा कि फिल्म उन अनसंग हीरोज की कहानी है, जिनका जिक्र हमारी किताबों में नहीं मिलता। सुनील शेट्टी ने कहा 'राजपूतों की कहानी है। सिर, धड़ से अलग हो जाता है, लेकिन आखिरी दम तक लड़ते रहते हैं और हम हमेशा देश के लिए करते आए हैं।बता दें कि फिल्म 'केसरी वीर' को प्रिंस धीमान ने डायरेक्ट किया है और इसमें सुनील शेट्टी के अलावा विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 23 मई 2025 को रिलीज हुई और इसे राजपूत, भील और हिंदू समाज के एकजुट संघर्ष की कहानी के तौर पर प्रस्तुत किया गया है।

कांस 2025 की क्लोजिंग सेरेमनी में आलिया ने रचा इतिहास:गुच्ची ब्रांड की डिजाइन की हुई पहली साड़ी पहनी

नई दिल्ली। आलिया भट्ट ने

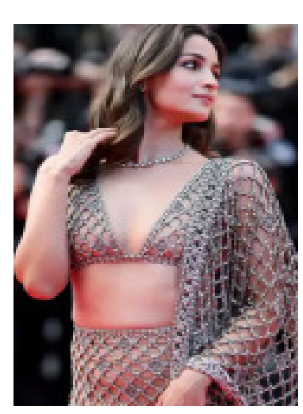

इस साल कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर डेब्यू किया है। पहले दिन जहां एक्ट्रेस बॉडी कॉन ड्रेस से प्रेग्नेंसी रूमर्स से चर्चा में आ गई थीं, वहीं क्लोजिंग सेरेमनी में आलिया ने अपने लुक से इतिहास रच दिया है। दरअसल, एक्ट्रेस ने कांस के आखिरी दिन गुच्ची ब्रांड की गोल्डन साड़ी पहनी थी। ये पहली बार है जब गुच्ची जैसी इंटरनेशनल ब्रांड ने साड़ी डिजाइन की है।

एक्टिंग में इमोशनल लेबर करते हैं कलाकार- पंकज त्रिपाठी,क्रिमिनल जस्टिस 4 के स्टार्स ने खोले राज

नई दिल्ली। एक्टर पंकज त्रिपाठी, एक्ट्रेस श्वेता बसु और सुरवीन चावला तीनों ही बड़े पर्दे के अलावा ओटीटी के लिए काम कर चुके हैं। तीनों ओटीटी प्लेटफॉर्म का जाना माना चेहरा हैं। जल्द ही इनकी वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस 4' आने वाली है। बातचीत में उन्होंने इन्होंने पीआर इमेज, ओटीटी बनाम थियेटर जैसे मुद्दों पर अपनी राय रखी। इनका मानना है कि दोनों की अपनी पहचान है। हालांकि, ओटीटी थियेटर के मुकाबले ज्यादा डेमोक्रेटिक प्लेटफॉर्म है।सुरवीन- इमेज बनाना उनका काम है। मेरा काम है, मैं जो हूं वो रहूं। बतौर एक्टर मेरा काम होना चाहिए कि मैं जो भी किरदार निभाती हूं उसकी एक इमेज बना सकूं। अगर मैंने ये कर लिया तो मैं सही रास्ते पर हूं। बाकी इसके अलावा इमेज बनाना

अपने हाथ में नहीं है। मेरा मानना है कि इमेज के पीछे अपना टाइम बर्बाद करने के बजाए अपने काम पर फोकस करूं। मेरा काम बात करे, मेरी इमेज नहीं।श्वेता- मैं तो सुरवीन की बातों से सहमत हूं। मेरा तो पीआर ही तभी होता है, जब मैं शो या कोई फिल्म प्रमोट कर रही होती हूं। उसी के आसपास मेरे इंटरव्यू आते हैं। बाकी टाइम में गायब रहती हूं। सोशल मीडिया में जब पोस्ट करना होता है, तब एक्टिव होती हूं फिर गायब हो जाती हूं। मेरा फोकस काम पर होता है। जब घर पर होती हूं तो फोकस घर पर और जब दोस्तों के साथ होती हूं तो सारा फोकस उन पर होता है। ये सारे ही मेरे अलग-अलग किरदार हैं, जिन्हें मैं असल जीवन में निभा रही होती हूं। ऐसे में जिसको जो दिखा जाए, उसका वो जो भी मतलब निकाले, मेरे लिए वो ओके है।पंकज- मृदुला हमेशा सपोर्ट में खड़ी रही हैं। अभिनय काम वैसे भी नाजुक काम है। हम तो किरदारों की नाराजगी लेकर घर चले जाते हैं और अपनी खुशी किरदारों के दे देते हैं। एक्टर एकलौता वर्कर है दुनिया का, जो इमोशनल लेबर करता है। बाकी लोग मेंटल और फिजिकल लेबर करते हैं। जिंदगी में दुख है लेकिन उसी दिन हमें शूटिंग में स्क्रीन पर खुश दिखाना होता है। जिंदगी में खुशी का माहौल होता है, तब कई बार हमें स्क्रीन पर दुख दिखाना होता है। ऐसे में संभव होता है कि आप किरदार का गुस्सा, दर्द घर लेकर चले जाओ। ऐसे में घर में बीवी बच्चे भी समझने लगते हैं कि इनके दिमाग पर अभी किरदार हावी है। हमारे भारतीय समाज में तो फैमिली बहुत मैटर करती है।

करण जौहर 53वे पढ़ाओ पे, अंडरवर्ल्ड की धमकियां मिलीं तो छोड़ा देश,कहा था- खुद को देखकर घिन आती है

नई दिल्ली। इश्क, मोहब्बत और रिश्तों की कहानियां अगर किसी ने बड़े पर्दे पर सबसे खूबसूरत अंदाज में उतारी हैं, तो वो हैं करण जौहर। आज करण न केवल बॉलीवुड के सबसे मशहूर और सफल फिल्ममेकर हैं, बल्कि एक ट्रेंड सेटर भी हैं। उन्होंने अपने पिता यश जौहर की विरासत को न सिर्फ संभाला, बल्कि उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। करण सिर्फ फिल्मों की कहानियां नहीं लिखते, बल्कि उन्हें जीते हैं। हालांकि जिस इंसान ने सबको मोहब्बत की अहमियत समझाई, उसी की अपनी जिंदगी में प्यार कहीं अधूरा रह गया। उनका नाम कभी शाहरुख खान तो कभी मनीष मल्होत्रा और यहां तक कि सिद्धार्थ मल्होत्रा से भी जोड़ा गया। करण ने ट्विंकल खन्ना को भी प्रपोज किया था। फिर भी अब तक उनका कोई रिश्ता मुकम्मल नहीं हो पाया।करण जौहर कहते हैं कि 50 साल की उम्र के बाद उन्हें अपनी जिंदगी में किसी पार्टनर की जरूरत महसूस नहीं होती है। हालांकि उनकी जिंदगी में एक दौर ऐसा भी था जब उनका नाम मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के साथ जोड़ा गया था। करण और मनीष की दोस्ती की शुरुआत हुई थी 90 के दशक में, जब करण अपने पिता यश जौहर की फिल्म गुमराह की शूटिंग के दौरान मनीष से मिले। तब से लेकर अब तक दोनों दोस्त हैं। हालांकि एक समय ऐसा भी आया जब दोनों के नाम एक साथ जोड़े गए और कहा जाने लगा कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दरअसल, मनीष ने करण को सोशल मीडिया पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। बस, फिर क्या था, फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। एक ने लिखा- 'आप

दोनों बहुत प्यारे कपल लगते हैं। दिलचस्प बात ये रही कि मनीष ने उस कमेंट्स को लाइक किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर अफवाहों का सिलसिला शुरू हो गया। चर्चा होने लगी कि क्या करण और मनीष एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं? हालांकि इन तमाम कयासों पर खुद मनीष ने विराम लगाते हुए स्पष्ट किया था कि करण उनके लिए एक भाई की तरह हैं। उन्होंने साफ कहा कि ये रिश्ता महज दोस्ती का है।करण की जिंदगी में शाहरुख खान काफी अहमियत रखते हैं। करण का कहना है कि डायरेक्शन की दुनिया में उन्हें जो भी सफलता मिली है, उसका पूरा श्रेय शाहरुख को जाता हैं। हालांकि एक समय ऐसा भी आया जब करण और शाहरुख के बीच अफेयर की अफवाहें सामने आईं। कहा गया कि शाहरुख बायसेक्शुअल हैं और करण जौहर के साथ रिलेशनशिप में हैं। ये चर्चाएं उस वक्त शुरू हुई थीं जब फिल्म 'कुछ कुछ होता है' बन रही थी। वहीं, इंटरव्यू के दौरान जब एक रिपोर्टर ने करण से पूछा कि आपका और शाहरुख का रिश्ता अनोखा है तो यह सवाल सुनते ही करण भड़क गए। उन्होंने तीखे लहजे में कहा, 'इसका क्या मतलब है? आप ये सवाल कैसे पूछ सकती हैं? मुझे फर्क नहीं पड़ता कि मेरे और शाहरुख के बीच क्या उतार-चढ़ाव आए हैं, लेकिन वो मेरे लिए पिता और भाई जैसे हैं। अगर मैं आपसे पूछूं कि आपको अपने भाई के साथ सोकर कैसा लगता है, तो क्या आपको अच्छा लगेगा?' अपनी किताब में करण ने लिखा था कि जिस इंसान का कोई एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर नहीं होता, लोग उसे गे समझ लेते हैं।सिर्फ मनीष या फिर शाहरुख ही नहीं बल्कि करण का नाम सिद्धार्थ मल्होत्रा से भी जुड़ा। जूम की पूर्व एंटरटेनमेंट जर्नलिस्ट सिमी चंदोके के अनुसार, करण सिद्धार्थ को बेहद पसंद करते थे, इतना कि उन्होंने न सिर्फ उन्हें लॉन्च किया, बल्कि लगातार कई फिल्में भी ऑफर कीं, लेकिन सिद्धार्थ ने करण की इस मोहब्बत का फायदा उठाया और यहां तक कि कभी-कभी उन्हें धमकाने से भी पीछे नहीं हटे। एक इंटरव्यू में सिमी चंदोके ने कहा था, 'शुरुआत में मुझे सिद्धार्थ मल्होत्रा के लिए थोड़ा अफसोस हुआ करता था, लेकिन समय के साथ पता चला कि वह काफी समझदार हैं। जब उन्हें एहसास हुआ कि करण के मन में उनके लिए फीलिंग्स हैं तो उन्होंने इसका फायदा उठाया। उन्होंने करण को कई बार मानसिक तौर पर दबाव में भी डाला। इसका करण पर गहरा असर पड़ा और वह इमोशनली टूट भी जाते थे। सिमी ने आगे बताया, 'करण ने सिद्धार्थ के लिए उस समय का सबसे महंगा आईफोन, लंदन और मिलान से प्राडा के बैग, गुच्ची के कपड़े जैसी महंगी चीजें खरीदीं। सिद्धार्थ एक साधारण परिवार से थे और उस वक्त मुंबई में स्ट्रगल कर रहे थे। ऐसे में इतने बड़े लेवल पर पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था।'हर किसी की जिंदगी में पहली मोहब्बत की एक खास जगह होती है। वो मासूम, बेझिझक और बिना किसी शर्त के होती है। कुछ ऐसा ही किस्सा फिल्ममेकर करण जौहर की जिंदगी का भी है, जिनकी पहली मोहब्बत कोई और नहीं, बल्कि उनकी बचपन की दोस्त ट्विंकल खन्ना थीं।

पंचगनी के बोर्डिंग स्कूल में साथ पढ़ते हुए करण और ट्विंकल के बीच गहरी दोस्ती हुई। दोनों ही फिल्मी परिवार से आते थे, तो सोच और समझ भी कहीं न कहीं मिलती थी, लेकिन करण के लिए ये दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई।

संदीप वांगा की 'स्पिरिट' में तृप्ति डिमरी की एंट्री, दीपिका पादुकोण को किया रिप्लेस, पहली बार प्रभास के साथ दिखेंगी, भूषण कुमार कर रहे हैं प्रोड्यूस

नई दिल्ली। डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में प्रभास के अपोजिट तृप्ति डिमरी नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण के प्रोजेक्ट से हटने के बाद, अब मेकर्स ने

ऑफिशियली तृप्ति डिमरी के नाम की घोषणा कर दी है। एक्ट्रेस ने भी इस बात को अपने इंस्टाग्राम पर कंफर्म कर दिया है। फिल्म में शामिल किए जाने के बाद तृप्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा- 'अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। इस जर्नी में शामिल करने के लिए बहुत आभारी हूं। शुक्रिया संदीप रेड्डी वांगा। आपके विजन का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं।तृप्ति संदीप रेड्डी के साथ इससे पहले 'एनिमल' में काम कर चुकी हैं। इस फिल्म ने उन्हें देश भर में पॉपुलर कर दिया था। 'एनिमल' की वजह से उन्हें नेशनल क्रश का टैग भी मिल गया था। यह पहली बार होगा जब तृप्ति डिमरी और प्रभास एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। फिल्म की बात करें तो इस वक्त इसके प्री प्रोडक्शन का काम चल रहा है। जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। फिल्म को भूषण कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं।बता दें कि पहले इस फिल्म की शूटिंग साल 2024 के आखिरी में होने वाली थी लेकिन दीपिका की प्रेग्नेंसी की वजह से शूटिंग टल गई थी। मां बनने के बाद अपने बिजी शेड्यूल के कारण दीपिका ने फिल्म करने मना कर दिया था। लेकिन संदीप को दीपिका ही चाहिए थीं इसलिए उन्होंने उनके हिसाब से शेड्यूल को बदला, जिसके बाद दीपिका ने फिल्म के लिए हामी भर दी थी।कुछ ही दिन पहले ये खबर आई थी कि 'स्पिरिट' के लिए दीपिका पादुकोण को 20 करोड़ रुपए की फीस दी गई है।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सस्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।